Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

શુભ લાભ

शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 03 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-333

अब भारत की प्रतिक्रिया कूटनीतिक के बजाय रणनीतिक होनी चाहिए

बांग्लादेश में एक और मुक्ति संग्राम का समय आ गया है

लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास

बहुत से लोग नहीं जानते होंगे कि आजादी के समय भारत ने तीन मोर्चों का सामना किया था। भारत के विभाजन के बाद, भारत और पाकिस्तान अगस्त 1947 में स्वतंत्र राष्ट्र बन गए। एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान दो भागों में था, पश्चिमी पाकिस्तान जैसा कि हम आज पाकिस्तान को जानते हैं और पूर्वी पाकिस्तान, जो आज बांग्लादेश है। निश्चित तौर पर हमारा उत्तरी पड़ोसी चीन था जो 1962 के युद्ध के बाद हमारा सैन्य विरोधी रहा है। इसलिए, संक्षेप में, भारत ने उस युग में भी तीन मोर्चों पश्चिम, उत्तर और पूर्व में, प्रतिकूल सैन्य स्थिति का सामना किया है।

समकालीन इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है जहां एक राष्ट्र दो भागों में विभाजित हो गया था। पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान एक दूसरे से 2200 किमी से अधिक दूर थे और भारत दो मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बीच सैंडविच था। पूर्वी पाकिस्तान पर पश्चिमी पाकिस्तान के प्रभुत्व वाली सेना द्वारा बेरहमी से शासन किया जा रहा था और समग्र सुरक्षा ढाका में अपने मुख्यालय के साथ पाकिस्तान पूर्वी कमान की जिम्मेदारी में थी। पूर्वी पाकिस्तान में बंगाली अधिकारियों का प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से कम था और वह भी वे ज्यादातर तकनीकी और प्रशासनिक पदों पर थे। इसलिए, पूरी कमान और नियंत्रण संरचना पश्चिमी पाकिस्तान से लिए गए अधिकारी कैडर के हाथों में थी। मुझे यकीन है कि बांग्लादेश में अभी भी पर्याप्त मुसलमान हैं

हिंदू उत्पीड़न के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन होना चाहिए
विश्व को बताना होगा बांग्लादेश-मुक्ति में भारत का योगदान

जिन्होंने पाकिस्तानी सेना के अत्याचार को देखा है और धार्मिक उत्पीड़न का अर्थ समझते हैं।

बांग्लादेश को आजाद कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व शेख मुजीबुर रहमान ने किया था, जिसे बंगबंधु भी कहा जाता है वो बांग्लादेश के संस्थापक नेता थे। पूर्वी पाकिस्तान के बंगालियों को विशाल परिमाण के उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और ऐसा माना जाता है कि बांग्लादेश की मुक्ति से पहले नरसंहार के परिणामस्वरूप 30 लाख लोग हताहत हुए। 1971 में, जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मई 1971 में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल एसएफजे मानेकशॉ को पूर्वी पाकिस्तान में हस्तक्षेप करने के लिए कहा, तो सैम मानेकशॉ ने दृढ़ता से उन्हें उस समय सैनिक कार्रवाई के खिलाफ सलाह दी और दिसंबर 1971 में सैन्य हस्तक्षेप का सुझाव दिया। भारतीय सशस्त्र बलों, विशेष रूप से भारतीय सेना ने 3 दिसंबर से 16 दिसंबर 1971 तक पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान के खिलाफ दो मोर्चों पर पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी। बांग्लादेश की मुक्ति के बाद पूर्वी पाकिस्तान में 91,000 पाकिस्तानी सैनिकों का आत्मसमर्पण भारतीय सेना के सामने हुआ, जिसमें पाक लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी के नेतृत्व में पाकिस्तान के कमीशंड अधिकारी भी शामिल थे। भारतीय सशस्त्र बलों की उत्कृष्ट जीत जिसके कारण बांग्लादेश नामक एक स्वतंत्र राष्ट्र का जन्म हुआ, सैन्य इतिहास में अद्वितीय है।

बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना शासन के जबरन अपदस्थ होने के बाद, पड़ोसी देश ने हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ केवल अशांति और हिंसा देखी है। वहां पर हिंदुओं की संख्या 1.3 करोड़ से अधिक है और बांग्लादेश में लगभग 8 प्रतिशत आबादी का गठन करते हैं। नेपाल के बाद, यह भारत के अलावा किसी भी देश में सबसे अधिक हिंदू आबादी है। ▶10 पर

शीतकालीन सत्र का छठा दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ा

जो गलत होगा, वह गलत ही करेगा : धनखड़

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के चालू शीतकालीन सत्र के छठे दिन भी हंगामा जारी रहा। संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हंगामा और नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा, दोनों ही सदनों की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित होने से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के हंगामे को मर्फी के नियम से जोड़ दिया।

संसद में लागू हो रहा मर्फी का एल्गोरिदम

सदन में लगातार हो रहे हंगामे पर सभापति धनखड़ ने कहा कि सभी सदस्य मर्फी के नियम से परिचित होंगे जिसका आशय है कि जो गलत होगा, वह गलत ही करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस उच्च सदन में मर्फी के नियम को साकार करने के लिए एक एल्गोरिदम जानबूझकर बनाया गया है जिससे संसद के सुचारू कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है। सभापति ने कहा कि हम स्वयं वही कर रहे हैं जो हमारे संविधान के मुताबिक अपेक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान के निर्माताओं और उन असंख्य देशभक्तों, जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया, उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सदन से आग्रह करता हूं कि आज की कार्यसूची में सूचीबद्ध कार्यों को आगे बढ़ाने की अनुमति दें। सभापति के

हंगामे में दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

इतना कहते ही विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। अडाणी मुद्दे पर विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करने लगे। विपक्ष की नारेबाजी के बीच सभापति ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। ▶10 पर

अडाणी अडाणी के शोर से आजिज हो चुका है विपक्ष

सिर्फ राहुल का निजी मुद्दा रह गया अडाणी विवाद

इंडी में पड़ने लगी दरार, विपक्ष भी हंगामे से ऊबा

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। शीतकालीन सत्र चल रहा है लेकिन अभी एक बार भी ठीक तरह से किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं हो पाई है। कांग्रेस की तरफ से लगातार अडाणी विवाद उठाया जा रहा है, उस वजह से हर सेशन स्थगित करना पड़ जाता है। अब इस पूरे बवाल में एक बात साफ दिख रही है, इंडी गठबंधन एकजुट नहीं है। हर पार्टी अडाणी का मुद्दा उठाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही। बात चाहे टीएमसी की हो या फिर शरद पवार गुट की, सभी के अपने मुद्दे हैं, लेकिन कांग्रेस की वजह से सभी को पीछे हटना पड़ रहा है।

बड़ी बात यह है कि कांग्रेस के अपने कई सांसद अब हाईकमान की इस रणनीति से खुश नजर नहीं आ रहे हैं। उनकी तरफ से कहा जा रहा है कि देश

की जनता ने उन्हें वोट देकर सदन भेजा है, ऐसे में उनके मुद्दे उठाना जरूरी है। अगर सिर्फ इस तरह विरोध प्रदर्शन कर सदन को चलने से रोका जाएगा तो वोटरों को भी जवाब देना मुश्किल रहेगा। कुछ कांग्रेस सांसदों ने तो यहां तक बताया है कि राज्यसभा के कुछ चुनिंदा नेता ही पूरी कांग्रेस की रणनीति तैयार कर रहे हैं, ▶10 पर

संविधान पर बहस को लेकर बनी सहमति

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ जाने के बाद अब केंद्र सरकार और तमाम विपक्षी दल गतिरोध खत्म करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। दोनों पक्षों की तरफ से संविधान पर बहस करने के लिए सहमति बन गई है। 13 और 14 दिसंबर को लोकसभा में और 16-17 दिसंबर को राज्यसभा में इस मुद्दे पर चर्चा होगी। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष अपने तमाम मुद्दों को लेकर हंगामा कर रहा है, वहीं उसका आरोप है कि सत्ता पक्ष की तरफ से उनकी मांगें न माने जाने के कारण संसद की कार्यवाही ▶10 पर

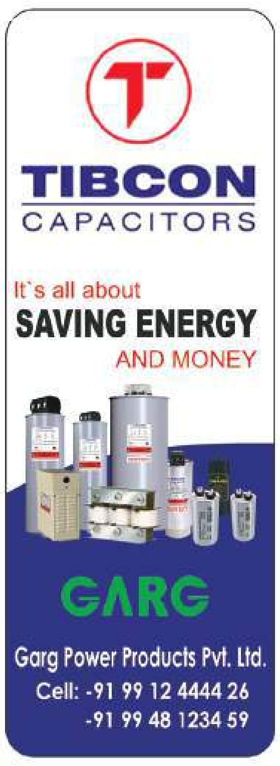

सूर्य का रहस्य जानने में जुटे कई देश, इसरो अहम भूमिका में

बेंगलुरु, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर इतिहास रचने की तैयारी में है। मौका होगा सूर्य के रहस्यों के पर्दा उठाने को तैयार मिशन प्रोबा-3 को लॉन्च करने का। इस अभियान में कई देशों के वैज्ञानिक शामिल हैं और उनके मिशन को लक्ष्य तक पहुंचाने का सारा दारोमदार इसरो के सबसे भरोसेमंद पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल यानी पीएसएलवी पर टिका है।

इसरो की तरफ से बताया गया कि यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को 4 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से लॉन्च किया जाएगा। प्रोबा-3 की लॉन्चिंग इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के सहयोग से होने वाली है। इसे बुधवार को शाम चार बजकर आठ मिनट पर छोड़ा जाएगा। इसके साथ ही इसरो ने बताया कि इस मिशन के जरिये 550 किलोग्राम वजनी उपग्रहों को एक अद्वितीय अत्यधिक अंडाकार कक्षा में स्थापित किया जाना जो किसी जटिल कक्षा में सटीक लॉन्चिंग की पीएसएलवी की विश्वसनीयता को मजबूत करेगा। यूरोपीय एजेंसी को अपने इस मिशन के तहत सूर्य के वायुमंडल की ▶10 पर

किसानों के विरोध प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त हिदायत

आम नागरिकों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। किसान आंदोलन के नाम पर हो रहे प्रदर्शन में शामिल लोगों के दिल्ली आने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त चेतावनी जारी की। सुप्रीम कोर्ट ने आंदोलनकारी किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसान नेताओं से कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। प्रदर्शनकारी किसान राजमार्गों को बाधित न करें और लोगों को असुविधा न पहुंचाएं। जगजीत सिंह डल्लेवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने यह बात कही।

पीठ ने कहा, किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों को अदालत ने नोट कर लिया है और इन पर विचार किया जा रहा है। पीठ ने याचिकाकर्ता डल्लेवाल की वकील से कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में आप शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन इससे लोगों को असुविधा नहीं होनी चाहिए। किसानों का विरोध सही या गलत, हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि डल्लेवाल

दिल्ली कूच करने पर आमादा प्रदर्शनकारी किसान

प्रदर्शनकारियों को कानून के तहत शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने के लिए राजी कर सकते हैं ताकि लोगों को कोई असुविधा न हो। पीठ ने कहा कि इस समय वे डल्लेवाल की याचिका पर विचार नहीं कर रही है, लेकिन वे बाद में संपर्क कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 26 नवंबर से पंजाब-हरियाणा सीमा पर खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन शुरू किया था। आमरण अनशन शुरू करने के कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने उन्हें धरना स्थल से जबरन हटा दिया और लुधियाना के अस्पताल में भर्ती करा दिया। बीते शुक्रवार शाम में डल्लेवाल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और 30 नवंबर को डल्लेवाल ने फिर से खनौरी बॉर्डर पर आकर धरना ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 26°
न्यूनतम : 21°

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों का कहर महिला पत्रकारों पर भी टूट रहा

...पर भारत का 'प्रोग्रेसिव हाइब्रिड मीडिया' चुप रहा

ढाका, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में कट्टरपंथियों का कहर पत्रकारों पर भी टूट रहा है। इस्लामिक कट्टरपंथी तत्व महिला पत्रकारों को भी नहीं बख्श रहे। पत्रकारों को भारत का एजेंट या शेख हसीना का एजेंट बता कर उन्हें सार्वजनिक तौर पर अपमानित किया जा रहा है और उन पर हमले बोले जा रहे हैं। इन घटनाओं पर भारत का दोगला प्रगतिशील दूषित नस्ल का मीडिया चुप्पी साधे हुए है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पिछले दिनों एक महिला पत्रकार मुन्नी साहा पर कट्टरपंथी इस्लामिक तत्वों ने हमला कर दिया। मुन्नी साहा को पीटा गया और कवारन बाजार इलाके में उन्हें बंधक बना लिया गया। किसी तरह से हिंदू समुदाय के लोगों और पुलिस को काफी जद्दोजहद के बाद मुन्नी साहा को बचाना पड़ा।

विजुअल मीडिया की प्रतिष्ठित हस्ती मुन्नी साहा कवारन बाजार स्थित एक मीडिया कंपनी के कार्यालय से बाहर निकल रही थीं। उसी समय, भीड़ ने उनकी कार को घेर लिया और उन पर भारतीय एजेंट और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का समर्थक होने का आरोप लगाया। भीड़ ने उनके साथ हाथापाई की, उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें बंधक बना लिया। हालात बिगड़ने पर ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय हिंदुओं की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। साहा को भीड़ से बचाने के बाद पहले तेजगांव पुलिस स्टेशन और फिर ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच कार्यालय ले जाया गया।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद पत्रकारों के खिलाफ हिंसा और कानूनी कार्रवाई की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस की नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कई पत्रकारों की मान्यता रद्द कर दी है। कई पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिससे मीडिया की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं। हाल के दिनों में प्रोथोम आलो और डेली स्टार जैसे प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन और नाराजगी के मामले देखे गए हैं। मुन्नी साहा के खिलाफ प्रदर्शन करने वाली भीड़ पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। यह चुप्पी और भीड़ की हरकतों पर नियंत्रण न होने से बांग्लादेश में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बांग्लादेश में पत्रकारों को लगातार आलोचना, पक्षपात के आरोप और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ▶10 पर

भारतीय होने की वजह से सायन घोष पर हुआ हमला

कोलकाता, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के 22 साल के युवक सायन घोष पर ढाका में कट्टरपंथियों ने भारतीय होने के कारण बुरी तरह पीटा और सार्वजनिक तौर पर अपमानित किया। कोलकाता के बेलघरिया इलाके के रहने वाले सायन घोष 23 नवंबर को बांग्लादेश गए थे। वे वहां एक मित्र के यहां रुके थे। 26 नवंबर की शाम को सड़क पर युवकों के एक समूह ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने पहचान पूछी और यह जानने पर कि सायन भारतीय है और हिंदू है, उन्होंने लात-घूंसों से मारना शुरू कर दिया। उन्होंने सायन के दोस्त को भी नहीं छोड़ा, उस पर भी हमला कर दिया। चाकू की नोक पर सायन का मोबाइल फोन और बटुआ भी छीन लिया। कोई भी राहगीर मदद के लिए आगे नहीं आया। ▶10 पर

जीतो बेंगलूरु साउथ का बिजनेस सिनेर्जी कार्यक्रम आयोजित

कैलेंडर का भव्य विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। व्यापार व व्यवसाय में अभिवृद्धि के उद्देश्य से जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा आयोजित बिजनेस सिनेर्जी कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का आयोजन यहां रविवार को उत्साहपूर्वक हुआ। इस मौके पर जैन धर्म के विविध पर्व, पंचांग तिथि व राष्ट्रीय त्यौहार संबंधित जानकारी से भरपूर कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। जीतो बिजेनस नेटवर्क (जेबीएन) के तत्वावधान में जीतो बेंगलूरु साउथ ने सदस्यों के बीच व्यापारिक नेटवर्किंग संबंध को मजबूती प्रदान करने के लिए मेंबर्स कनेक्ट 2.0 – बिजनेस सिनेर्जी नामक पहल की है। इस माईक्रो मीटिंग के दूसरे संस्करण का आयोजन रविवार को स्थानीय जीतो कार्यालय में किया गया। कुल 880 सदस्यों के लिए चरणबद्ध तरीके से आयोजित इस माईक्रो मीटिंग श्रृंखला में इस बार उन 50 सदस्यों ने शिरकत की, जिनके नामों की शुरुआत अंग्रेजी अक्षर ए से लेकर जे तक थी। इस तरह की माईक्रो मीटिंग का मकसद सभी सदस्यों को आपस में जुड़ने और कारोबार संबंधित बातचीत करने का बेहतरीन मौका प्रदान कराना है। इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथि और प्रबंध समिति सदस्य भी मौजूद थे। नवकार मंत्र और दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरु हुए इस कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने स्वागत किया। उन्होंने जीतो के विविध प्रोजेक्ट, जैसे कि जेबीएन, सीएफई, जेआईआईएफ, खेल, अल्पसंखयक, मेट्रीमोनी (ब्याह संबंधित) जेएटीएफ, श्रमण आरोग्यम, महिला, यूथ और इंटरनेशनल विंग की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने इस माईक्रो मीटिंग के उद्देश्य पर रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सदस्य के कारोबार को जानना और आपसी नेटवर्किंग से हर एक के काम में विकास और विस्तार के बेहतर आयाम स्थापित करना मूल मकसद है। अक्षर आधारित सदस्यों को चरण बद्ध तरीके से अलग अलग बैठक में शामिल करने से प्रत्येक सदस्य के व्यवसाय को उजागर होने का मंच मिलेगा। जीतो एपेक्स, जेआईआई एफ के प्रभारी निदेशक शैलेश हरण ने बतौर मुख्य वक्ता इस कार्यक्रम में अपने विवार व्यक्त किए। उन्होंने संस्था द्वारा आयोजित ऐसी बैठक की अहमियत पर जोर दिया और कहा कि नेटवर्किंग से कारोबार बेहतर बनाया जा सकता है। जेआईआईएफ की भूमिका पर रोशनी डालते हुए उन्होंने बताया कि स्टार्ट अप को बढावा देने के लिए संस्था मेंटरिंग (मार्ग दर्शन देना), इनक्यूबेशन (उद्योग के परिपक्व होने तक संबल प्रदान करने) और फंडिंग (निवेश देने) में मदद देती है। जेएटीएफ के जोनल चेयरमैन अशोक नागोरी ने संस्था के उद्देश्यों व उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। प्रशानिक सेवाओ में प्रत्याशी विद्यार्थियों के लिए अमूल्य कार्य कर रहे इस पहल की जानकारी दी। आई ए एस, आई पी एस, आई आर एफ एस, आई आर एस जैसी सेवाओं में 600 से अधिक अफसरों को केंद्र व राज्य सरकारी सेवा में भर्ती करवाने में अहम भूमिका निभाई है। जेआईआई एफ के संयोजक विकास गुलेच्छा ने संस्था में शामिल होने की प्रक्रिया बाबत जानकारी दी। संस्था ने छ: वर्ष पूरे किए है और जीतो नेटवर्क से करीब 700 जैन निवेशकों की सदस्यता प्राप्त है। इसके उपरांत जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर फांउडेशन द्वारा प्रथम जैन केलेंडर का भव्य विमोचन हुआ। जैन पंचांग के अनुसार आगामी दिवाली तक की विशेष जैन तिथि और त्यौहारों को इसमें शामिल किया गया है। अनूप श्रीश्रीमाल, (ड्रेस कोड), नितिन जैन (प्रिस्टीन वेंचर्स), संकित मुणोत (सिल्वर एम्पाईर एनेक्स), अंकित जैन (मातुश्री गोल्ड एलएलपी), हितेंद्र जैन, अंकित भंसाली (ऑफिस एन ए बॉक्स), दीपक जैन (मेघदूत टेक्स्टाईल), दीपक श्रीश्रीमाल (ई आई एम आर), राहुल चोपडा (नक्श ज्वेल्स), अश्विन जैन (गजराज बिल्डकॉन), शीतल जैन (एस आर एफ डिटेक्टिव एण्ड सेक्यूरिटी) और दिनेश मेहता (जिनेश्वर डेवलपर) ने इसका प्रायोजन किया है। कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु साउथ के उप चेयरमैन महेंद्र जियानी, सचिव कोमल भंडारी व प्रतीक गांधी, सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र संकलेचा, प्रबंध समिति सदस्य, पूर्व उप चेयरमैन हेमराज पालगोटा व नरेंद्र मूथा व पूर्व मुख्य सचिव महेश नाहर भी उपस्थित थे।

स्वामी जी के खेद जताने के बाद शिकायत दर्ज कराना उचित नहीं: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व सांसद डीके सुरेश ने ओक्कालिगा महासंस्थान के स्वामी श्री चन्द्रशेखर स्वामीजी के खिलाफ दायर मामले को वापस लेने की अपील की है। उन्होंने यहां शहर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कोई भी नफरत करने वाला राजनेता नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करना चाहिए, स्वामी जी के खिलाफ भी इस तरह की नफरत अच्छी नहीं है। स्वामी जी को अपने कथन पर खेद हुआ। संविधान में सभी को समान अधिकार दिये गये हैं। स्वामी जी के खेद जताने के बाद शिकायत दर्ज कराना उचित नहीं है। बेहतर होगा कि इसे वहीं छोड़ दिया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि विपक्ष को इस घटनाक्रम पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। कुमारस्वामी के इस बयान पर कि वह अगले विधानसभा चुनाव में रामनगर की सभी सीटें जीतकर क्लीन स्वीप करेंगे, डीके सुरेश ने कहा कि संतोष की आशा का स्वागत है। यतनाल के यह कहने पर कि विजयेंद्र डीके शिवकुमार के करीबी हैं, सुरेश ने कहा कि यतनाल भी डीके शिवकुमार के करीबी हैं। उन्होंने कहा कि वह अक्सर कुछ कागजात पर हस्ताक्षर कराने आते हैं। उन्होंने कहा कि केपीसीसी अध्यक्ष का पद खाली नहीं है। इसलिए इस पर चर्चा अप्रासंगिक है। मुझे किसी चीज की इच्छा नहीं है। मैं आराम कर रहा हूं। 14 दिसंबर को चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र में धन्यवाद सभा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है और विधायकों ने कहा है कि विधानमंडल सत्र के कारण उन्हें समय नहीं मिलेगा। इसलिए वह प्रतिस्थापन तिथि की जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि नारायणस्वामी द्वारा विधायक मुनिरत्न पर लगाए गए आरोपों के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

मनुष्य का मन पानी की तरह: महात्मा तुरियानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आईजी सेवा संघ बन्नेरघट्टा ने आईमाता वडेर में शनिवार को संत महात्माओं के सानिध्य में दीपावली स्नेह मिलन आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत आईमाताजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुई। संस्था के अध्यक्ष केवलराम पंवार ने सभी का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। सामारोह में आए मानव सेवा समिति बेंगलूरु के प्रभारी संत तुरियानंद, गुणवंतानंद ने विभिन्न ग्रंथों के आधार पर प्रवचन दिए। संत तुरियानंद ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य का मन पानी की तरह है। पानी को जिस बर्तन में डालेंगे वह उस आकर को धारण कर लेता है। उसी तरह मन को भी जैसे निमित में रखेंगे, वैसा होगा। मन को हमें खराब बातों से दूर रखना होगा। मन को सदाच–ारी रखना है। दुराचार से दूर रखना है तो हमें जहां–जहां हमारा मन कुसंस्कारों को धारण करता है वहां से मन को दूर करना होगा। स्थानीय भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते रहे। सामारोह में आए मुख्य अतिथि सीरवी महासभा कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, महासचिव अमरचन्द सातपुरा, सह सचिव भुण्डाराम हाम्बड बल्लेकहल्ली, जिग्नी वडेर के अध्यक्ष मांगीलाल राठौड़, भोलाराम का सम्मान किया गया। महासभा के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार ने कहा कि स्नेह मिलन एक दूसरे को आपसी प्रेम व भाईचारे को जोड़ने का काम करता है। इस अवसर पर संस्था के सचिव रामलाल हाम्बड, भीकाराम काग, खंगारराम चोयल, टी रमेशचन्द सेणचा सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

नक्सलियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के पीटाबाइलू में विक्रम गौड़ा के साथ मुठभेड़ के बाद नक्सलियों की तलाश जारी है। एएनएफ कर्मियों द्वारा कब्बीनाले, मट्टावु, नादपालू और पीटाबाइलू के आसपास के इलाकों की गहन तलाशी ली जा रही है। हेबरी पुलिस स्टेशन के डीएसपी जांच का नेतृत्व कर रहे हैं, जो हेबरी पुलिस स्टेशन और एएनएफ के पुलिसकर्मियों के साथ तलाशी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। विक्रम गौड़ा के साथ मुठभेड़ के बाद पीटाबाइलू के आसपास के लोग भयभीत हैं। जिस घर में विक्रम गौड़ा का एनकाउंटर हुआ था, उसके निवासी अभी तक अपने घर नहीं लौटे हैं। बताया जा रहा है कि वे घर में दोबारा घुसने से पहले पूजा करने की योजना बना रहे हैं। एएनएफ के जवान पास के एक घर में डेरा डाले हुए हैं और उस घर के निवासी अपने रिश्तेदारों के घर चले गए हैं। जांच अधिकारी करकला डीएसपी पी अरविंद ने बताया कि पीटाबाइलू में विक्रम गौड़ा के साथ मुठभेड़ की जांच जारी है। पुलिस को जल्द ही पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का सात दिवसीय देवदर्शन यात्रा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु के मुख्य कार्यवाह सुनील शर्मा सात दिवसीय देवदर्शन हेतु 100 लोगों के सामाजिक यात्रा संघ को लेकर रेल द्वारा राजस्थान के सुमेरपुर स्थित कुलदेवी जाखा माता मंदिर पहुंचे। जहां सुनील शर्मा द्वारा नवनिर्मित भवन एवं प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया गया एवं वहां भव्य भजन संध्या का आयोजन भी हुआ। तत्पश्चात संघ माउंट आबू, रणकपुर स्थित सूर्य मंदिर, जैन मंदिर, चारभुजा श्रीनाथ मंदिर, सोनाणा खेतलाजी भैरु मंदिर एवं आशापुरा माता मंदिर आदि देवदर्शन कर संघ पुनः बेंगलूरु पहुंचा। बेंगलूरु शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा रविवार को जेपी नगर स्थित सूर्य मंदिर में संघपति सुनील शर्मा का स्वागत समारोह रखा गया। जिसमें शर्मा परिवार का गाजे–बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। समाज के गणमान्य वरिष्ठ व्यक्तियों ने संघ की शानदार व्यवस्था के लिए सुनील शर्मा का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। सम्मान एवं आभार ज्ञापन समारोह में सुनील शर्मा, संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा का वरिष्ठ नागरिकों एवं महिला मंडल द्वारा बहुमान किया गया। इस अवसर पर जे. बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, रमेश शर्मा, चेतन शर्मा, जेठमल शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, हुकमचंद, राजेश शर्मा, विजयकुमार शर्मा, भूपेश कश्यप सहित अनेक गणमान्य लोग उप–स्थित थे।

मैसूरु में खुलेगा दुनिया का पहला एलईडी गुंबद वाला तारामंडल

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में सितंबर 2025 में दुनिया का पहला एलईडी गुंबद वाला तारामंडल आम जनता के लिए खुल जाएगा। बता दें कि 91 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस प्रोजेक्ट को भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईएपी) और मैसूरु विश्वविद्यालय के सहयोग से चामुंडी हिल्स कैंपस में बनाया जा रहा है। आईआईएपी की निदेशक अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने बताया कि यह तारामंडल पारंपरिक प्रोजेक्टर–आधारित सिस्टम से अलग होगा। इसमें एलईडी तत्वों का उपयोग होगा, जो रंगों का एक बड़ा स्पेक्ट्रम प्रदर्शित करेंगे। इस तारामंडल का गुंबद 15 मीटर चौड़ा होगा और 15 डिग्री के कोण पर झुका होगा, जिससे दर्शकों को आकाश को सीधे सामने देखने का अनुभव मिलेगा। इसके लिए कुर्सियों पर लेटने और गर्दन झुकाने की जरूरत नहीं होगी। यह एलईडी डोम सिस्टम अधिक चमकदार और विस्तृत रंगों के साथ यथार्थपूर्ण तारों वाला आकाश और खगोलीय दृश्य दिखाने में सक्षम होगा। इसमें फ्रेंच कंपनी आरएसए कॉसमॉस के स्काईएक्सप्लोरर सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, और 8के एलईडी लाइट्स लगाई जाएंगी। इस प्रोजेक्ट का निर्माण तेजी से हो रहा है और इसे अगले साल सितंबर तक शुरू करने की योजना है।

आरएसए कॉसमॉस ने इस एलईडी डोम प्लैनेटेरियम का निर्माण अनुबंध हासिल किया है, और इसकी स्थापना भारतीय सहायक कंपनी ऑर्बिट एनीमेट प्रा. लिमिटेड की तरफ से की जाएगी। आईआईएपी के कॉसमॉस सेंटर (ब्रह्मांड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान प्रशिक्षण केंद्र) के साथ यह तारामंडल एक अत्याधुनिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्र होगा। यह छात्रों और शिक्षकों को नई तकनीकों से प्रशिक्षित करेगा और समाज के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह परियोजना केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सांसद निधि (एमपीएलएडीएस) फंड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग और भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय के सहयोग से वित्त पोषित है।

देशद्रोही गतिविधियों में शामिल लोगों के केस वापस लेने वाली सरकार स्वामीजी को दे रही धमकी: विजयेंद्र

भाजपा स्वामीजी के साथ खड़ी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि स्वामीजी स्वाभाविक रूप से आक्रोश के साथ बोले। सरकार देशद्रोहियों और देशद्रोही गतिविधियों में शामिल लोगों के मुकदमे वापस ले रही है। दूसरी ओर स्वामीजी को धमकी देना निश्चित ही उचित नहीं है। वे स्वामी जी के पक्ष में हैं और उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने सोमवार को शहर के मैसूरु रोड के पास विश्व ओक्कलिगारा महासंस्थान मठ में परम पूज्य चन्द्रशेखरनाथ महास्वामीजी से मुलाकात करने और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के बाद मीडियाकर्मियों से बात की। वक्फ के मुद्दे पर पूर्व में फ्रीडम पार्क में हुए संघर्ष में स्वामीजी ने राज्य सरकार के व्यवहार के प्रति आक्रोश व्यक्त किया था। स्वामी जी ने उस बयान के लिए माफी भी मांगी है। इस बीच राज्य सरकार ने स्वामीजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और उन्हें जांच के लिए आने के लिए मजबूर किया है। स्वामी जी ने पत्र द्वारा अपने खराब स्वास्थ्य की सूचना दी तथा आवश्यक उत्तर भी दिया। हालांकि, उन्होंने निंदा करते हुए कहा कि दबाव डालना ठीक नहीं है। राज्य सरकार वक्फ का मुद्दा उठाकर किसानों को लामबंद कर रही है। भिक्षुओं की जमीनें छीनी जा रही हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि अधिकारियों के माध्यम से नोटिस दिये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसका जमकर विरोध हुआ और किसान सड़कों पर उतर आये। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि वक्फ मुद्दे पर किसानों के आक्रोश के मद्देनजर स्वामीजी ने उनसे बातचीत की। उन्होंने इसके लिए खेद भी व्यक्त किया। यह कहने के बाद कि अगर दुख हुआ तो माफी मांगता हूं, शिकायत दर्ज करना उचित नहीं है। आप उन लोगों की रक्षा करेंगे जो आपके पक्ष में खड़े होकर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हैं। जब किसी गलत काम पर गुस्सा जाहिर किया जाए तो माफी मांगने के बाद भी अगर आप कार्रवाई करते हैं तो क्या यह आपके लिए दोतरफा नीति नहीं है? उन्होंने आपत्ति जताई कि सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही हैं। भाजपा स्वामीजी के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि वह सरकार के अन्याय को जनता के सामने उजागर करने का काम करेंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अमावस्या के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में सिटी मार्केट के पास लाभार्थी महावीर, संगीता एवं स्पर्श संचेती की ओर से स्वर्गीय सुकनराज एवं मुन्नी देवी संचेती की स्मृति में 25वां महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 350 से अधिक लोगों को भोजन कराया गया। लाभार्थियों के साथ मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, महावीर इंटरनेशनल के अन्य वरिष्ठ सदस्य वीर पदम बुरट, विरा दिव्या पिरगल आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया। संस्था अध्यक्ष विरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने सभी लाभार्थियों एवं सेवाभावी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

महिला से दुर्व्यवहार करने पर कांस्टेबल निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पासपोर्ट सत्यापन के बहाने एक महिला तकनीकी विशेषज्ञ के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने और उसे परेशान करने के आरोप में एक पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां ब्यातारायणपुरा पुलिस स्टेशन में तैनात कांस्टेबल को महिला द्वारा शिकायत किए जाने के बाद पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एस गिरीश ने निलंबित कर दिया। पुलिस के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी कांस्टेबल किरण पासपोर्ट सत्यापन के बहाने उसके घर आया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया तथा उसे परेशान किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद कांस्टेबल को शनिवार को सेवा से निलंबित कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने तुमकुरु में क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखी

केएससीए ने मैसूरु में भी क्रिकेट स्टेडियम के लिए मांगी है जमीन: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को बेंगलूरु से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर में तुमकुरु में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की आधारशिला रखी। सिद्धारमैया ने कहा हमने स्टेडियम के लिए कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को 50 एकड़ जमीन आवंटित की है। यह परियोजना जिले के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने अधिकारियों से क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए जल्द से जल्द निर्माण पूरा करने का आग्रह किया। सूत्रों के अनुसार, स्टेडियम का निर्माण कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा केएससीए को आवंटित भूमि पर किया जाएगा। अत्याधुनिक सुविधा, जिसकी अनुमानित लागत 150 करोड़ है, के कुछ वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। वर्तमान में, बेंगलूरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम कर्नाटक में होने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केएससीए ने मैसूरु में भी क्रिकेट स्टेडियम के लिए जमीन मांगी है। उन्होंने आश्वासन दिया हम मैसूरु में भी जमीन मुहैया कराएंगे। गृह मंत्री और तुमकुरु जिले के प्रभारी जी. परमेश्वर, सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियंक खड़गे, दिल्ली में राज्य के प्रतिनिधि टी.बी. जयचंद्र, जिले के विधायक, केएससीए अध्यक्ष रघुराम भट और अन्य अधिकारी समारोह में मौजूद थे। भाजपा विधायक सुरेश गौड़ा ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की।

इस पर सिद्धारमैया ने कहा मैं 41 साल से राजनीति में हूं, दो बार विपक्ष का नेता, दो बार मुख्यमंत्री रहा हूं। अगर मैं डरने वाला होता, तो आज यहां खड़ा नहीं होता। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। इसलिए, डरने की कोई बात नहीं है।

पार्टी विरोधी गतिविधियों का मामला

भाजपा ने विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा ने कर्नाटक के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को पार्टी के राज्य स्तरीय नेतृत्व के खिलाफ टिप्पणी करने और राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के मामलों पर पार्टी के आधिकारिक रुख की अवहेलना करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस का जवाब देते हुए यतनाल ने सोमवार को कहा कि वह कर्नाटक में पार्टी की मौजूदा स्थिति के बारे में तथ्य पेश करेंगे। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा मैं भाजपा अनुशासन समिति के अध्यक्ष द्वारा जारी नोटिस का जवाब दूंगा, साथ ही कर्नाटक में भाजपा की मौजूदा स्थिति के बारे में तथ्य भी पेश करूंगा। हिंदुत्व की लड़ाई, भ्रष्टाचार का विरोध, वक्फ से जुड़े मुद्दे और वंशवाद की राजनीति के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अटल रहेगी। रविवार को यतनाल को नोटिस जारी किया गया, जिसमें कहा गया राज्य स्तरीय पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आपके निरंतर हमले और पार्टी के निर्देशों की अवहेलना तथा राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के सभी मामलों पर पार्टी के आधिकारिक रुख के विपरीत सार्वजनिक बयानबाजी और रुख अपनाने की खबरें मीडिया के साथ-साथ विभिन्न पार्टी मंचों पर भी आई हैं। पार्टी ने चिंता व्यक्त की है कि पहले कई बार कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने और उनके अच्छे आचरण के आश्वासन के बावजूद अनुशासनहीनता के कृत्य बेरोकटोक जारी हैं। आपने पार्टी नेताओं के खिलाफ झूठे और परोक्ष आरोप लगाए हैं और साथ ही राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के मामलों पर पार्टी के आधिकारिक रुख की अवहेलना की है, जो भाजपा पार्टी नियमावली के अनुच्छेद एक्सएक्सवी अनुशासन उल्लंघन खंड (ए) और (1) में परिभाषित पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है। कृपया कारण बताएं कि पार्टी को आपके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं करनी चाहिए। आपका स्पष्टीकरण इस नोटिस की प्राप्ति से दस दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। केंद्रीय अनुशासन समिति के भाजपा सदस्य सचिव ओम पाठक द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस में आगे कहा गया है कृपया ध्यान दें कि निर्धारित समय के भीतर आपका स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की स्थिति में, केंद्रीय अनुशासन समिति यह मान सकती है कि आपके पास कहने के लिए कुछ नहीं है और वह इस मामले में अंतिम निर्णय ले सकती है। इससे पहले, यतनाल ने वक्फ विधेयक में संशोधन के संबंध में जन जागरूकता अभियान का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, पार्टी के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए उनसे कार्यक्रम आयोजित करने से परहेज करने का आग्रह किया था। दिसंबर 2023 में, उन्होंने कोविड-19 की पहली लहर के दौरान येदियुरप्पा सरकार के तहत 40,000 करोड़ रुपये के गबन का आरोप लगाया था।

सड़क हादसे में तीन यात्रियों की मौत, कई घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तुमकुरु जिले में सोमवार सुबह एक दुखद दुर्घटना हुई, जिसमें तीन यात्रियों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना सिरा इलाके में हुई, जब एक निजी बस सुबह करीब 4:30 बजे सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। गोवा से लौट रही बस में कई यात्री सवार थे, तभी यह अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। स्थानीय पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घायल यात्रियों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारण की अभी भी जांच की जा रही है, लेकिन अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घायलों को चिकित्सा देखभाल दी जा रही है और उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। कलम्बेला पुलिस स्टेशन को दुर्घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक (एसपी) केवी अशोक और अन्य अधिकारी तुरंत स्थिति का आकलन करने और चल रही जांच में सहायता करने के लिए दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस कई कारकों की जांच कर रही है, जो दुर्घटना में योगदान दे सकते हैं। हालांकि दुर्घटना और पीड़ितों की पहचान के बारे में और जानकारी अभी भी प्रतीक्षित है। स्थानीय अधिकारी मृतकों और घायल यात्रियों के परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं। 30 नवंबर को एक अलग घटना में, पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग जिले में एक बस दुर्घटना में छह लोगों की जान चली गई। सिलीगुड़ी से गंगटोक जा रही बस अंधेरी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे कई लोग घायल हो गए। घायल यात्रियों में से कुछ को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। कर्नाटक और पश्चिम बंगाल दोनों में हुई दुखद घटनाओं ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा उपायों में सुधार और चालक और वाहन की स्थिति पर सावधानीपूर्वक ध्यान देने की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है। दोनों दुर्घटनाओं की जांच जारी है क्योंकि अधिकारी कारणों का पता लगाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

ओक्कालिगा स्वामीजी के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण मामला दर्ज: अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री व विधायक डॉ सीएन अश्वथनारायण ने कहा कि ओक्कालिगा समाज सरकार की किसी भी बड़ी धमकी से डरने वाला नहीं है। हमें कानून का पालन करने के लिए किसी को कहने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा यह बात हमारा समाज भी जानता है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने दुर्भावना से ओक्कालिगा स्वामीजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

किसी को आपकी धमकियों की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें देश के संविधान और कानून की जानकारी है। पुलिस चन्द्रशेखर स्वामीजी का बयान ले रही है। कांग्रेस में, सीएम, डीसीएम और उनकी पार्टी के पदाधिकारी किसी न किसी बिंदु पर कानून के खिलाफ बात करते हैं।

इसके लिए सीएम और डीसीएम खुलकर और जैसे चाहें बात करते हैं। उन्होंने इस बात पर आक्रोश जताया कि अगर वह खुद ऐसा बोलते हैं तो उनके नीचे वाले कैसे बोल सकते हैं। चन्द्रशेखर स्वामीजी ने पूरे समुदाय के साथ हुए अन्याय के बारे में बताया। उन्होंने राजनीति के प्रति आपके प्रेम के बारे में बात की। उन्होंने अगले दिन खेद व्यक्त किया। उसके बावजूद मामला दर्ज किया गया। लेकिन क्या आपने पाकिस्तान जिंदाबाद वाले बयान पर अपने सांसद के खिलाफ कार्रवाई की? क्या आप कह रहे हैं कि कानून सबके लिए समान है? उन्होंने कहा, समाज आपकी धमकी से डरने वाला नहीं है, हम भी जानते हैं कि कानून लागू करना क्या होता है। लोगों का सरकार से विश्वास उठ गया है। हर चीज पर समुदाय की पैनी नजर है। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार को चेतावनी दी कि वह सही समय पर सही जवाब देंगे। लोग सरकार के कार्यों से सहमत नहीं हैं। यतनाल को कारण बताओ नोटिस जारी होने पर प्रतिक्रिया देते हुए अश्वथ नारायण ने कहा कि वरिष्ठों ने नोटिस दिया है। संबंधित नोटिस का जवाब देंगे। सभी को पार्टी के दायरे में रहना होगा। एकता और अनुशासन बनाए रखना सभी पर लागू होता है।

सड़क दुर्घटना में प्रोबेशनरी आईपीएस अधिकारी की मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में रविवार को एक प्रोबेशनरी आईपीएस अधिकारी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक अधिकारी की पहचान हर्ष वर्धन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, हर्ष वर्धन ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया था और सोमवार को हासन शहर में पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) के रूप में कार्यभार संभालने वाले थे। वह पुलिस ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए हासन जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यात्रा के दौरान जिला सशस्त्र रिजर्व में तैनात सरकारी वाहन के टायर फट गए और कार पलट गई। पुलिस अधिकारी के सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी मौत हो गई। घटना में चालक मंजे गौड़ा को भी चोटें आईं। वाहन होलेनरसिपुरा शहर से हासन शहर जा रहा था। हासन शहर के पास स्थित किट्टानेगोडी गांव में पुलिस अधिकारी के वाहन का टायर फट गया। हालांकि स्थानीय लोगों ने पुलिस अधिकारी को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी मौत हो गई। हर्ष वर्धन ने मैसूरु में कर्नाटक पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण पूरा किया था। उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक (केंद्रीय रेंज) बोरलिंगैया को रिपोर्ट किया था और हासन जा रहे थे। हर्ष वर्धन का परिवार बिहार से था, लेकिन मध्य प्रदेश के रीवा जिले में रहता था। उन्होंने इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की थी और 2022-23 कर्नाटक कैडर बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 153वीं रैंक हासिल की थी और पहले प्रयास में ही सिविल सेवा परीक्षा पास की थी। हासन के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सुजीता और सहायक पुलिस अधीक्षक वेंकटेश नायडू ने अस्पताल का दौरा किया। बोरलिंगैया के आईजीपी ने भी हर्ष वर्धन के पार्थिव शरीर का दौरा किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने घटना के बारे में जानकारी भी जुटाई।

चक्रवात फेंगल के कारण बेंगलूरु में बारिश जारी

दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में स्कूल रहे बंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चक्रवात फेंगल के प्रभाव के कारण बेंगलूरु में लगातार हो रही बारिश के कारण कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं और पेड़ गिरने से निवासियों और यात्रियों को असुविधा हो रही है। निचले इलाकों में रहने वाले लोग बाढ़ के डर से सहमे हुए हैं। रविवार को रात 8:30 बजे तक, बेंगलूरु शहर में 19 मिमी बारिश हुई। रविवार सुबह से ही शहर में बारिश हो रही है और सोमवार सुबह भी बारिश जारी रही। शहर में न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम है। आईएमडी के अनुसार, शहर में अगले 24 घंटों तक मध्यम से भारी बारिश होने की उम्मीद है। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि अब तक तीन पेड़ गिरे हैं और एक शाखा गिरने की सूचना मिली है। जयनगर चौथे ब्लॉक, मल्लेश्वरम और आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के कार्यालय के पास एक पेड़ गिर गया। बीबीएमपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शहर भर में बाढ़ शमन दल स्टैंडबाय पर हैं। शनिवार को बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ ने अधिकारियों को चक्रवात फेंगल से उत्पन्न होने वाली किसी भी बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया था। सप्ताहांत बिताने के बाद बेंगलूरु लौट रहे यात्री मैसूरु रोड, तुमकुरु रोड, नाइस रोड और अन्य हिस्सों में जाम में फंसे रहे। रविवार शाम को चित्रदुर्ग जिले के होसदुर्गा से बेंगलूरु जा रहे राकेश एस ने बताया कि उन्होंने ढाई घंटे में करीब 182 किलोमीटर की दूरी तय की, लेकिन नेलमंगला टोल से अपने घर तक 67 किलोमीटर की दूरी तय करने में उन्हें ढाई घंटे और लग गए। बारिश के कारण नाइस रोड पर भी वाहनों की धीमी गति के कारण जाम लगा रहा। सोमवार की सुबह जलभराव के कारण दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पनाथुर अंडरब्रिज, आउटर रिंग रोड, बन्नेरघट्टा रोड, कनकपुरा रोड के हिस्सों, डोड्डानेकुंडी गांव की सड़क पर जलभराव की सूचना मिली। पीक ऑवर शुरू होने से पहले ही जलभराव के कारण ट्रैफिक जाम हो गया। मैसूरु और चामराजनगर के डिप्टी कमिश्नर शिपा नाग ने बारिश के कारण 2 दिसंबर को दोनों जिलों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद करने की घोषणा की है। लेकिन यह चामराजनगर शिपा नाग के डिग्री कॉलेजों पर लागू नहीं हुई, जहां परीक्षाएं पहले से चल रही थीं। लगातार हो रही बारिश और आईएमडी द्वारा दिन में भारी बारिश की भविष्यवाणी को देखते हुए 2 दिसंबर को मांड्या जिले के स्कूलों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में भी छुट्टी घोषित कर दी गई थी। डिप्टी कमिश्नर कुमार के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि आज की कक्षाओं की भरपाई के लिए आगामी शनिवार को पूरे दिन कक्षाएं चलेंगी।

दक्षिण कन्नड़ भाजपा 5 दिसंबर को बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा की मांग को लेकर करेगी प्रदर्शन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ भाजपा हिंदू हितरक्षक वेदिके के साथ मिलकर 5 दिसंबर को मेंगलूरु में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हालिया हमलों और इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर अंबेडकर सर्किल से मिनी विधान सौधा तक विरोध मार्च निकाला जाएगा। डीके भाजपा अध्यक्ष सतीश कुम्पाला ने मीडियाकर्मियों से कहा कि इस विरोध प्रदर्शन में विभिन्न मठ प्रमुख, संत, भाजपा विधायक, सांसद हिस्सा लेंगे। इस्कॉन, दुनिया में शांति के लिए जन्मा एक संगठन है, जिसने वैश्विक स्तर पर लोगों का प्यार प्राप्त किया है। बांग्लादेश में अधिकारियों ने इस्कॉन के संत चिन्मय दास प्रभु को गिरफ्तार कर लिया है। हम उनसे तत्काल रिहा करने और बांग्लादेश में हिंदुओं के हितों की रक्षा करने का आग्रह करते हैं। विरोध प्रदर्शन के बाद, भारत के राष्ट्रपति को भेजे जाने वाले राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा हम केंद्र सरकार पर दबाव डालना चाहते हैं कि वह बांग्लादेश से गिरफ्तारी और हिंसा को लेकर तनाव के बीच धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने का आग्रह करें। दंगाइयों ने हिंदू मंदिरों, पूजा स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों पर हमला किया है। केंद्र को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और हमें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सक्रिय कदम उठाएंगे। वक्फ संपत्तियों को लेकर विवाद के कारण पार्टी के भीतर गुटबाजी हो रही है, जिसमें भाजपा विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल ने बीदर में वक्फ बोर्ड द्वारा किसानों की जमीन पर कथित अतिक्रमण के खिलाफ अलग से विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। हम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के साथ एकजुट हैं। पार्टी के भीतर सभी मुद्दों और भ्रमों को भाजपा आलाकमान और राष्ट्रीय नेताओं द्वारा सुलझाया जाएगा। पार्टी का आयोजन बी वाई विजयेंद्र के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

कन्नड़ अभिनेत्री शोभिता शिवन्ना मृत मिली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकप्रिय कन्नड़ फिल्म और टेलीविजन अभिनेत्री शोभिता शिवन्ना रविवार को गाचीबोवली के कोंडापुर स्थित अपने आवास पर मृत पाई गईं। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे गाचीबोवली पुलिस को फोन किए जाने के बाद प्रकाश में आई। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह शोभिता के पति ने कई बार उनका दरवाजा खटखटाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं पहुंचे। आखिरकार उन्होंने दरवाजा तोड़ा और देखा कि शोभिता लटकी हुई थीं। शोभिता कर्नाटक के हासन जिले के सकलेशपुर की रहने वाली थीं और पिछले दो साल से अपने पति के साथ हैदराबाद में रह रही थीं। उनकी मौत का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अभिनेत्री ब्रह्मगंटू और मंगला गौरी जैसे कन्नड़ धारावाहिकों का हिस्सा थीं। उन्होंने कन्नड़ फिल्म अटेम्प्ट टू मर्डर में भी काम किया था। मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है।

पप्पू यादव को धमकी देने वाले को बिहार पुलिस ने किया गिरफ्तार

पटना/एजेंसियां।

बिहार के एकमात्र निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को हत्या की धमकी देने वाले आरोपी को बिहार पुलिस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पटना में नहीं बल्कि आरा में छिपा था। बिहार पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए उसे ढूंढ निकाला। उसकी पहचान आरा के डुमरिया शाहपुर निवासी राम बाबू राय के रूप में हुई है। एक दिन पहले ही उसने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया था। पप्पू यादव को हत्या की धमकी दी थी। इसके

बाद पप्पू यादव ने इसकी शिकायत पूर्णिया पुलिस से की। पूर्णिया एसपी ने फौरन संज्ञान लिया और जांच करवाई। जांच में मामला सही पाया गया। इसके बाद वीडियो भेजने वाली तलाश शुरू की गई। पता चला कि राम बाबू राय नाम के आरोपी ने पूर्णिया सांसद को धमकी दी है। उसने पटना पहुंचने का दावा किया था। लेकिन, उसका आईपी एड्रेस भोजपुर जिले में मिला। इसके बाद रामबाबू की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। भोजपुर पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्णिया पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से उसका क्या संबंध है? इसकी भी जांच चल रही है। बता दें कि एक दिसंबर को आरोपी राम बाबू राय ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बिहार टीम का सदस्य बताते हुए निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को 5 से 6 दिन के भीतर जान से मारने की धमकी दी थी। 7480840395 व्हाट्सऐप नंबर से धमकी देते हुए राम बाबू राय ने कहा था कि पप्पू यादव को 5 से 6 दिन में खत्म का आर्डर मिला है, हम लोग उसे जल्द मारेंगे। हम पटना पहुंच चुके हैं। राम बाबू राय ने सांसद के व्हाट्सऐप नंबर पर ऑडियो कॉल भेजकर कहा था कि पप्पू यादव से कहिए कि वो लॉरेंस भाई से माफी मांग लें। अगर वो माफी नहीं मांगते हैं, तो हम लोग उन्हें मारकर ही दम लेंगे। हम जिस मिशन पर आए हैं उसे किसी भी कीमत पर पूरा करेंगे।

कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर में जंगली हाथी ने मचाई हलचल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रसिद्ध कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर परिसर में एक जंगली हाथी के घुसने से हड़कंप मच गया। मंदिर सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंदिर सूत्रों के अनुसार, यह घटना रविवार रात को हुई, जब हाथी मंदिर परिसर और उसके आसपास के इलाकों में घुस आया, जिससे श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई। हाथी को देखकर कुछ श्रद्धालुओं ने शुरू में उसे मंदिर का हाथी समझ लिया और पूजा करने लगे। हालांकि, मंदिर के कर्मचारियों ने उन्हें तुरंत बताया कि यह मंदिर का हाथी नहीं है। कर्मचारियों ने तुरंत श्रद्धालुओं से

सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया, जिसके परिणामस्वरूप मंदिर में कुछ समय के लिए भय और चिंता का माहौल बन गया। वन विभाग, स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों ने स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। एक ठोस प्रयास के बाद, उन्होंने जंगली हाथी को सफलतापूर्वक जंगल में वापस भेज दिया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि हाथी वापस आ सकता है और मंदिर के कर्मचारियों और श्रद्धालुओं को सतर्क रहने की सलाह दी है।

सड़क हादसे में छात्रा की मौत

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले के हथौड़ी थानाक्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय माहेनूर खातून की मौत हो गई। वह अपने कॉलेज जा रही थी, जब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में चार अन्य छात्राएं घायल हो गईं, जिनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना बहरेटा चौक के पास सुबह करीब नौ बजे हुई। माहेनूर खातून अपने गांव से अन्य छात्राओं के साथ ऑटो में सवार होकर कॉलेज जा रही थी। तभी एक बेलगाम वाहन ने ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गया। इस दौरान सिर में गंभीर चोट लगने के कारण माहेनूर की मौके पर ही मौत हो गई। घायल

छात्राओं को तुरंत मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां माहेनूर को मृत घोषित कर दिया गया। घटना की खबर मिलते ही मृतका के परिजन और ग्रामीण मेडिकल कॉलेज पहुंचे। माहेनूर की मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। माहेनूर के पिता हसीब खान ने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में बेहद होनहार थी और कॉलेज जाने के लिए रोज ऑटो से सफर करती थी। हथौड़ी थाना के एसएचओ मो. आलम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। ऑटो चालक से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों की मदद से फरार वाहन का पता लगाया जाएगा। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन से सड़क पर स्पीड ब्रेकर और उचित सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

बिहार में दो हजार किलोमीटर का नया रोड नेटवर्क बनेगा: मंत्री अशोक चौधरी

पटना/एजेंसियां।

राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी और बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि बिहार में 2000 किमी सड़कों का निर्माण करवाया जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने अगले साल जून से पहले 45 पुलों के निर्माण कराने का भी दावा किया है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के सभी ग्रामीण और कस्बाई इलाके में सड़कों का जाल बिछाकर विकास की मिसाल पेश की गई है। मंत्री ने रविवार को औरंगाबाद नगर भवन में जनता दल यूनाइटेड के जिला

कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पार्टी की मजबूती और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 19 वर्षों से लगातार हो रहे बिहार के विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि इस कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्देश्य बिहार सरकार की उपलब्धियों को बताना और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करना है। मुख्यमंत्री ने बिना भेदभाव के सभी वर्ग धर्म के लोगों का स्वर्गीण विकास किया है। अशोक चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह परिकल्पना है कि राज्य के किसी भी सुदूरवर्ती क्षेत्र से राजधानी पटना अधिकतम पांच घंटे में लोग पहुंच सकें। बिहार में करीब 2000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। आगामी जून के पहले 45 पुलों का निर्माण कराया जाएगा और 500 किलोमीटर सड़कों को सुलभ संपर्कता प्रदान की जाएगी। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के विकास कार्यों का प्रतिनिधि है। गर्व है कि ऐसे नेता का नेतृत्व में हमें कार्य करने का अवसर मिला है। मंत्री सुमित कुमार सिंह ने कहा कि आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 को पार करना है और बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए एक बार फिर से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनना है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक ओर जहां बिहार विकास कर रहा है। वहीं जनता दल यूनाईटेड भी पूरी तरह से सशक्त हो रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं व पार्टी पदाधिकारियों को इसी जोश के साथ आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान पूरी तरह से काम करना है जिससे हम सब प्रतिशत सीटों पर जीत हासिल कर सकें।

राजद पंचायत अध्यक्ष के पिता की सोए अवस्था में बेरहमी से हत्या

मुंगेर/एजेंसियां।

यहां हरपुर थानाक्षेत्र के बेल बिहमा गांव में रविवार देर रात एक दर्दनाक घटना ने सनसनी फैला दी। 65 वर्षीय श्याम सुंदर यादव, जो राजद पंचायत अध्यक्ष कुंदन कुमार के पिता थे, की सोए अवस्था में सिर पर चाकू से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, श्याम सुंदर यादव घर के बाहर आम के बगीचे में चौकी पर सो रहे थे। सोमवार सुबह जब एक परिजन उन्हें जगाने पहुंचे, तो उनके खून से लथपथ शव को देख घर में हड़कंप मच गया। हमलावर ने पूरी योजना के साथ घटना को अंजाम दिया और बिना कोई शोर किए फरार हो गया। मृतक के बेटे और राजद पंचायत अध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया कि उनका परिवार एक पुराने जमीन विवाद में उलझा हुआ था। कुछ दिनों पहले भी मारपीट की घटना हुई थी, जिसके बाद से तनाव बना हुआ था। पुलिस ने भी प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद को लेकर रंजिश को हत्या का कारण माना है। घटना की सूचना मिलते ही हरपुर थाना पुलिस और तारापुर के अपर निरीक्षक विवेक

राज मौके पर पहुंचे। जांच के लिए डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। विवेक राज ने बताया कि हत्या चाकू से की गई है या गोली से, यह स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारणों का पता चल सकेगा। बताया जा रहा है कि श्याम सुंदर यादव अपने क्षेत्र में सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते थे। उनके निधन से पूरे गांव में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनकी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी, लेकिन भूमि विवाद को लेकर कुछ लोगों से उनका तनाव था। परिजनों ने हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि परिजनों के बयान और दिए गए आवेदन के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है।

दो दोस्तों को तेज रफ्तार बस ने रौंदा, एक की मौत

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले के अहियापुर थानाक्षेत्र में रविवार देर रात राज्य परिवहन निगम की तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दो दोस्तों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 24 वर्षीय शशि कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 18 वर्षीय राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों दोस्त सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे और कश्मीर घूमने के लिए टिकट बनवाने मुजफ्फरपुर आए थे। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी एनएच-77 पर झपहा के पास हुआ। हादसे के वक्त शशि कुमार और राजकुमार बाइक पर सवार होकर सीतामढ़ी लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस ने ओवरटेक करने की कोशिश में बाइक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि शशि कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजकुमार को स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उसकी स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने बस को घेर लिया, लेकिन बस चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। वहीं, सूचना पाकर अहियापुर थाने के सब-इंस्पेक्टर अजय प्रसाद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बस को जब्त कर लिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार चालक की तलाश में छापामारी कर रही है। मृतक की पहचान सीतामढ़ी के भावादेपुर निवासी शशि कुमार (24) के रूप में हुई है। वहीं, घायल की पहचान पेशे से लहठी कारीगर राजकुमार (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे की वजह ओवरटेक के दौरान बाइक का बस की चपेट में आना था। सब-इंस्पेक्टर अजय प्रसाद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि तेज रफ्तार बस ने लापरवाही से ओवरटेक करने के दौरान बाइक को टक्कर मारी। पुलिस ने कहा कि बस चालक की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

बैडमिंटन खिलाड़ियों को पीटते दिखे एडीएम साहब

मधेपुरा/एजेंसियां।

मधेपुरा के एडीएम (विभागीय जांच) पर खिलाड़ियों से गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगा है। इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। मामला शनिवार के देर शाम का है। आरोप है कि खिलाड़ी द्वारा गलत शॉट खेल देने से एडीएम शिशिर कुमार मिश्रा आग-बबूला हो गए और खदेड़ कर उसे बैडमिंटन की रैकेट से फेंक कर मारने की कोशिश की। उसे बचाने गए दूसरे लड़के की भी रैकेट से पिटाई कर दी और उसका बैडमिंटन रैकेट तोड़ दिया। दूसरे खिलाड़ी को सिर में चोट लगी है। साथ ही गला और हाथ भी जख्मी हो गए। एडीएम ने उस खिलाड़ी की बैडमिंटन रैकेट तक तोड़ डाला और आगे से कोर्ट में प्रैक्टिस नहीं करने की धमकी भी दी। खिलाड़ियों का कहना है कि शहर के बीपी मंडल इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट हमलोग प्रैक्टिस कर रहे थे। इसी दौरान मधेपुरा के एडीएम (विभागीय जांच) शिशिर कुमार मिश्रा भी वहां कुछ लोगों के साथ पहुंच गए और खिलाड़ियों को अपने साथ

बैडमिंटन खेलने का दबाव बनाया। काफी देर से प्रैक्टिस करने के कारण खिलाड़ी थक चुके थे, जिसके खिलाड़ियों ने खेलने से मना कर दिया। लेकिन दबाव बनाए जाने के कारण खिलाड़ी मैच खेलने लगे। इसी दौरान एक खिलाड़ी द्वारा गलत शॉट देने से एडीएम शिशिर कुमार मिश्रा आग-बबूला हो गए और खदेड़ कर पीटने लगे। इसमें दो खिलाड़ी चोटिल हो गए। आरोप यह भी है कि गुस्से में एडीएम ने उस खिलाड़ी का रैकेट तक तोड़ डाला और आगे से कोर्ट में प्रैक्टिस नहीं करने की धमकी भी दी। इधर, किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पीड़ित खिलाड़ी एडीएम के इस कृत्य से काफी डरे सहमे हुए हैं। खिलाड़ियों ने जिलाधिकारी से इंसाफ की मांग की है।

हार्ट अटैक से सेना के जवान की मौत पर गांव में शोक

पटना/एजेंसियां।

यूपी के बरेली में ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से सेना के जवान संतोष सिंह की मृत्यु पर उनके पैतृक गांव नचाप, छपरा में मातम का माहौल है। जवान का पार्थिव शरीर रविवार को गांव पहुंचा, जहां तिरंगे में लिपटे ताबूत को देख परिजन और ग्रामीण बिलख उठे। जानकारी के मुताबिक, डुमाईगढ़ स्थित सरयू नदी घाट पर पूरे सैन्य सम्मान के साथ जवान संतोष सिंह का अंतिम संस्कार किया गया। सेना के जवानों ने सशस्त्र सलामी दी और दस वर्षीय बेटे सत्यम कुमार ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'संतोष अमर रहें' के नारे लगाए। वहीं, मृतक की पत्नी गुंजा कुमारी, बेटे सत्यम और शिवम, बुजुर्ग मां और अन्य परिजन शव से लिपटकर विलाप करते रहे। संतोष सिंह के तीन भाई और एक बहन हैं। पूरे गांव में शोक की लहर है। शव यात्रा के दौरान स्थानीय प्रशासन की अनुपस्थिति पर सेना के जवानों और ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। जवानों ने इसे अपमानजनक बताते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी जरूरी थी। वहीं, थानाध्यक्ष अमित कुमार ने स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि जिला प्रशासन को जवान के शव आगमन की सूचना नहीं थी, इसलिए कोई अधिकारी उपस्थित नहीं हो सका। वहीं, ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से शहीद जवान के परिवार को आर्थिक सहायता और उचित सम्मान देने की मांग की है।

देवर ने की गर्भवती भाभी की हत्या

पटना/एजेंसियां।

पूर्णिया में सनकी देवर अपनी गर्भवती भाभी की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद महिला के पति और मायके वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सनकी देवर ने खुद घटना कबूल की है। घटना के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ था। घटना की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर सनकी देवर को गिरफ्तार कर लिया है। लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई। घटना मरंगा थाना क्षेत्र के लाइन बस्ती की है। मृतका की पहचान

केशव कुमार की पत्नी रीमा देवी (25 वर्ष) के रूप में की गई है। पति केशव कुमार ने बताया कि डेढ़ साल पूर्व ही हमदोनों की बड़ी ही धूमधाम से शादी हुई थी। पत्नी सात माह की गर्भवती है। शादी के बाद से सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था। सोमवार को रोज की तरह सुबह गैस प्लांट ऑफिस काम करने के लिए गए थे। पत्नी घर में मां के साथ थी। मेरा छोटा भाई कॉलेज गया था। मेरे दूसरे भाई सूरज कुमार ने आपसी दुश्मनी के कारण मेरी पत्नी की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी। परिजनों द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से आननफानन में पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया। जहां रीमा कुमारी को जांच पड़ताल के दौरान मृत घोषित कर दिया। वहीं आरोपी देवर सूरज कुमार ने बताया कि मेरा एक व्यक्ति से काफी दिनों से लड़ाई चल रहा था। मेरे घोर विरोधी ने परिजनों से मिलकर रीमा की शादी मेरे भाई से करवा दी। शादी के बाद से ही मेरा भाभी से नहीं बनाव नहीं रहा। बात-बात पर अनबन होती थी। आज विवाद तो भाभी को मार डाला। घटना के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर सनकी देवर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया है। पुलिस लाश को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। मरंगा थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही है।

अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे खड़े तीन बच्चों सहित चार को रौंदा, एक की मौत

औरंगाबाद/एजेंसियां।

जिले में एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे खड़े तीन बच्चों और एक बुजुर्ग को रौंदते हुए गड्ढे में जा गिरा। इस घटना में एक बच्चे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य सभी लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए मदनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां सभी का इलाज किया जा रहा है। घटना मदनपुर थाना क्षेत्र के एनएच-19 स्थित बतसपुर के पास टोल गेट के सामने की है। घटना की सूचना मिलते ही मदनपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। मृतक की पहचान मदनपुर थाना क्षेत्र के कुशहा गांव निवासी सुरजीत यादव के पुत्र विक्रम कुमार(12) के रूप में की गई है। वहीं दो घायल बच्चों की पहचान कुशहा गांव के गया प्रसाद यादव के पुत्र प्रियांशु कुमार(12) और योगेंद्र यादव के पुत्र संकित कुमार (14) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में घायल बुजुर्ग के परिजनों ने बताया कि वह अपनी विवाहित बेटी के घर कुशहा आए हुए थे। जितिया पर्व के दिन मृतक विक्रम कुमार के चचेरी बहन की मौत हुई थी और उसके महज एक महीने बाद चचेरे भाई की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वहीं एक घायल संकित कुमार अस्पताल में है।

2050 तक एचआईवी के साथ जीने को मजबूर होंगे 4.6 करोड़ लोग

महिलाओं में लड़कों के मुकाबले संक्रमण दर ज्यादा

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। एचआईवी के खिलाफ किए जा रहे प्रयासों में तेजी नहीं लाई गई तो 2050 तक दुनियाभर में 4.6 करोड़ लोग इस घातक बीमारी के साथ जीने को मजबूर होंगे। इतना ही नहीं एड्स से मरने वालों का आंकड़ा भी 1.77 करोड़ बढ़ सकता है। यह चेतावनी यूनाइटेड नेशंस प्रोग्राम ऑन एचआईवी (यूएनएड्स) ने अपनी नई रिपोर्ट में दी है। इस समय दुनिया में करीब चार करोड़ लोग एड्स से संक्रमित हैं।टेक द राइट्स पाथ टू एन्ड एड्स नामक इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया 2030 तक एड्स की रोकथाम के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है। यह बीमारी अभी भी असमानताओं के कारण फैल रही है और कमजोर वर्ग के लिए जानलेवा साबित हो रही है। यह असमानताएं एचआईवी का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए आवश्यक सामाजिक एकजुटता को कमजोर कर रही हैं। इसकी वजह से एड्स के खिलाफ लड़ाई न सिर्फ कठिन हो रही है बल्कि पीड़ितों की सेवाओं तक पहुंच को भी

सीमित कर रही है। महिलाओं और बच्चियों के प्रति भेदभाव के साथ दंडित करने वाले कानूनों में कमी की वजह से एचआईवी को रोकने के लिए जारी प्रयासों में बाधाएं आ रही हैं। इस तरह की असमानताएं अक्सर मानव अधिकारों के उल्लंघन से उत्पन्न होती हैं। इनमें से कई तो कानून में भी स्वीकृत हैं। लैंगिक भेदभाव के साथ-साथ एलजीबीटीक्यू प्लस व्यक्तियों समेत कमजोर समुदाय के अधिकारों के हनन के कारण एड्स को रोकना कठिन हो गया है।

पूर्वी और दक्षिण अफ्रीका के कम से कम 22 देशों में किशोर बच्चियों और युवा महिलाओं में लड़कों और युवा पुरुषों की तुलना में एचआईवी संक्रमण की दर तीन गुना अधिक है। इसका प्रमुख जैविक कारण है कि युवा महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा अपरिपक्व होती है जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अन्य यौन संचारित रोगों या संक्रमणों की मौजूदगी से भी एचआईवी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा पुरुषों से भी महिलाओं में एचआईवी संक्रमण आसानी से हो सकता है। साथी द्वारा बरती जा रही यौन हिंसा के कारण भी महिलाओं में एचआईवी का खतरा बढ़ जाता है। असुरक्षित यौन संबंध एचआईवी फैलाने का सबसे बड़ा कारण है।

एचआईवी से पीड़ित कमजोर वर्ग की महिलाओं का इलाज करने की बजाय जबरन नसबंदी कर दी जाती है। यह महिलाओं के स्वायत्तता के अधिकार का उल्लंघन है। इन्हें अक्सर ज्यादा पारिवारिक हिंसा का सामना करना पड़ता है और बच्चे पैदा नहीं करने की सलाह दी जाती है। एचआईवी से पीड़ित महिलाओं को रसोई से बाहर रखा जाता है और उनसे बात तक करनी बंद कर दी जाती है। इन्हें घर और परिवार के लिए अछूत और कलंकित माना जाता है। छुआछूत के वजह से इन्हें उपचार केंद्रों से भी दूर रखा जाता है। ऐसा ही व्यवहार बच्चियों और युवतियों के साथ भी किया जाता है। अगर ऐसी महिलाएं सरकारी सेवा में हैं तो उन्हें भारी जलालत का सामना करना पड़ता है।एचआईवी से पीड़ित महिलाओं को बच्चे की देखभाल या मुलाकात से वंचित कर दिया जाता है। इस तरह की महिलाओं को अपराधी होने का भय मन में बैठ जाता है जिससे उन्हें जरूरी उपचार और रोकथाम सेवाओं तक पहुंचने में दिक्कत होती है। इनके प्रति चिकित्सा क्षेत्र में भी भेदभाव होता है। ये कलंक और भेदभाव के उदाहरण हैं जो एचआईवी से पीड़ित महिलाओं के लिए बहुत आम हैं। एचआईवी महामारी के दौरान कलंक और भेदभाव का महिलाओं और लड़कियों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। इसके विनाशकारी प्रभावों के बावजूद एचआईवी प्रोग्रामिंग में कलंक और भेदभाव अक्सर प्राथमिकता सूची में सबसे नीचे होते हैं।

10 उग्रवादियों समेत 12 कुकी का अंतिम संस्कार 5 को

बवाल होने की आशंका, पुलिस मुस्तैद

इंफाल, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। जिरीबाम और सीआरपीएफ के साथ गोलीबारी में मारे गए 10 लोगों समेत 12 कुकी समुदायों के पुरुषों का अंतिम संस्कार 5 दिसंबर को चुराचांदपुर जिले में किया जाएगा। अंदेशा है कि अंतिम संस्कार के दौरान एक बार फिर बवाल हो सकता है। इससे निपटने के लिए सुरक्षा का तगड़ा बंदोबस्त किया गया है।

समुदाय के प्रमुख संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने शनिवार को एक आपात बैठक की। बैठक के बाद घोषणा कर बताया गया कि शोक संवेदना का कार्यक्रम तुईबुआंग के पीस ग्राउंड में होगा।

इससे पहले आईटीएलएफ ने फैसला किया था कि अंतिम संस्कार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट परिवारों को नहीं सौंप दी जाती। इसके साथ ही संगठन ने कहा कि वह मृतकों से जुड़े कानूनी मामलों को लगातार आगे बढ़ाता रहेगा। वहीं आईटीएलएफ ने यह भी निर्णय लिया कि अंतिम संस्कार के दिन एक विशाल मौन रैली आयोजित की जाएगी।

मणिपुर सरकार ने रविवार को राज्य के 9 जिलों में मोबाइल इंटरनेट का निलंबन 3 दिसंबर तक बढ़ा दिया। गृह विभाग की ओर से जारी एक आदेश में

कहा गया है कि निलंबन को इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल और जिरीबाम में बढ़ाया गया है। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मोबाइल इंटरनेट और मोबाइल डाटा सेवाओं का निलंबन जारी रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान इन जिलों में वीसैट और वीपीएन सेवाओं पर भी प्रतिबंध जारी रहेगा।

कश्मीर में डल झील को निहारने के लिए उबर-शिकारा भी उपलब्ध

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 02 दिसंबर। अगर आप विश्व प्रसिद्ध डल झील में शिकारे में सवार होकर चांदनी रात में चांद को निहारना चाहते हैं तो आपके लिए उबर शिकारा भी उपलब्ध होने जा रहा है। पारंपरिक शिकारा सवारी के अनुभव को आधुनिक बनाने के लिए एक अभिनव कदम उठाते हुए, उबर ने उबर-शिकारा लांच किया है, जो डल झील की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक की सुविधा के साथ जोड़ती है। यह पहल पर्यटकों और स्थानीय लोगों को उबर ऐप के माध्यम से शिकारा की सवारी बुक करने की सुविधा देती है, जो कश्मीर के सबसे प्रतिष्ठित आकर्षणों में से एक को देखने का एक नया और सुलभ तरीका प्रदान करती है।उबर शिकारा की शुरुआत ऐसे समय में हुई है जब कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। पर्यटन विभाग के अनुसार, 1 जनवरी से 30 नवंबर, 2024 के बीच 35,254 अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों सहित 28 मिलियन से अधिक पर्यटकों ने घाटी का दौरा किया है। शुरुआत में आठ शिकारों के बेड़े के साथ पेश किया गया, उबर शिकारा डल झील पर एक घंटे की सवारी प्रदान करता है और इसमें चार यात्री बैठ सकते हैं। यह सेवा ग्राहकों को 12 घंटे से लेकर 15 दिन पहले तक के विकल्प के साथ पहले से ही सवारी बुक करने की सुविधा देती है, जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए लचीलापन प्रदान करती है। मूल्य

निर्धारण शिकारा सवारी के लिए सरकार के आधिकारिक दर कार्ड का पालन करता है, जो पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और किसी भी अस्पष्टता को समाप्त करता है। उल्लेखनीय रूप से, उबर ने इन बुकिंग पर कमीशन शुल्क माफ कर दिया है, जिससे यह स्थानीय शिकारा ऑपरेटरों के लिए एक अनुकूल व्यवस्था बन गई है। जम्मू कश्मीर शिकारा यूनियन के अध्यक्ष वली मोहम्मद ने भी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह उबर के साथ हमारा पहला सहयोग है, और हमें खुशी है कि यह सरकार द्वारा स्वीकृत दरों का पालन करता है, जिससे सौदेबाजी की कोई गुंजाइश नहीं रहती। यह सभी के लिए फायदेमंद है, क्योंकि हमें उबर को कोई कमीशन नहीं देना पड़ेगा। वे कहते हैं कि यह पहल पर्यटकों के अनुभव को बहुत बढ़ाएगी और कश्मीर को और अधिक आकर्षक गंतव्य बनाएगी। पर्यटकों ने भी नई सेवा को लेकर अपनी खुशी व्यक्त की है, इसकी सुविधा और उपयोग में आसानी पर प्रकाश डाला है। दिल्ली की एक पर्यटक तान्या गुप्ता का कहना था कि उबर शिकारा की शुरुआत एक शानदार विकास है, खासकर श्रीनगर आने वाले पर्यटकों के लिए। यह पर्यटकों को आसानी से अपने शिकारा की सवारी को पहले से बुक करने और अपने यात्रा कार्यक्रम को अधिक प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद करेगा।उबर इंडिया और साउथ एशिया के अध्यक्ष प्रभजीत सिंह ने लांच पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उबर में, हम हमेशा मोबिलिटी को जादुई और सहज बनाने की कोशिश करते हैं। उबर शिकारा यात्रियों को शिकारा की सवारी के लिए एक सहज अनुभव देने के लिए प्रौद्योगिकी और परंपरा को मिलाने का हमारा विनम्र प्रयास है। हमें इस प्रतिष्ठित अनुभव को बनाने, पहुंच बढ़ाने और कश्मीर के लुभावने परिदृश्य में पर्यटन को बढ़ावा देने पर गर्व है। नई सेवा को स्थानीय शिकारावालों ने खूब सराहा है, जो इसे पर्यटकों के लिए पारंपरिक सवारी के अनुभव को आधुनिक बनाने के अवसर के रूप में देखते हैं। स्थानीय शिकारावाले नजीर अहमद कहते हैं कि यह एक सकारात्मक विकास है।

जातिगत आरक्षण पर टिप्पणी करना अपराध नहीं

एससी-एसटी एक्ट लगाना गलत: बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार (29 नवंबर 2024) को एक महिला के खिलाफ दर्ज अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 (एससी/एसटी एक्ट) के मामला को बंद करने के निर्णय को बरकरार रखा। महिला के खिलाफ आरोप लगाया गया था कि उसने अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक संबंध खत्म करने के समय उसे व्हाट्सएप पर जातिवादी मैसेज किया था।

मामले की सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट की जस्टिस उर्मिला जोशी फाल्के ने कहा कि लड़का और लड़की, दोनों के बीच आदान-प्रदान किए गए व्हाट्सएप संदेश में केवल जातिगत आरक्षण के बारे में विचार व्यक्त किए गए थे। इन मैसेज में से कुछ मैसेज व्हाट्सएप फॉरवर्ड भी थे। ये मैसेज एससी/एसटी समाज के खिलाफ दुश्मनी या घृणा की भावनाओं को बढ़ावा नहीं देते हैं।

अदालत ने कहा, पूरी सामग्री को देखने पर पता चलता है कि संदेश केवल जाति आरक्षण प्रणाली के बारे में व्यक्त की गई भावनाओं को दर्शाते हैं। ऐसे संदेशों से कहीं भी यह नहीं पता चलता कि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के खिलाफ किसी भी तरह की दुश्मनी या घृणा या दुर्भावना को बढ़ावा देने का कोई प्रयास किया गया था। जस्टिस फाल्के ने कहा, इस मामले में अधिक से अधिक यह कहा जा सकता है कि आरोपी लड़की का लक्ष्य केवल शिकायतकर्ता ही था। हालांकि, आरोपित नंबर 1 (लड़की) ने ऐसा कोई शब्द नहीं लिखा, जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के खिलाफ किसी भी तरह की दुर्भावना या दुश्मनी या घृणा को बढ़ावा दे या पैदा करे।दरअसल, यह मामला 29 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर और 28 वर्षीया महिला के बीच का है। मध्य प्रदेश के रहने वाले दोनों वर्तमान में नागपुर में रहते हैं। इसमें लड़का दलित समाज से ताल्लुक रखता है। कहा जाता है कि इस जोड़े ने अपने परिवारों से छिपकर शादी एक मंदिर में शादी कर ली थी। जब महिला को पता चला कि उसका पार्टनर दलित (चंभर जाति) का है तो रिश्ते में खटास आ गई। इसके बाद लड़के ने साथी लड़की और उसके पिता के खिलाफ एस/एसटी ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कराया। मामले की सुनवाई करते हुए ट्रायल कोर्ट ने 5 अगस्त 2021 को महिला और उसके पिता को आरोप मुक्त कर दिया। इसके बाद शिकायतकर्ता लड़के ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

शिकायतकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि मैसेज में समुदायों के बीच नफरत और दुश्मनी पैदा करने का प्रयास किया गया। वहीं, बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि मैसेज में जाति आरक्षण प्रणाली पर महिला ने अपने विचार रखे थे और इसमें कोई आपत्तिजनक भाषा नहीं थी। पीड़ित लड़की के वकील ने कहा कि शिकायत दर्ज कराने में काफी देरी की गई, जिससे छिपे मकसद का पता चलता है। दोनों पक्षों को सुनने और साक्ष्य की समीक्षा करने के बाद कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि आरोपित महिला द्वारा भेजे गए मैसेज एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(यू) के तहत अपराध के लिए कानूनी मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। कोर्ट ने कहा ये कानून अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ दुर्भावना या घृणा को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को संबोधित करता है।

जस्टिस उर्मिला जोशी फाल्के ने कहा, अत्याचार अधिनियम अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उन्हें अपमान और उत्पीड़न से बचाने के लिए बनाया गया है। इस प्रकार, कानून का उद्देश्य हमारे समाज के कमजोर वर्गों के खिलाफ किए गए कृत्यों को दंडित करना है, क्योंकि वे एक विशेष समुदाय से संबंधित हैं। इसके बाद अपील खारिज कर दी गई।

नाबालिग छात्रा से बार-बार रेप करने वाले मौलवी को 70 साल की सजा

कोच्चि, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। समाज को झकझोरने वाली एक घटना में केरल के कोच्चि की फास्ट ट्रैक पॉक्सो कोर्ट ने मदरसे के मौलवी शराफुद्दीन को नाबालिग बच्ची से बार-बार बलात्कार करने के मामले में दोषी करार दिया है। अदालत ने शराफुद्दीन को 70 साल कैद और 1.15 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। यह मामला नवंबर 2021 से फरवरी 2022 के बीच का है। केरल के मदरसे में पढ़ाने वाले शराफुद्दीन ने बच्ची को मदरसे की छत पर ले जाकर तीन महीनों तक उसका यौन शोषण किया। यह अपराध तब उजागर हुआ, जब स्कूल की एक शिक्षिका ने कक्षा के दौरान बच्ची के असहज व्यवहार पर ध्यान दिया। जब उन्होंने बच्ची से व्यक्तिगत रूप से बात की, तो उसने अपनी आपबीती सुनाई। स्कूल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। थडियिट्टापरम्बु पुलिस ने बच्ची का बयान दर्ज किया और 24 फरवरी 2022 को आरोपित शराफुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया।करीब दो साल की सुनवाई के बाद पेरंबवूर की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी को दोषी मानते हुए कड़ी सजा सुनाई। अदालत ने इस कृत्य को समाज के लिए कलंक बताया और कहा कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए ऐसे अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

हेमा कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर यौन शोषण के 35 केस दर्ज

तिरुअनंतपुरम, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। हेमा कमिटी की रिपोर्ट में सामने आए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच कर रही केरल पुलिस की एसआईटी ने 35 मामले दर्ज किए हैं। ये सभी मामले मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कई लोगों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं। जस्टिस हेमा कमिटी को दी गई गवाही के आधार पर इनमें से अधिकांश मामले यौन उत्पीड़न की घटनाओं से संबंधित हैं। एसआईटी ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कुछ बड़ी हस्तियों के खिलाफ तो 5-5 मामले भी दर्ज किए हैं। इन 35 मामलों के अलावा शिकायतकर्ताओं द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर अभिनेता सिद्दीकी के खिलाफ दर्ज मामले सहित 24 अलग मामले भी दर्ज किए गए हैं। 35 मामलों में से प्रत्येक को गोपनीय तरीके से दर्ज किया गया है। यहां तक कि इसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) भी सार्वजनिक

नहीं की गई है। इसके बाद कुछ लोग इस कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचकर इस पर रोक लगाने की मांग की। इसको लेकर एसआईटी को आशंका है कि इन मामलों के दर्ज होने के कारण ही सुप्रीम कोर्ट में इसकी जांच को चुनौती दी गई है।

दरअसल, फिल्म निर्माता साजिमोन परायिल ने सुप्रीम कोर्ट में एक केरल हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ एक याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट ने हेमा समिति के निष्कर्षों के आधार पर केस दर्ज करने के लिए कहा था। वहीं, अभिनेत्री माला पार्वती ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर एसआईटी की कार्रवाई को रोकने की मांग की है। उनका कहना है कि वो कार्रवाई नहीं चाहती हैं। केरल सरकार ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि कई महिलाएं हेमा समिति के सामने गवाही देने के बाद कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है। इसके बावजूद आरोपियों को जवाबदेही से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि कई शिकायतकर्ता शुरू में बयान देने या कानूनी कार्रवाई से हिचकिचा रहे थे, लेकिन एसआईटी ने उन्हें आश्वासन दिया।

एसआईटी के आश्वासन के बाद कई शिकायतकर्ता महिलाएं नया बयान देने और अदालत कार्रवाई में साथ देने की बात कही है। उधर, हेमा समिति के सामने गवाही देने वालों को धमकी मिल रही है। इस पर हाईकोर्ट ने चिंता जताई है। वीमेन इन सिनेमा कलेक्टिव की शिकायत पर हाईकोर्ट ने एसआईटी से नोडल अधिकारी नियुक्त करके इसका समाधान निकालने के लिए कहा है। हाल में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के काले चेहरे को बयान करने वाली जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई थी। इस रिपोर्ट में सैंकड़ों महिलाओं से बात की गई है। जिन्होंने बताया कि कैसे वो इंडस्ट्री में यौन उत्पीड़न झेल रही हैं। यह रिपोर्ट पांच साल पहले ही केरल सरकार के पास पहुंच गई थी, लेकिन इसे सार्वजनिक इस साल अगस्त में किया गया।कहा जा रहा है कि आरटीआई के दबाव में आकर केरल सरकार ने 295 पेजों की इस रिपोर्ट को जारी किया है, वो भी तब जब प्रारंभिक ड्राफ्ट से लगभग 60 पन्ने हटा दिए गए। ये रिपोर्ट न केवल फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं पर बीत रही आपबीती को बताती है, बल्कि पुरुषों के उस समूह के राज भी खोलती है जिनको लेकर कहा जाता है कि वो ही इस इंडस्ट्री पर कब्जा किए हुए हैं।

साल 2017 में 14 फरवरी को मलयालम फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री अपनी कार से कोच्चि जा रही थीं, तभी उन्हें रास्ते में अगवा कर लिया गया। इसके बाद उनकी ही कार में उनका यौन उत्पीड़न हुआ। जब खबरें सामने आईं तो हर कोई सन्न रह गया। पुलिस ने उस समय आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया, लेकिन इस घटना ने तमाम हिरोइनों की सुरक्षा पर सवाल उठा दिए। आंदोलन तेज होता गया। जब सरकार पर दबाव पड़ा तो मजबूरन वारदात के पांच महीने बाद जुलाई में केरल हाईकोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस हेमा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित हुई। इस कमेटी को जो टास्क दिया गया, उसमें पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों, सहयोगियों और अन्य स्टाफ की सेवा शर्तें, काम के बदले समुचित मेहनताना, शूटिंग स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम आदि को लेकर रिपोर्ट देना था।

कमेटी ने सैकड़ों की संख्या में महिला कलाकारों एवं अन्य महिला कर्मियों से बात की। उनके बयान रिकॉर्ड किए और फिर 2019 के आखिर में अपनी रिपोर्ट ले जाकर सीएम विजयन को दी। कमेटी ने इस रिपोर्ट के साथ इस मामले में विस्तृत जांच के लिए न्यायाधिकरण के गठन की सिफारिश भी की। हालांकि, केरल के सीएम ने उस पर सुनवाई तो दूर, रिपोर्ट को ही पब्लिक नहीं होने दिया। विधानसभा में बताया गया कि अगर ये रिपोर्ट सार्वजनिक हुई तो निजता का उल्लंघन होगा। बाद में पांच आरटीआई कार्यकर्ताओं और मीडियाकर्मियों ने केरल राज्य सूचना आयोग से संपर्क किया। इसके बाद आयोग ने कमेटी के सामने गवाही देने वाली महिलाओं की निजता को बरकरार रखते हुए कंट्रोल्ड रिपोर्ट को रिलीज करने करने की स्वीकृति दे दी। इसके बाद यह रिपोर्ट सामने आई।255 पेज की इस रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे मलयालम इंडस्ट्री को पुरुषों का एक समूह नियंत्रित करता है। वहीं महिलाएं यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं और वो भी उन लोगों के द्वारा, जिनका इंडस्ट्री में अच्छा खासा नाम है। इसके अलावा इसमें ये भी बताया गया है कि इंडस्ट्री में शुरुआत से ही महिलाओं के साथ शोषण शुरू हो जाता है। उन्हें कभी एडजस्ट करने को कहा जाता है तो कभी कॉम्प्रोमाइज। जब महिलाएं इसका विरोध करती हैं तो उन्हें टॉर्चर झेलना पड़ता है। कभी बेसिक सुविधाओं से वंचित रखा जाता है तो कभी वेतन देने में भेदभाव किया जाता है। कार्यस्थल पर उनके आगे नशे करना, दुर्व्यवहार करना, घटिया कमेंट करना भी सामान्य बात होती है। इसके अलावा, कॉन्ट्रैक्ट में काम की जानकारी दिए बिना ही उन्हें नग्न सीन करने के लिए मजबूर किया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच के दौरान निर्देशकों, निर्माताओं और अभिनेताओं समेत 15 बड़े शॉट्स से जुड़े एक पुरुष समूह का पता चला है। उनके अनुसार इंडस्ट्री में ये ही पावर ग्रुप तय करता है कि इंडस्ट्री में किसे रहना चाहिए और किसे फिल्मों में काम देना चाहिए। रिपोर्ट में इन शक्तिशाली समूह को माफिया भी बताया गया है जो अपने खिलाफ आवाज उठाने वालों का करियर बर्बाद कर देते हैं।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

यूपी का नया जिला बना महाकुंभ मेला

शामिल किए गए 67 राजस्व गांव, शासन ने जारी की अधिसूचना

लखनऊ, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ मेला क्षेत्र को उत्तर प्रदेश का नया जनपद बना दिया गया है। इस तरह से यूपी के कुल जिलों की संख्या 76 पहुंच गई है। महाकुंभ का आयोजन और ज्यादा प्रभावशाली तरीके से हो सके, सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा सके, इसी बात का ध्यान रखते हुए महाकुंभ मेला को नया जिला बना दिया गया है।

अब नए जिले का ऐलान होने से यहां पर नए डीएम की नियुक्ति भी तत्काल प्रभाल से कर दी गई है। महाकुंभ जिले में विजय किरन आनंद को नया डीएम बनाया गया है। राजेश द्विवेदी जिले के एसएसपी की भूमिका निभाने वाले हैं। जिला कलेक्टर के पास कानून के मुताबिक सारी निहित शक्तियां मिलने वाली हैं।

जिस नए जिले का ऐलान किया गया है, यह सिर्फ अस्थाई समय के लिए रहने वाला है। असल में जब भी महाकुंभ का वक्त करीब आता है, सरकार इसे एक नया जिला घोषित कर देती है। श्रद्धालुओं की संख्या क्योंकि इतनी ज्यादा रहती है, ऐसे में किसी शहर के बसाने जितनी मेहनत और इंतजाम करने पड़ते हैं। इसी वजह से मेला अवधि के दौरान तक महाकुंभ एक नए जनपद के रूप में काम करेगा। यहां चार नए तहसील भी बनाए गए हैं- सदर, सोरांव, फूलपुर और करछना। अब व्यवस्थाओं को तो दुरुस्त किया ही जा रहा है, महाकुंभ को लेकर सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत प्रयागराज में स्थापित 2,700 से अधिक

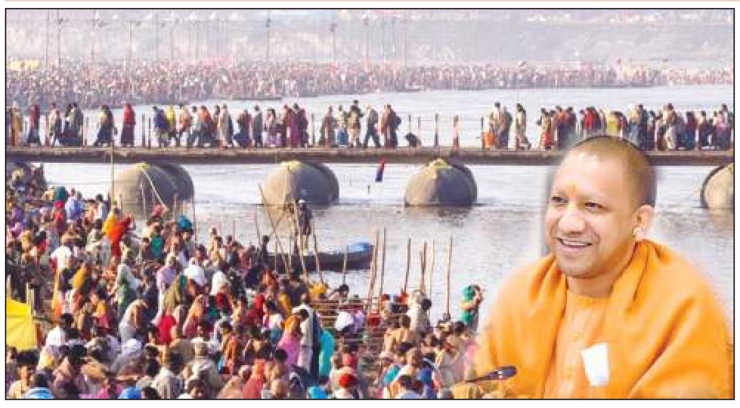

हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों के नेटवर्क, एआई-संचालित सीसीटीवी इकाइयों, ड्रोन और पोल से बंधे ड्रोनों का उपयोग किया जा रहा है। यह निगरानी व्यवस्था 13 जनवरी से शुरू होने वाले 45 दिवसीय महाकुंभ के दौरान सक्रिय रहेगी। इन सभी तकनीकी उपकरणों को एकीकृत नियंत्रण और कमान केंद्र से जोड़ा जा रहा है, जो गंगा के किनारे स्थित टेंट सिटी में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के आवागमन को नियंत्रित करने में मेला पुलिस की मदद करेगा।

अधिसूचना के अनुसार 67 राजस्व गांवों और संपूर्ण परेड क्षेत्र का क्षेत्रफल महाकुंभ मेला जनपद/मेला क्षेत्र में शामिल होगा। वर्ष 2019 के कुंभ में 30 राजस्व ग्रामों को आंशिक रूप से शामिल किया गया था, लेकिन इस बार पूरे गांव को महाकुंभ जनपद का हिस्सा माना गया है। महाकुंभ जनपद में तहसील सदर के 25, सोरांव के तीन, फूलपुर के 20 व तहसील करछना के 19 राजस्व गांवों को शामिल किया गया है। कुंभ मेला प्रशासन इन गांवों को पार्किंग या अन्य व्यवस्थाओं के लिए इस्तेमाल कर सकेगा। इस बार मेला क्षेत्र की बसावट में भी विस्तार किया गया है। 2019 के कुंभ में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र की बसावट थी, लेकिन इस बार चार हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में कुंभ मेला बसाया जा रहा है। बसावट का क्षेत्र बढ़ने के कारण इस बार सुविधाओं में भी विस्तार होगा और नई संस्थाओं को मेले में अपना शिविर लगाने का मौका मिल सकेगा। जिले में जिन राजस्व गांवों को शामिल किया गया है उनमें तहसील सदर के कुरेशीपुर उपरहार, कुरेशीपुर कछार, कीटगंज उपरहार, कीटगंज कछार, बराही पट्टी कछार, बम्हन पट्टी कछार, मुस्तफाबाद मुनकस्मा उपरहार, मुस्तफाबाद मुनकस्मा कछार, अली पट्टी, बस्की उपरहार, बस्की कछार, अल्लापुर बस्की कछार, बघाड़ा जहूरूद्दीन, करनपुर, बघाड़ा बालन, चकशेरखां कछार, शादियाबाद उपरहार, शादियाबाद कछार, चांदपुर सलोरी उपरहार, चांदपुर सलोरी कछार, गोविंदपुर उपरहार, पट्टीचिल्ला उपरहार, पट्टीचिल्ला कछार, आराजी बारूदखाना उपरहार और आराजी बारूदखाना कछार शामिल हैं। तहसील सोरांव के बेला कछार बारूदखाना, पड़िला, मनसैता, तहसील फूलपुर के बेला सैलाबी कछार, औरहा उपरहार, सिहोरी उपरहार, सिहोरी कछार, इब्राहिमपुर उपरहार, इब्राहिमपुर कछार, एखलासपुर, रसूलपुर उपरहार, रसूलपुर कछार, फतेहपुर, चक जमाल, सोनौटी, बदरा, चक फातमा जमीन शेरडीह, पूरे सूरदास, झूंसी कोहना, हवेलिया, उस्तापुर महमूदाबाद उपरहार, उस्तापुर महमूदाबाद कछार, छतनाग कछार और तहसील करछना के मदनुवा उपरहार, मदनुवा कछार, मवैया उपरहार, मवैया कछार, देवरख उपरहार, देवरख कछार, अरैल उपरहार, अरैल कछार, चक सैय्यद अरब दरवेश, चक अराजी खान आलम, माधोपुर उपरहार, माधोपुर कछार, जहांगीराबाद उपरहार, जहांगीराबाद कछार, महेवा पट्टी पूरब उपरहार, महेवा पट्टी पूरब कछार, महेवा पट्टी पश्चिम कछार, मीरखपुर कछार, संपूर्ण परेड क्षेत्र शामिल हैं।

संभल हिंसा मामले में न्यायिक आयोग की जांच तेज

हिंसा में लिप्त 400 लोग पहचाने गए तेजी से जुटाए जा रहे सबूत

संभल, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हुई हिंसा की पड़ताल के लिए गठित न्यायिक आयोग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तीन सदस्यीय आयोग के दो सदस्य रविवार को संभल पहुंचे और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर अफसरों से जानकारी ली। आयोग की टीम जामा मस्जिद भी गई और मस्जिद कमेटी के सदस्यों से मुलाकात की। इस बीच, मंडल आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि हिंसा के जिम्मेदारों के खिलाफ सबूत जुटाए जा रहे हैं। अब तक 400 लोगों की पहचान हो चुकी है।

आयोग के अध्यक्ष हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा व सदस्य पूर्व पुलिस महानिदेशक एके जैन रविवार सुबह करीब दस बजे संभल पहुंचे। एक अन्य सदस्य सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव अमित मोहन टीम के साथ नहीं पहुंच पाए। टीम ने मस्जिद के आसपास पुलिस और भीड़ के बीच हुई झड़प वाले क्षेत्र का मुआयना किया। टीम के साथ

मौजूद पुलिस अधीक्षक केके विश्नोई ने उन्हें पूरे बवाल की बिंदुवार जानकारी दी। इसके बाद टीम ने नखासा तिराहा व हिंदूपुरा खेड़ा इलाकों का दौरा किया। अधिकारियों ने टीम को भीड़ के एकत्र होने और बवाल के बाद लौटने वाले रास्ते दिखाए।

न्यायिक जांच आयोग की टीम के दौरे पर उनके साथ मंडल आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह, रेंज के पुलिस महानिरीक्षक मुनिराज जी, संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया भी मौजूद रहे। उधर, एसपी केके विश्नोई ने बताया कि उपद्रवियों की तलाश में पुलिस की पांच टीमें लगाई गई हैं। उत्पात मचाने वालों की वीडियो और फोटो से पहचान की जा रही है। जामा मस्जिद के इमाम आफताब हुसैन वारसी ने कहा, टीम करीब 15 मिनट तक मस्जिद में रही। मस्जिद कमेटी के सचिव मसूद फारूकी ने कहा, टीम ने हमसे कुछ नहीं पूछा। वे अभी सिर्फ घटनास्थल और मस्जिद का मुआयना करने आए हैं। बयान बाद में दर्ज करेंगे। आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र अरोड़ा ने संभल से रवाना होते वक्त कहा कि घटना की तह तक पहुंचा जाएगा। अभी आयोग की टीम ने घटना की प्राथमिक जानकारी हासिल की है और घटनास्थल का मुआयना किया है, ताकि स्थिति को समझा जा सके। अफसरों व आम लोगों के बयान दर्ज किए जाने के साथ सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। इसमें लगभग दो महीने लग सकते हैं।मस्जिद व मंदिर को लेकर दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे हैं। कौन सही, कौन गलत है यह तो अदालत साक्ष्य व सबूतों के आधार पर तय करेगी। 8 अगस्त 2022 को विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष मुकेश पटेल वाद दायर कर कहा कि जहां पर जामा मस्जिद है, वहां पूर्व में नीलकंठ महादेव का मंदिर था। इसके बाद से कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा रिफाइनरी प्रकरण में हाईकोर्ट का फैसला पलटा

अधिग्रहित की गई जमीन के मुआवजे की दर बढ़ाएं

लखनऊ/नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को मथुरा में रिफाइनरी के लिए 47 साल पहले अधिग्रहित की गई 263.05 एकड़ भूमि के लिए मुआवजे की दर बढ़ाने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने यूपी सरकार के अपीलकर्ताओं की भूमि को कृषि भूमि मानकर मिट्टी के प्रकार के आधार पर मुआवजा देने के फैसले को खारिज कर भूमि मालिकों को 1.93 रुपए की बजाय 15 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा देने का आदेश दिया।

5 फरवरी 1977 की अधिसूचना द्वारा ग्राम अन्नानपुरा, तहसील एवं जिला मथुरा की 263.05 एकड़ भूमि नियोजित औद्योगिक विकास के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकासनिगम के लिए अधिग्रहित की गई थी। 13 मई, 1977 को भूमि का कब्जा लिया गया। विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने 30 अगस्त, 1980 को मिट्टी की गुणवत्ता के आधार पर मुआवजा निर्धारित किया। इस मामले में अनेक सिंह आदि द्वारा दायर अपीलों को स्वीकार करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने 22 जनवरी, 1977 को कलेक्टर मथुरा द्वारा जारी आदेश की ओर ध्यान दिलाया, जिसमें बताया गया था कि मथुरा रिफाइनरी के आसपास के एक किमी के दायरे में आने वाले क्षेत्रों की भूमि का मूल्यांकन 15 रुपए प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है।

अपीलकर्ता के वकील की ओर से कहा गया कि ऐसी भूमि जो रिफाइनरी के नजदीक नहीं है, उसके लिए 15 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा दिया गया है। वहीं, अपीलकर्ताओं की जमीन रिफाइनरी के ठीक सामने है। इसके बाद भी मुआवजा मात्र 1.93 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से दिया गया। अपीलकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी याचिका दाखिल की थी।

लेकिन, हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2019 को सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज कर कहा कि अपीलकर्ता सभी वैधानिक लाभों के साथ-साथ दी गई राशि पर ब्याज के भी हकदार होंगे। कोर्ट ने कहा है कि भुगतान आठ सप्ताह की अवधि के भीतर किया जाना चाहिए।

महानिर्वाणी अखाड़े का स्वर्णिम इतिहास

ज्ञानवापी की रक्षा के लिए नागा साधुओं ने रौंदी थी औरंगजेब की सेना

प्रयागराज, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। महानिर्वाणी अखाड़े का स्वर्णिम इतिहास है। ज्ञानवापी मंदिर की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के नागा साधुओं ने औरंगजेब की सेना रौंद डाली थी। महानिर्वाणी अखाड़े की स्थापना 16वीं शताब्दी में हुई थी। अखाड़े में 10 हजार से अधिक नागा संन्यासियों का दल है। 1774 में ज्ञानवापी की रक्षा के लिए औरंगजेब की सेना के साथ महानिर्वाणी के नागाओं ने युद्ध किया था। महानिर्वाणी अखाड़े के नागा साहस और पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। अटल और आवाहन अखाड़े के संतों ने मिलकर धर्म की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के रूप में अस्त्र- शस्त्र संचालन में निपुण नागाओं की सेना 16वीं शताब्दी के अंत में तैयार की।

सनातन धर्म के प्रतीक मठ-मंदिरों, तीर्थों को मुगल आक्रांताओं के हमले से बचाने के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं का शौर्य हमेशा याद रखा जाएगा। काशी में ज्ञानवापी की रक्षा के लिए वर्ष 1774 में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने औरंगजेब की सेना और मनसबदारों के साथ युद्ध कर परास्त किया था। यही वजह है कि दशनामी संन्यासियों की परंपरा में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं को वीर की उपाधि दी गई है। इस अखाड़े के नागा साहस और पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। अटल और आवाहन अखाड़े के संतों ने मिलकर धर्म की रक्षा के लिए महानिर्वाणी अखाड़े के रूप में अस्त्र- शस्त्र संचालन में निपुण नागाओं की सेना 16वीं शताब्दी के अंत में तैयार की। बीएसएम स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुड़की के प्राचार्य रहे डॉ. रामचंद्र पुरी ने दशनाम नागा संन्यासियों पर किए अपने शोध में इसका उल्लेख किया है। लिखते हैं कि महानिर्वाणी अखाड़े की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंत में बिहार के हजारीबाग स्थित गढ़कुंडा के मैदान में हुई थी। तब सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के परिसर में काल भैरव और गणेश जी के छत्रों के ऊपर अखाड़े के गुरु कपिल महामुनि का छत्र रखते हुए सनातन

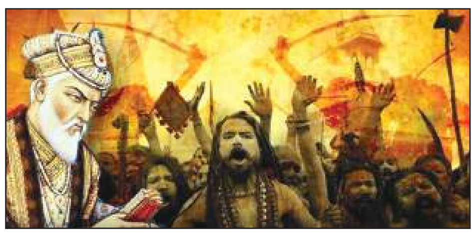

धर्म का ध्वज ऊंचा करने के लिए पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी की स्थापना की गई। उस समय महानिर्वाणी अखाड़े के आठ संस्थापक सदस्य अटल अखाड़े से जुड़े थे। इनके अलावा कुछ संतों का संबंध आवाहन अखाड़े से था। यानी अटल और आवाहन अखाड़े के तपस्वियों ने मिलकर सनातन संस्कृति के प्रतीकों को नष्ट करने वाली मुगलों की सेना से लड़ने के लिए आवाहन अखाड़ा बनाया। अखाड़े के सचिव श्रीमहंत यमुनापुरी बताते हैं कि मौजूदा समय महानिर्वाणी परंपरा के 10 हजार संन्यासी हैं। औरंगजेब के निर्देश पर उसकी सेना ने 1771 में गढ़कुंडा पर आक्रमण कर उसे अपने अधीन कर लिया। उसी समय औरंगजेब की सेना काशी में मठों-मंदिरों को तोड़कर वहां मस्जिदों का निर्माण करा रही थी।

औरंगजेब के काशी में हमले की जानकारी मिलने के बाद महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने 1774 में उसकी सेना से भीषण युद्ध किया। दशनाम नागा संन्यासी एवं श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा नाम पुस्तक में महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं की ओर से लड़े गए ज्ञानवापी समेत तीन युद्धों का जिक्र है। इस पुस्तक में कहा गया है कि औरंगजेब ने 1974 में अपने सेनापति मिर्जा अली तुरंग खां और अब्दुल अली को विशाल सेना के साथ काशी के ज्ञानवापी और विश्वनाथ मंदिर पर आक्रमण के लिए भेजा। तब उनके साथ हिंदू मनसबदार राजा हरिदास केसरी और नरेंद्र दास भी थे।

औरंगजेब की सेना के हमले के भय से काशी में हाहाकार मच गया। जिन हिंदू राजाओं से सनातन धर्म की रक्षा की आशा थी, वह भी आक्रमणकारियों से घिर कर भयभीत हो गए थे। ऐसे में महानिर्वाणी अखाड़े के हजारों सशस्त्र नागा संन्यासी रमण गिरि, लक्ष्मण गिरि मौनी, देश गिरि नक्खी महाराज के नेतृत्व में विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। तब नागा संन्यासियों की सेना ने औरंगजेब की ओर से भेजी गई राजा हरि दास केसरी और नरेंद्र दास की सेना को घेर लिया और अपने युद्ध कौशल से उनको परास्त कर वहां से भगा दिया था। इस युद्ध में काशी में नागाओं की सेना का नेतृत्व करने वाले हरिवंश पुरी और शंकर पुरी वीरगति को प्राप्त हो गए। महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत यमुना पुरी बताते हैं कि काशी में हरवंश पुरी और शंकर पुरी की समाधियों पर औरंगजेब के क्रूर सैनिकों से धर्म की रक्षा करते हुए 1774 में प्राणोत्सर्ग करने का उल्लेख है। इसी तरह औरंगजेब के ही साथ 1777 में हरिद्वार तीर्थ की रक्षा के लिए युद्ध और पुष्कर राज तीर्थ की रक्षा के लिए मुसलमान गूजरों के साथ महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं के युद्ध का उल्लेख किया गया है।

मुस्लिम युवक के शव में मिली जिस बोर की गोली

उसका तमंचा संभल के दंगाइयों के पास से मिला

संभल, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 24 नवंबर को मुस्लिम कट्टरपंथियों की भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया था। हिंसक भीड़ जामा मस्जिद का सर्वे करने वाली टीम तक पहुंचना चाह रही थी जिसे रोकते हुए कई अधिकारी और जवान घायल हो गए। इस मामले में अब तक प्रशासन की तरफ से कुल 7 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इन सभी एफआईआर में हिंसक भीड़ की तादाद 800 से 900 के आसपास बताई गई है। सबने सामूहिक रूप से माना है कि हमलावर प्रशासनिक अधिकारियों की जान लेने पर आमादा थे।

इस मामले में प्रशासन की तरफ से कुल 7 केस दर्ज हुए है। इसमें से 5 मुकदमे संभल कोतवाली जबकि 2 अन्य नखासा थानाक्षेत्र में लिखे गए हैं। संभल कोतवाली क्षेत्र में दर्ज मुकदमों में से 2 केस चौकी इंचार्ज के पद पर तैनात सब इंस्पेक्टरों के साथ 1-1 मुकदमे डीएसपी, एसएचओ और डिप्टी कलेक्टर की तहरीर पर दर्ज हुए हैं। इन मुकदमों में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, समाजवादी पार्टी के विधायक इक़बाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल के अलावा 21 अन्य लोग नामजद आरोपित बनाए गए हैं। इसी के साथ 800 से 900 हमलावर अज्ञात में दिखाए गए हैं।

संभल हिंसा की पहली एफआईआर सब इंस्पेक्टर संजीव की तरफ से दर्ज की गई है। वह कोतवाली संभल की एकता चौकी के प्रभारी हैं। उनकी एफआईआर में बताया गया है कि 800 से 900 हमलावरों की भीड़ सर्वे रोकने के लिए आगे बढ़ रही थी। जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। भीड़ ने मस्जिद में सर्वे नहीं होने देने का एलान कर दिया। इसी भीड़ में से आवाज आई, हसन, अजीम, सलीम, रिहान, हैदर, वसीम, अयान पुलिस वालों से सारे हथियार कारतूस छीन लो। इनको आग लगाकर मार डालो। कोई भी बचकर न जाने पाए। भीड़ ने कई पुलिसकर्मियों के हथियार भी छीन लिए जिसमें टीयर गैस सेल और रबर बुलेट शामिल हैं। इसके बाद पुलिसकर्मियों की हत्या के इरादे से भीड़ ने फायरिंग शुरू कर दी। इस पत्थरबाजी में खुद दारोगा संजीव के साथ कुछ अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। आखिरकार बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर किया गया।

दूसरा केस संभल कोतवाली की ही सरथल चौकी प्रभारी दीपक राठी की तरफ से दर्ज करवाया गया है। इस तहरीर में उन्होंने 22 नवंबर को समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान के जामा मस्जिद पर दिए गए भड़काऊ भाषण का जिक्र किया है। दीपक राठी ने अपनी तहरीर में यह भी बताया कि हिंसा के दिन भीड़ को समाजवादी पार्टी के विधायक इकबाल महमूद का बेटा सुहैल इक़बाल लीड कर रहा था। इस भीड़ ने पुलिस पर पत्थर फेंके और गोलियां भी चलाईं। दीपक राठी की एफआईआर में यह भी जिक्र है कि हमलावर भीड़ को यह कह कर उकसाया जा रहा था, चिंता मत करो सांसद जियाउर्रहमान तुम्हारे साथ हैं।

इस मामले में तीसरा केस संभल कोतवाली के एसएचओ इंस्पेक्टर अनुज कुमार तोमर ने दर्ज करवाया है। खुद को चश्मदीद बताते हुए उन्होंने लिखा कि हिंसक भीड़ अल्लाहु अकबर का नारा लगा रही थी। इस भीड़ में 14 साल के नाबालिग से लेकर 72 साल तक का बुजुर्ग शामिल थे। भीड़ की तरफ से गोलियां चलाई गईं जिसके बाद पुलिस को 4 लोग घायल अवस्था में मिले। इन्हीं चारों की बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। एफआईआर के मुताबिक दंगाइयों के हमले का शिकार रैपिड एक्शन फ़ोर्स के जवान भी बने थे। मुस्लिम समुदाय के कुल 21 लोगों की गिरफ्तारी का भी जिक्र इसी एफआईआर में है। इसमें से कई उपद्रवियों के पास पुलिस से लूटे गए हथियार और कुछ के पास अवैध अस्त्र बरामद हुए। ये अस्त्र 12 बोर और 315 बोर के तमंचे थे। उपद्रवियों ने पुलिस की प्राइवेट और सरकारी गाड़ियों में आगजनी और तोड़फोड़ की थी। आखिर में डीएम से परमिशन मिलने के बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर के भीड़ को नियंत्रित किया।

संभल में हिंसक भीड़ को काबू करते हुए डिप्टी कलेक्टर रमेश बाबू भी घायल हो गए थे। पथराव में उनको बाएं पैर और कुहनी में चोटें आईं है। उन्होंने अपनी तहरीर में 800-900 अज्ञात हमलावरों का जिक्र किया है। रमेश बाबू ने बताया कि हिंसक भीड़ न तो अदालत का आदेश मानने के लिए तैयार थी और न ही अधिकारियों की कोई भी बात सुनने के लिए। वो सर्वे रोकने के लिए हिंसा का सहारा लेना चाहते थे। भीड़ को बार-बार निषेधाज्ञा लागू होने की नसीहत भी दी गई लेकिन उन पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

संभल हिंसा की 5वीं एफआईआर डिप्टी एसपी अनुज चौधरी की तरफ से दर्ज हुई है। अनुज चौधरी के पैर में दंगाइयों की गोली लगी है। उन्होंने खुद पर हुए हमले के बड़ा कोतवाली संभल में तहरीर दी है। तहरीर में अनुज चौधरी ने बताया कि सर्वे कर रही हिंसक भीड़ को रोकने के लिए उन्होंने काफी प्रयास किया। इस कोशिश के दौरान भीड़ उनके साथी कई अन्य पुलिसकर्मियों पर हमलावर हो गई। भीड़ ने लॉ एन्ड आर्डर पूरी तरह से खत्म कर दिया और लोग डर से अपने घरों में कैद हो गए। पथराव कर रही भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस तमाम कोशिशें कर रही थी। इसी दौरान भीड़ में से एक अज्ञात व्यक्ति ने गोली चला दी जो अनुज चौधरी के पैर में जा धंसी। घायल अनुज चौधरी को इजाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपरोक्त 5 एफआईआर कोतवाली संभल नगर में दर्ज हुई हैं। इसके अतिरिक्त 2 अन्य एफआईआर पास के ही थाना नखासा में दर्ज की गई है। यह दोनों केस भी पत्थरबाजी और आगजनी से जुड़े हैं। भीड़ की हिंसा का दायरा इसी बात से समझा जा सकता है कि उसने एक साथ 2 अलग-अलग थानाक्षेत्रों में उपद्रव किया। इन दोनों जगहों पर भीड़ के टारगेट पर पुलिसकर्मी ही थे। दोनों ही स्थानों पर भीड़ ने पुलिस के साथ उनके वाहनों को निशाना बनाया।नखासा थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर शाह फैसल पर भी हिंसक भीड़ ने तब हमला किया जब वो विवाद की सूचना पर मौके के लिए रवाना हुए थे। इस दौरान भीड़ ने सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी कैमरों को तोड़ डाला। लाठी-डंडों से लैस भीड़ ने पुलिस की एक प्राइ-वेट और दूसरी निजी बाइक में आग लगा दी। दारोगा से उनकी सरकारी पिस्टल छीनने की कोशिश हुई। नाकाम रहने पर सिपाहियों के कारतूस छीने गए। अतिरिक्त फ़ोर्स आने के बाद ही भीड़ से घिरे पुलिसकर्मियों की जान बच पाई। इस केस में गुलाबुद्दीन, सुल्तान आरिफ, हसन, मुन्ना, फैज़ान और समद को नामजद किया गया है। इसी के साथ 150 से 200 अन्य हमलावरों को अज्ञात में दिखाया गया है।

संभल हिंसा की 7वीं एफआईआर नखासा थाने में दर्ज हुई है। इस केस में पुलिसकर्मी ने बताया है कि उनके व अन्य हमराहों पर ईंट पत्थरों से हमला किया गया। इस हमले से डर कर दुकानदारों ने शटर गिरा लिए और लोकव्यवस्था पूरी तरह से भंग हो गई थी। इसी तहरीर के आधार पर पुलिस ने रुकैया, फरहाना और नजराना नाम की 3 खातूनों को गिरफ्तार किया है। हिंसा में शामिल अज्ञात हमलावरों की पहचान कर के धरपकड़ के प्रयास किए जा रहे हैं। उपरोक्त सारे एफआईआर में कई चीजें कॉमन हैं। सब सारे केसों का सार निकाला जाए तो इसमें कुछ बातें साफ तौर पर सामने निकल कर आ रहीं हैं। भीड़ प्रशासनिक अधिकारियों की कोई भी बात सुनने को तैयार नहीं थी। अलग-अलग गलियों और रास्तों से निकल कर वह मस्जिद की तरफ सधे अंदाज में बढ़ रही थी। इस भीड़ में नाबालिग बच्चों से लेकर 72 साल के बुजुर्ग भी शामिल थे लेकिन अंतर सिर्फ उम्र में था, उनकी सोच में नहीं। सभी एफआईआर में प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया है कि भीड़ ने उन पर हमला किया और मार डालने की कोशिश की। कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों के हथियार भी छीनने का प्रयास हुआ।

बदायूं का जामा मस्जिद नहीं, बल्कि नीलकंठ महादेव मंदिर

हिंदू पक्ष के पूजा के अधिकार की याचिका पर सुनवाई

संभल, 02 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल के बाद अब बदायूँ जिले में जामा मस्जिद को लेकर विवाद शुरू हो गया है। हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि बदायूं की जामा मस्जिद असल में पौराणिक नीलकंठ महादेव मंदिर है। इसको लेकर हिंदू पक्ष ने जिला अदालत में याचिका दायर कर दी है। मामले की अगली सुनवाई मंगलवार 3 दिसंबर को तय की गई है। सरकारी पक्ष की बहस पूरी हो चुकी है, अब मस्जिद की इंतजामिया कमेटी और वक्फ बोर्ड की दलीलें सुनी जाएंगी।

हिंदू पक्ष की तरफ से वादी मुकेश पटेल ने साल 2022 में अदालत में सबूत पेश करते हुए दावा किया था कि यह मस्जिद पहले नीलकंठ महादेव मंदिर थी। उनकी याचिका में जामा मस्जिद के अंदर हिंदुओं को पूजा का अधिकार देने की मांग की गई है। हिंदू महासभा के अधिवक्ता विवेक रेंडर इस मामले की पैरवी कर रहे हैं। मस्जिद की इंतजामिया कमेटी ने इस दावे का जोरदार विरोध किया है। उनके वकील अनवर आलम का कहना है कि जामा मस्जिद 850 साल पुरानी है और इसका मंदिर से कोई संबंध नहीं है। अनवर आलम ने मस्जिद को 850 साल पुरानी

बताते हुए हिंदू पक्ष की याचिका को ख़ारिज करने की मांग की है। हालांकि उन्होंने कहा कि वो अदालत में अपनी बहस जारी रखेंगे। जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ महादेव मंदिर का यह विवाद बदायूं के सिविल जज सीनियर डिवीजन फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रहा है। न्यायाधीश अमित कुमार की अदालत में इस बात पर बहस चल रही है कि यह मामला सुनवाई योग्य है या नहीं। हिंदू पक्ष की याचिका में वक्फ बोर्ड को प्रतिवादी नंबर एक और मस्जिद इंतजामिया कमेटी को विपक्षी संख्या 2 बनाया गया है। शनिवार (29 नवंबर) को मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखा है। हालांकि कमेटी की सुनवाई अभी भी पूरी नहीं हो पाई है। अदालत ने सरकारी पक्ष की बात सुनने के बाद अब मस्जिद पक्ष की दलीलों का इंतजार शुरू कर दिया है। सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अदालत तय करेगी कि इस याचिका पर आगे सुनवाई की जाए या इसे खारिज किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर 2024 को होगी।

संपादकीय

कालीन पे शीतकालीन सफर

दिसंबर माह की परख में पूरा एक साल, जबकि प्रदेश और प्रदेश की हुकूमत के लिए पूरे होते दो साल तथा तपोवन में विधानसभा के शीतकालीन सत्र की 18 से 21 दिसंबर तक की बैठकें, रिवायत से बढक़र सियासी पैमाइश करती रहेंगी। हालांकि हिमाचल का मौसम बिगड़ा है और सूने पहाड़ों पर न बर्फ है और न ही बारिश से भरा कोई बादल, फिर भी सन्नाटों को तोड़ता सरकारी जश्न बिलासपुर की आबोहवा में रंग भर देगा। तैयारियों के शोर में कहीं संगठन की चुनावी बिसात से सरकार तक और वफादारी के एतबार तक कड़ी परीक्षा ले रहा है। वैसे सरकार के दो साल अनेक परीक्षाओं के बीच आलाकमान की खिदमत कर रहे हैं, क्योंकि पूरे उत्तर भारत में कांग्रेस के लिए हिमाचल का ताज बहुत अहमियत रखता है और अब देखना यह है कि संगठन के रूप में सरकार के कदम कितने सशक्त होते हैं। बहरहाल बिलासपुर का सालाना जश्न सत्ता की भूमिका में कांग्रेस की चांदनी लिखेगा, जहां गारंटियों का साम्राज्य ब्रांड सुक्खू के नाम पर इक हकीकत है। जाहिर है कांग्रेस सरकार अब हिमाचल में ब्रांड सुक्खू का राजनीतिक सफर भी है, जो सत्ता से आगे निकल कर अपने करिश्मे और किरदार की पेशकश में इस जश्न के कारण बता रहा है। इन दो सालों में कई फासले लांघे गए, तो अपने घर की विरासत में मुख्यमंत्री का पद और तिलक राजनीतिक इम्तिहानों से गुजरा। आंतरिक विरोध से उपजे उपचुनावों की शक्ति से सराबोर सुक्खू सरकार अब दुर्ग की तरह काम करना चाहती है, लेकिन विपक्ष की नाव सत्ता की नदिया में तूफान पैदा करने की हर तरकीब से पहले मौजूद है। यहां अस्त्र और शस्त्र नहीं, सरकार की अपनी चुनौतियों का पाला एक संगठित विपक्ष से है और जिसने यह ठान रखा है कि वर्तमान सत्ता की गिल्लियां हर सूरत उड़ानी हैं। छह मुख्य संसदीय सचिवों की ताजपोशी गंवा चुके मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के सामने अब घर में संगठन की सेहत को अपने तरीके से आजमाने की अगर कोशिश चल रही है, तो राजनीतिक अपनत्व में पद खो चुके नेताओं को सरकार में फिर से अपनाने की जिद्द भी तो है। सुक्खू ने जो चाहा वो किया, इसलिए परीक्षाओं के दौर अनवरत हैं। राज्य की तंगहाली पर चुनावी गारंटियों की फेहरिस्त महंगी है, लेकिन इन्हें पूरा करने की फकीरी प्रयासरत है। इसी बीच ऋण के बल पर प्रदेश को हांकने की मजबूरी में अच्छे फैसलों के सियासी संदर्भों को कुशल बनाए रखने के लिए पापड़ बेलने पड़ रहे हैं। घाटे के सार्वजनिक उपक्रमों, अनावश्यक सरकारी संस्थानों और दफ्तरों की ढीली चूलों को कसने की हिम्मत तो है, मगर राजनीतिक जलेबियां हिमाचल की आर्थिक सेहत को कमजोर बना कर विभ्रम में रहना चाहती हैं। इस दौरान सरकार ने राजस्व विभाग पर पड़ी पपडियां उतारने की कोशिश की तो वर्षों से रुके इंतकाल के मामले निपट गए। जाहिर है ऐसी इच्छाशक्ति के नैन नक्श पर सरकारों की तारीफ होती है, लेकिन विभागीय आलस्य की कंद्राओं में अभी रोशनी होनी बाकी है। मसलन सुक्खू सरकार का एक बड़ा फैसला अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाओं को लेकर आया, तो मरीजों की भी बांछें खिल गईं, लेकिन आए दिन ओपीडी की कतारों को मालूम हो जाता है कि उनकी पर्चियों पर हस्ताक्षर करने के लिए अस्पताल में विशेषज्ञ डाक्टरों का अभी भी टोटा पड़ा है। यह दीगर है कि सर्दियों में शिमला से नीचे उतर कर सरकारें जब निचलने हिमाचल में आती हैं, तो सत्ता के स्पर्श मात्र से लोगों की आशाएं गलबहियां करने लगती हैं। इसी रास्ते पर बिलासपुर में जश्न का दूसरा साल इस्तकबाल कर रहा है, तो तपोवन में शीतकालीन सत्र के भीतर अपेक्षाओं की गूंज तो बाहर सरकार के समक्ष फरियादों के गुलदस्ते इंतजार कर रहे हैं। कैसा होगा इस बार का शीतकालीन सफर, इसे सीमित सत्र कुछ हद तक तो बता ही पाएगा, लेकिन जरूरत है उस शीतकालीन प्रवास को सुदृढ़ करने की जो शिमला की धडक़नों को कांगड़ा में आकर शीतकालीन राजधानी के रूप में अंगीकार करता रहा है।

शीतकालीन सत्र की 18 से 21 दिसंबर तक की बैठकें, रिवायत से बढक़र सियासी पैमाइश करती रहेंगी। हालांकि हिमाचल का मौसम बिगड़ा है और सूने पहाड़ों पर न बर्फ है और न ही बारिश से भरा कोई बादल, फिर भी सन्नाटों को तोड़ता सरकारी जश्न बिलासपुर की आबोहवा में रंग भर देगा। तैयारियों के शोर में कहीं संगठन की चुनावी बिसात से सरकार तक और वफादारी के एतबार तक कड़ी परीक्षा ले रहा है। वैसे सरकार के दो साल अनेक परीक्षाओं के बीच आलाकमान की खिदमत कर रहे हैं, क्योंकि पूरे उत्तर भारत में कांग्रेस के लिए हिमाचल का ताज बहुत अहमियत रखता है और अब देखना यह है कि संगठन के रूप में सरकार के कदम कितने सशक्त होते हैं। बहरहाल बिलासपुर का सालाना जश्न सत्ता की भूमिका में कांग्रेस की चांदनी लिखेगा, जहां गारंटियों का साम्राज्य ब्रांड सुक्खू के नाम पर इक हकीकत है।

एनडीए को बहुमत प्राप्त होगा लेकिन इस प्रकार की सूनामी की संभावना कतई नहीं थी

महाराष्ट्र का चुनाव हिन्दुत्व एकजुटता का परिणाम

डॉ. नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

पिछले दिनों महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा का चुनाव परिणाम सामने आया जिसमें बीजेपी और उनके सहयोगियों को प्रचंड बहुमत प्राप्त हुआ। ये तो तय था कि एनडीए को बहुमत प्राप्त होगा लेकिन इस प्रकार की सूनामी की संभावना कतई नहीं थी। दरअसल इसकी पटकथा तब ही लिख दी गई थी जब उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री बनने के लिए बीजेपी का साथ छोड़कर कांग्रेस और एनसीपी का दामन थामा था। जनता इस अवसर के तलाश में थी कि कब उनको मौका मिले ताकि इनको सबक सिखाया जा सके। बाला साहेब ठाकरे ने जिस हिंदुत्व के आधार पर शिवसेना की स्थापना की थी, उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लालच में उसकी तिलांजलि दे दी। महाराष्ट्र की जनता ये पूरा प्रकरण देख रही थी। लोकसभा के चुनाव में बीजेपी को जो सीट कम आई थी उसका कारण 400 पार का नारा था जिसने जनता को आश्वस्त कर दिया था कि बीजेपी को 400सीट आ ही जाएगी। इसलिए बीजेपी के कोर वोटर अपने घरों से नहीं निकले और मुगालते में रह गए। लोकसभा के चुनाव परिणाम से विपक्षी दल जनता जनार्दन की मनोकामना का आकलन नहीं कर सके और उनकी करारी शिकस्त हो गई। अजित पवार को अपने चाचा से दुगनी सीट मिली. उसका कारण साफ था कि जनता ये देख रही थी कि अजित पवार ही शरद पवार के बाद उनके उत्तराधिकारी बन सकते थे लेकिन पुत्री मोह में शरद पवार ने अजित पवार के बजाय सुप्रिया सुले को महत्त्व दिया। जनता इस बात को नहीं भूल पाई। वैसे अजित पवार को भी लोकसभा के चुनाव में अपनी पत्नी को सुप्रिया सुले के खिलाफ उतारना महंगा पड़ा था। दरअसल परिवार में खींचतान से जनता में गलत संदेश जाता है। एकनाथ शिंदे ने जो राह पकड़ी, उसको जनता का पूरा आशीर्वाद प्राप्त हुआ। बाला साहेब ठाकरे कभी भी कांग्रेस के साथ हाथ नहीं मिला सकते थे। उद्धव ठाकरे ने ऐसा करके महाराष्ट्र में अपनी साख खो दिया है। अब वह जमीन उनकी पार्टी को कभी भी प्राप्त नहीं हो सकती। महाराष्ट्र के चुनाव में बहुत से मुद्दे थे जिनमें किसानों द्वारा आत्महत्या का मामला, सोयाबीन और कपास का उचित मूल्य नहीं मिलना आदि लेकिन चुनाव में जनता ने इन मुद्दों को नजरअंदाज करके केवल हिंदुत्व के नाम पर वोट दिया। योगी आदित्यनाथ का ये नारा कि बटोगे तो कटोगे और प्रधानमंत्री का ये नारा एक हैं तो सेफ हैं, बहुत कारगर साबित

हुआ। दरअसल इस चुनाव में ओबीसी वोटरों ने एकमुश्त एनडीए को वोट दिया। इसके अलावा हिन्दू वोटरों के ध्रुवीकरण का कारण ये था कि एक समुदाय के संगठनों ने अपनी वे मांगे रख दी जो हिंदुओं को बेहद आपत्तिजनक लगी। महाराष्ट्र में कोई आरएसएस पे बैन लगाने को कहे तो इसका विरोध वहां का हर हिन्दू करेगा। कांग्रेस ,एनसीपी, शरद पवार, और उद्धव ठाकरे के मंचो पर ये मांग करने वाले एक समुदाय की उपस्थिति ने हिन्दू वोटरों के ध्रुवीकरण करने का काम किया। एक समुदाय के प्रति एक नफ़रत का भाव जागरूक हो गया। मराठा हमेशा से एक समुदाय से लड़ते रहे और ये भाव उनके अंदर आज भी है। ओबैसी जैसे नेताओं ने आग में घी डालने का काम किया। हिन्दू अपने जात पात से उठकर केवल हिन्दू होने के नाम पर वोट दिया और अब ऐसा ही होगा। एक समुदाय अपने आप को संगठित करके अपना वोट केवल विपक्षी दलों को देंगे तो यकीन मानिए आने वाले समय में हिंदुओं के वोट का ध्रुवीकरण होगा और तब कांग्रेस जैसे दलों का सूपड़ा साफ होने में देर नहीं लगेगी. एक समुदाय का एक एकजुट होना हिंदुओं के अंदर भी जागृति पैदा करेगा। हिन्दू अपने जातीय भेदभाव भुलाकर हिन्दू के नाम पर वोट देगा। अगर अस्सी प्रतिशत हिन्दू एकजुट हो जाएं तो एक भी अन्य समुदाय के जनप्रतिनिधियों का चुना जाना असम्भव हो जाएगा। आने वाले समय में ये आसार नजर आता है। उत्तरप्रदेश के उपचुनाव का जो परिणाम आया है वह इसी ओर इशारा कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ का हिन्दू वाला कार्ड बखूबी चल गया है। अब देश में जो दल एक समुदाय की बात करता नजर आएगा, उसका सूपड़ा साफ होना निश्चित है। अब केवल दक्षिण के राज्यों में हिंदुओं में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। वहाँ संघ भी अभी तक अपने पैर नही जमा पाया है। अगर संघ किसी तरह वहाँ घुसपैठ कर लेता है तो धीरे धीरे वहाँ भी एनडीए अपना पाँव पसार सकता है। महाराष्ट्र में हिन्दू कार्ड बखूबी चल गया है और ये अभी चलेगा। जबतक एक आदमी के हाथ में कांग्रेस की कमान है, तब तक बीजेपी को चिंता करने की कोई आवश्यकता नही है। झारखंड में चुनाव परिणाम आशा के अनुरूप रहा क्योंकि बीजेपी वहाँ कोई भी करिश्माई आदिवासी नेता सामने नहीं ला सकी है। विगत में गैर आदिवासी रघुवर दास को मुख्यमंत्री बनाना बीजेपी की बहुत बड़ी भूल थी .इससे वहां के आदिवासियों में बीजेपी के प्रति संदेह उत्पन्न हो गया। अब वहाँ का आदिवासी समुदाय बीजेपी को वोट नही दे पा रहा है। केवल शहरी इलाकों में बीजेपी का प्रभाव है। बाबूलाल मरांडी जैसे आदिवासी नेता भी बीजेपी का कुछ भला नही कर पाएंगे। इसके लिए बीजेपी को कोई तेजतर्रार युवा आदिवासी नेता की आवश्यकता है। जबतक सरकार के प्रति गहरा असंतोष नहीं होगा, तबतक सत्ता परिवर्तन आसान नहीं होगा। इसबार बीजेपी कुछ कर सकती थी लेकिन बीजेपी ने किसी चेहरे पर यहाँ चुनाव नहीं लड़ा जिसका खामियाजा उसे उठाना पड़ा। जबतक किसी चेहरे पर आप चुनाव में नहीं उतरेंगे तो बंगाल और झारखंड में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है। आज दिल्ली में वही स्थिति है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के पास कोई चेहरा उपलब्ध नहीं है जो केजरीवाल का मुकाबला कर सके। ये अतिश्योक्ति नहीं होगी कि इस बार के विधानसभा चुनाव में फिर से केजरीवाल की आम आदमी पार्टी फिर से सत्ता में ना आ जाये।आज विपक्ष के पास मोदी के सामने टिकने वाला कोई चेहरा नहीं है जो बीजेपी को लोकसभा के चुनाव में टक्कर दे सके। दरअसल लोकसभा और विधानसभा का चुनाव अलग अलग होता है। लोकसभा के लिये राष्ट्रीय स्तर का नेता चाहिये होता है और विधानसभा के लिए राज्य स्तर के नेता की जरूरत होती है।और दोनों स्तरों पर मुद्दे भी अलग अलग होते हैं लेकिन अगर धार्मिक आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण हो जाता है तो एक समुदाय परस्त पार्टियों का सत्ता में आना मुश्किल हो जाएगा। विधानसभा चुनाव में बेशक बंगाल और दक्षिण के राज्यों में विपक्षी दल सत्ता में आ जायें लेकिन राष्ट्रीय स्तर बीजेपी को हराना बेहद मुश्किल जान पड़ता है।

उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री बनने के लिए बीजेपी का साथ छोड़कर कांग्रेस और एनसीपी का दामन थामा था। जनता इस अवसर के तलाश में थी कि कब उनको मौका मिले ताकि इनको सबक सिखाया जा सके। बाला साहेब ठाकरे ने जिस हिंदुत्व के आधार पर शिवसेना की स्थापना की थी, उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लालच में उसकी तिलांजलि दे दी। महाराष्ट्र की जनता ये पूरा प्रकरण देख रही थी। लोकसभा के चुनाव में बीजेपी को जो सीट कम आई थी उसका कारण 400 पार का नारा था जिसने जनता को आश्वस्त कर दिया था कि बीजेपी को 400सीट आ ही जाएगी।

दृष्टि कोण

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की प्रभावशीलता

हाल ही में इंडियन कौंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनामिक रिलेशंस (आईसीआरआईईआर) के द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि देश पीडीएस के तहत भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए गए अनाज का 28 फीसदी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है। यानी सालाना करीब दो करोड़ टन अनाज का लीकेज होता है। अर्थव्यवस्था को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस वजह से सालाना करीब 69 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का आर्थिक नुकसान होता है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार का खाद्य सब्सिडी बिल 2.05 लाख करोड़ रुपए का है। इस शोध अध्ययन में पीडीएस व्यवस्था में लीकेज कम करने एवं इसकी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए प्रो. अशोक गुलाटी, राया दास और रंजना रॉय ने विशेष योगदान दिया है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ष 2016 से राशन की दुकानों में पाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरुआत से लीकेज में कमी आई है। वर्ष 2011-12 की खपत संख्या के आधार पर शांता कुमार समिति ने कहा था कि पीडीएस व्यवस्था में करीब 46 फीसदी लीकेज है। यद्यपि इस समय इस लीकेज में कमी आई है, लेकिन यह अभी भी काफी अधिक है। ऐसे में जरूरी है कि पीडीएस के लिए बेहतर निगरानी और संरचनात्मक सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। गौरतलब है कि देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का इतिहास दशकों पुराना है, लेकिन देश में गरीबों पर केंद्रित लक्षित पीडीएस की शुरुआत जून 1997 में हुई है। इस समय दुनिया में भारत सबसे बड़ी सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के लिए जाना जाता है। देश भर में मौजूदा पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से निशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाता है। खास तौर से सितंबर 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के पारित होने के साथ ही पीडीएस व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यह अधिनियम देश की 67 फीसदी आबादी को अपने दायरे में लेता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि सरकार के द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान वंचित वर्गों के पात्र लोगों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त अनाज दिया जाने लगा है और तब से लगातार अब तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत देश के 81.35 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न मुहैया करा रही है। सरकार ने वर्ष 2028 तक इस योजना का लाभ सुनिश्चित किया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश में कमजोर वर्ग के लोगों को व्यवस्थित रूप से निशुल्क खाद्यान्न वितरित किए जाने में पीडीएस की अहम भूमिका है। इससे गरीबी में कमी आ रही है। कई प्रमुख वैश्विक संगठनों के द्वारा उनकी रिपोर्टों में भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने में 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने और उससे गरीब वर्ग की उत्पादकता बढने के निष्कर्ष भी दिए गए हैं। अमेरिका के प्रसिद्ध थिंक टैंक दि ब्रुकिंग्स इंस्ट्रीट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011-12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022-23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों की उत्पादकता वृद्धि, तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है। यद्यपि पीडीएस व्यवस्था के तहत निशुल्क खाद्यान्न वितरण से देश में गरीबी व असमानता में कमी आ रही है, लेकिन अभी भी कमजोर वर्ग तक निशुल्क गेहूं और चावल के अलावा पोषणयुक्त श्रीअन्न यानी मिलेट्स की उपयुक्त आपूर्ति न होने से करोड़ों लोग पोषण सुरक्षा के मद्देनजर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। वैश्विक भूख की पीड़ाओं से संबंधित कुछ रिपोर्टों में भारत की पोषण सुरक्षा और भूख की पीड़ाओं को भ्रामक तरीके से भी प्रस्तुत किया जा रहा है। कई रिपोर्टों में सामने आया है कि भारत में बड़ी संख्या में लोगों की पोषण संबंधी जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं।

कुछ अलग

ग्लेशियर संकट

हम केदारनाथ संकट के उन भयावह परिणामों को नहीं भूल सकते, जब हिमनद पिघलने से बनी झील के टूटने से तबाही का मंजर पैदा हुआ था। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के संकट के चलते ग्लेशियर पिघलने से हिमालयी क्षेत्रों में कई कृत्रिम झीलें बन रही हैं। इस बाबत केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। जिसका संज्ञान लेते राष्ट्रीय हरित पंचाट ने केंद्र सरकार को सचेत करते हुए इस बाबत आवश्यक कदम उठाने को कहा है। जिससे भविष्य में किसी आपदा की आशंका को टाला जा सके। यदि समय रहते सरकार आवश्यक कदम उठाती है तो हिमनदों को संरक्षण की कोशिशें तेज की जा सकती हैं। साथ ही जरूरी है कि झीलों के टूटने की स्थिति में नदियों में अधिक जल प्रवाह के प्रबंधन की रणनीति पर भी विचार किया जाए। यह एक टकसाली सत्य है जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मानसून के दौरान बारिश के पैटर्न में आए बदलाव ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन को अंजाम दिया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेज बारिश कम समय में ही बरस जाती है। साथ ही बादल फटने की घटनाओं में खासी तेजी आई है। कमोबेश यही स्थिति ग्लेशियरों के पिघलने में आई तेजी में नजर आती है। दरअसल, जलवायु संकट के घातक प्रभाव सारी दुनिया में नजर आ रहे हैं। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं सूखे की स्थिति है। हिमनदों के पिघलने से न केवल समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, बल्कि उसके तापमान में भी बदलाव देखा जा रहा है। वहीं चक्रवाती तूफान अमेरिका से लेकर एशियाई देशों में कहर बरपा रहे हैं। कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मानवता के अस्तित्व पर संकट की आहट महसूस हो रही है। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों के पिघलने से कृत्रिम झीलों का आकार बढ़ना एक खतरे की घंटी जैसा है। जिससे न केवल गंगा बल्कि ब्रहमपुत्र जैसी बड़ी नदियों के जल प्रवाह में अप्रत्याशित बदलाव की आशंका बलवती हो रही है। जिससे न केवल जल के स्तर में अप्रत्याशित बदलाव होंगे, बल्कि जैव विविधता के लिये भी खतरा पैदा हो जाएगा। यदि झीलों के फटने से नदियों में बाढ़ की स्थिति बनती है तो निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता। बताया जाता है कि देश में करीब 67 ऐसी झीलों को चिन्हित किया गया है, जिनके क्षेत्रफल में चालीस फीसदी तक की वृद्धि हुई है। जिससे उत्तराखंड, लद्दाख व हिमाचल के कुछ इलाके प्रभावित हो सकते हैं। जो जरूरत बताता है कि समय रहते पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी कदम भी उठाये जाएं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित पंचाट की सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करेगी। जिससे हिमनदों के संरक्षण व नदियों के जल प्रवाह के नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही हमें देश में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा प्रकृति के अनुरूप विकास योजनाएं बनाने की जरूरत है।

देश दुनिया से

आब-ए-तल्ख की अवैध तिजारत चिंताजनक

यदि बात नशे की हो और लज्जत-ए-गम बढ़ाने वाली आब-ए-तल्ख का जिक्र न किया जाए, तो मधुशालाओं की तौहीन हो जाएगी। मदिरा के प्रति मोहब्बत के जज्बात रखने वाला सुराप्रेमी समाज मायूस होकर बेजार हो जाएगा। मदिरालयों का जिक्र किए बिना मुल्क की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा मजमून अधूरा रह जाएगा। हिंदोस्तान की तारीख में वो भी सुनहरा दौर था जब देश के अर्थतंत्र को किसान व गोवंश अपने पसीने से शादाब करते थे। समाज का आईना कहा जाने वाला सिनेमा देश के किसानों पर फिल्में बनाता था, मगर वक्त ने करवट ली। हालात ये हैं कि करोड़ों आबादी को खाद्यान्न मय्यसर कराने वाला अन्नदाता अपने हकूक की लड़ाई के लिए सडक़ों पर आ चुका है। कृषि अर्थशास्त्र की बुनियाद गोवंश भी फरियादी बनकर सडक़ों पर आशियाना तराश रहा है। कृषि अर्थतंत्र का पुरोधा अन्नदाता मजदूर बनने को मजबूर है, लेकिन मदिरा की रिकार्ड तोड़ तिजारत मुल्क की मइशत को गुलजार कर रही है। कई क्षेत्रों में मदिरालय खोलने के विरोध में लोग मुजाहिरे करते हैं, परन्तु मद्यपान का बाजार लगातार बढ़ रहा है। शादी समारोहों में मेहमानों का इस्तकबाल आब-ए-तल्ख से ही होता है। किसी की उल्फत में बेजार दिल के गम-ए-हयात दवा भी मदिरा ही बनती है। नशाखोरी के खिलाफ बेदारी के लिए देश में कई विशेष इजलास में सियासी रहनुमां शिरकत करते हैं। लेकिन जब जहरनुमां अवैध शराब मौत का तांडव मचाकर लोगों को मातम मनाने पर मजबूर करती है, तो सियासी निजाम कई तरह के सियासी शिगूफे छोडक़र मजलूमों की मय्यत पर मुआवजे का मरहम लगाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। 15 नवंबर 2024 को पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार पर कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि पुलिस व आबकारी विभाग, राज्य कर विभाग तथा परिवहन विभाग राज्य में 'शराबबंदी' को पसंद करते हैं, क्योंकि उनके लिए शराबबंदी का मतलब मोटी कमाई है। शराबबंदी के कठोर प्रावधान सुरक्षा एजेंसियों के लिए उपयोगी साबित हो रहे हैं। कोर्ट की दलील थी कि बड़े सिंडिकेट संचालकों या प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ शायद ही कभी केस दर्ज किए जाते हों, बल्कि शराबबंदी कानून से गरीब वर्ग असंगत रूप से प्रभावित हो रहा है। नकली शराब से गरीब लोग पीड़ित हैं। जाहिर है शराबबंदी ने न्यायिक प्रशासन को असहाय बना दिया है। 'फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' (फिक्की) के मुताबिक अवैध शराब की तस्करी से सरकारों को लाखों करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। शराब माफिया अवैध मदिरा को कई गुना अधिक दाम पर बेचते हैं। यही अवैध शराब गुरबत से जूझ रहे लोगों की मौत का कारण बन रही है। नकली शराब के सेवन से जान गंवाने वाले लोगों के गरीब परिवार कोर्ट कचहरी में कानूनी लड़ाई लडऩे में असमर्थ होते हैं। शराब प्रतिबंध के निर्णयों से अदालतों पर काम का बोझ बढ़ चुका है। अतः कोर्ट की दलील को समझना होगा। एक एनजीओ 'कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन एंड ड्राइविंग' द्वारा दायर की गई याचिका के रद्देअमल पर देश की सर्वोच्च अदालत ने मरकजी हुकूमत से शराब के विक्रय स्थलों, होटलों, क्लबों व बार आदि पर उपभोक्ता की उम्र की जांच के लिए एक प्रभावी प्रोटोकॉल को अमल में लाने की हिदायत दी थी। याचिका में 'डोरस्टेप डिलीवरी' पर भी तनकीद की गई थी। देश के हर राज्य में शराब खरीदने व पीने की न्यूनतम उम्र निर्धारित है। चूंकि मद्यपान के शौकीन हर मजहब व आयु वर्ग के लोग मधुशालाओं की चौखट पर सजदा करते हैं, नतीजतन मयखानों की रस्म-ओ-राह में किसी की उम्र की शिनाख्त नहीं होती। बिहार, गुजरात व नागालैंड जैसे राज्यों में पूर्ण शराबबंदी है। आंध्र प्रदेश, हरियाणा, केरल व तमिलनाडु जैसे राज्य शराबबंदी के फैसले वापस ले चुके हैं। बड़े होटलों, पबों व बारों में ग्राहकों को शराब परोसने की अनुमति है। मायानगरी के अदाकारों से लेकर कई बड़ी हस्तियां नशे के लिए बदनाम हो चुकी रेव पार्टियों की तालिब-ए-दीदार बन चुकी हैं। मौसिकी में नशाखोरी की सरगम व बेसुरे तरानों में मद्यपान से लबरेज लफ्फाजी सुनाई देती है। फिल्मों में नशीली बज्म-ए-शब की झलक आम बात हो चुकी है। मायानगरी के सितारे व क्रिकेटर शराब कंपनियों से करोड़ों रुपए की फीस लेकर मदिरा के विज्ञापन पेश करते हैं। इसलिए मुल्क के लडख़ड़ाते अर्थतंत्र का बोझ उठाने वाली मदिरा की अरबों रुपए की तिजारत को गलत नहीं ठहराया जा सकता, बल्कि आब-ए-तल्ख को नशे के बजाय मुनाफे का जरिया कहा जाएगा। यदि मुल्क के युवा वेग का एक बड़ा वर्ग नशे का गुलाम बनकर अक्ल से नाबीना होकर नाफरमानी पर आमादा हो चुका है, तो नशाखोरी के इस खौफनाक मंजर के लिए जुल्मत-ए-शब में चलने वाले हुक्का बार व रेव पार्टियों की सरफरोश कशिश का अहम किरदार है। बेशक शराब की ब्रिकी से सरकारों को एक बड़ा राजस्व प्राप्त होता है, मगर अवैध शराब के कारोबार से बेगुनाह लोगों को मौत की नींद सुलाकर शराब माफिया अरबों रुपए की नशीली सल्तनत खड़ी कर चुके हैं। प्रश्न यह है कि क्या शराब की बढ़ती कीमतों से अवैध मदिरा का काला कारोबार बढ़ रहा है? क्या शराबबंदी जैसे फैसलों से शराब माफिया की पैदाइश हो रही है? जिन राज्यों में मद्यनिषेध कानून लागू है, उन राज्यों में लोगों की मौत का कारण बनने वाली नकली मदिरा का कारोबार चरम पर है। अतः मद्यनिषेध नीति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश के सभी राज्यों में शराब की कीमतें तथा मद्यपान करने वालों की उम्र का पैमाना अलग-अलग है। मुल्क में एक देश एक चुनाव तथा एक राष्ट्र, एक निशान, एक विधान जैसे मुद्दे अक्सर चर्चा का मरकज बनते हैं। अलबत्ता शराब की अवैध तिजारत व कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए तथा शराब के कातिलाना उपयोग पर काबू पाने के लिए पूरे मुल्क में एक समान प्रभावी शराब नियंत्रण नीति लागू होनी चाहिए। जहरीली शराब के कहर से मौत की आगोश में समा रहे लोगों के परिवारों के चश्म-ए-अश्क का दर्द समझना होगा।

हिंदोस्तान की तारीख में वो भी सुनहरा दौर था जब देश के अर्थतंत्र को किसान व गोवंश अपने पसीने से शादाब करते थे। समाज का आईना कहा जाने वाला सिनेमा देश के किसानों पर फिल्में बनाता था, मगर वक्त ने करवट ली। हालात ये हैं कि करोड़ों आबादी को खाद्यान्न मय्यसर कराने वाला अन्नदाता अपने हकूक की लड़ाई के लिए सडक़ों पर आ चुका है। कृषि अर्थशास्त्र की बुनियाद गोवंश भी फरियादी बनकर सडक़ों पर आशियाना तराश रहा है।

आप का नजरिया

नासूर बनता प्रदूषण

प्रदूषण को लेकर उद्योगों को जागरूक करने तथा लोगों में प्रदूषण और इसके खतरनाक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष दो दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का मूल उद्देश्य देश में प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमों की आवश्यकता की ओर बहुत ज्यादा ध्यान देने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। वास्तव में यह दिन 1984 की उस भयानक गैस त्रासदी की घटना के कारण पीड़ित हुए लोगों के निर्दोष जीवन को याद करने के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें हजारों लोग भोपाल की यूसीआईएल फैक्टरी से मिथाइल गैस के हुए रिसाव के कारण मौत की नींद सो गए थे। इस दिन विशेष रूप से वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जाता है तथा देश में बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपायों के बारे में भी लोगों को बताया जाता है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस को मनाए जाने का उद्देश्य लोगों को प्रदूषण को रोकने में मददगार विभिन्न कानूनों के बारे में अधिकाधिक जागरूक करना है। हालांकि औद्योगिक प्रदूषण की जांच के लिए सरकार द्वारा राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एनपीसीबी) बनाया हुआ है, जो यह जांच करता है कि उद्योगों ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन किया है या नहीं, लेकिन इसके बावजूद देश में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर आज भी स्थिति कितनी विकराल है, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। कल-कारखानों एवं फैक्टरियों से निर्बाध रूप से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन वायु प्रदूषण के स्तर को दिनों-दिन बढ़ा रहे हैं, जिसके चलते जलवायु परिवर्तन की विभिन्न चुनौतियां दुनिया के सामने खड़ी हो रही हैं। हालांकि जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण के लिए दुनियाभर के देश वैश्विक उपाय कर रहे हैं, लेकिन ये उपाय अभी तक नाकाफी ही साबित हो रहे हैं। घातक विकिरणों से धरती की सुरक्षा करती ओजोन परत में छेद के लिए वायु प्रदूषण को ही जिम्मेदार माना जाता है। वातवरण में उत्सर्जित की जा रही जहरीली गैसों के कारण ही ओजोन परत में छिद्र हुआ है, जिसे भरने के लिए कई दशकों से प्रयास हो रहे हैं, लेकिन इस कार्य में अभी तक सफलता हासिल नहीं हुई है। भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल के अनुसार वायु प्रदूषण विश्वभर में प्रतिवर्ष करीब सत्तर लाख लोगों की मौत का कारण बन रहा है। आंकड़ों के अनुसार स्थिति इतनी खराब है कि वायु में मौजूद प्रदूषक हवा के जरिये सीधे शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों, मस्तिष्क तथा हृदय को नुकसान पहुंचाते हैं और दस में से नौ लोगों को सांस लेने के लिए शुद्ध हवा भी नहीं मिलती। भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार भयावह हो रही है। नेशनल हैल्थ प्रोफाइल की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में होने वाली संक्रामक बीमारियों में सांस संबंधी बीमारियों का प्रतिशत लगातार तेजी से बढ़ रहा है और देशभर में बड़ी संख्या में मौतें अब वायु प्रदूषण के कारण ही होती हैं। प्रदूषण अब इस कदर नासूर बनता जा रहा है कि पिछले कुछ समय से इस मामले में बार-बार देश की सर्वोच्च अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है।

आस्ट्रेलिया में 2.34 टन कोकीन पकड़ी गई, 13 गिरफ्तार

कैनबरा, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के 13 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2.34 टन कोकीन बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपितों में 11 पुरुष और दो किशोर हैं। इन पर समुद्र के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में कोकीन आयात करने की साजिश का आरोप है। यह सभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस कमांडर स्टीफन जे ने इसकी पुष्टि की है।

यह अब तक की सबसे बड़ी कोकीन बरामदगी है। पुलिस ने 2.3 टन कोकीन जब्त कर 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। कोकीन की अनुमानित कीमत एक अरब डॉलर है। सिडनी से छपने वाले द डेली टेलीग्राफ के अनुसार, संघीय पुलिस ने शनिवार शाम समुद्र और सड़क पर कई लोगों को गिरफ्तार किया। लगभग 7:40 घेरी गई मछली पकड़ने वाली नाव से 35 और 57 साल के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद बुंडाबर्ग बंदरगाह से 43 और 44 साल के दो लोगों को दबोचा गया। रात करीब नौ बजे बुंडाबर्ग पूर्व में लिंक रोड के पास 20, 28 और 34 साल के तीन और पुरुषों और दो किशोरों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद ब्रिस्बेन के विक्टोरिया पॉइंट के एक घर की तलाशी ली गई। इसके बाद 51 वर्षीय पुरुष को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले बुंडाबर्ग ईस्ट में एक फास्ट फूड रेस्तरां के पास 20, 22 और 28 साल के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार कोकीन के पैकेटों को मछली पकड़ने वाली नाव के जाल में गठरी के अंदर छुपा कर रखा गया था। अखबार का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया कोकीन तस्करों के लिए आकर्षक बाजार है। ऑस्ट्रेलियाई लोग इसके लिए दुनिया में सबसे अधिक कीमत चुकाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समधी मासाद बौलोस को मध्य पूर्व मामलों का सलाहकार नामित किया

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बेटी टिफनी के ससुर

मासाद बौलोस को मध्य पूर्व मामलों का वरिष्ठ सलाहकार नामित किया है। ट्रंप ने रविवार को लेबनानी-अमेरिकी व्यवसायी मासाद बौलोस को अरब और पश्चिम एशिया मामलों का वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किए जाने की घोषणा की। टिफनी की शादी मासाद के बेटे माइकल बोलोस से हुई है। खबर में यह जानकारी दी गई। इससे पहले ट्रंप अपनी बेटी इवांका के ससुर चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में राजदूत के रूप में काम करने के लिए नामित कर चुके हैं। ट्रंप ने मासाद बौलोस को नामित करने की घोषणा में पारिवारिक संबंध का उल्लेख नहीं किया है। उन्होंने बौलोस के व्यावसायिक अनुभव और उनके राष्ट्रपति अभियान में योगदान की प्रशंसा की।नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर कहा, मसाद एक कुशल वकील और व्यापार जगत में एक उच्च सम्मानित नेता हैं, जिनके पास अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर व्यापक अनुभव है। वह लंबे समय से रिपब्लिकन और कंजर्वेटिव मूल्यों के समर्थक रहे हैं ।

ट्रंप ने सौंपी समधियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, राजनीतिक हलकों में चर्चा हुई आम

वाशिंगटन। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने शपथ ग्रहण से पहले ही नियुक्तियों को

लेकर चर्चा में आ गए हैं। अहम प्रशासनिक पदों पर उन्होंने अपने करीबी सहयोगियों और परिवार के सदस्यों को नियुक्त किया है। इसी कड़ी में ट्रंप ने अपने दो समधियों को महत्वपूर्ण सरकारी पदों पर नियुक्त कर दिया, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरु हो गया है। ट्रंप के इस कदम से न सिर्फ उनके करीबी रिश्तेदार बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के बड़े नेता भी हैरान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, नव निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने अरबपति मसाद बाउलोस को अरब और मध्य पूर्व मामलों के लिए अपना सलाहकार नियुक्त किया है। बाउलोस, ट्रंप की बेटी टिफनी के ससुर हैं, और उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मुस्लिम मतदाताओं के बीच ट्रंप का जमकर प्रचार किया था। यह अहम और पहली दफा देखने को मिला जबकि किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने इतने अहम पद पर अपने परिवार के सदस्य को नियुक्त कर दिया। इसी बीच, ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबारी चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त किया है। कुशनर, ट्रंप की बेटी इवांका के ससुर हैं, और उनके बेटे जारेद कुशनर को भी ट्रंप ने पहले अपने सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया हुआ था। बताते चलें कि जारेद कुशनर पर साल 2005 में एक अपराध करने का आरोप लगा था, जिसके बाद ट्रंप ने उन्हें माफी दे दी थी। यहां ट्रंप ने बाउलोस का परिचय एक ऐसे व्यक्तित्व के तौर पर कराया है जो अंतरराष्ट्रीय मसलों में माहिर हैं और मध्यपूर्व में शांति की कोशिशों में सक्रिय रूप से भागीदार रहे हैं। उनका मानना है कि बाउलोस अमेरिका और उसके हितों के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेंगे। ट्रंप के इस फैसले के बाद लोगों ने कहना शुरु कर दिया हे कि इससे स्पष्ट होता है कि वह अपने परिवार के भरोसेमंद सदस्यों पर राजनीतिक फैसले लेने के लिए नियुक्तियों देते रहेंगे। हालांकि, इस फैसले का आलोचकों द्वारा भाई-भतीजावाद और हितों के टकराव के आरोप भी लगाने शुरु कर दिए हैं। यहां बताते चलें कि ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में भी अपनी बेटी इवांका और उनके पति जारेद कुशनर को अपने दफ्तर में सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया था, जिस पर विवाद उठे थे।

न्यूयॉर्क सिटी में पाकिस्तानी होटल आया विवादों में, कमाई को लेकर अमेरिका में छिड़ी बहस

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी में पाकिस्तान सरकार द्वारा संचालित एक आलीशान होटल का विवाद अब बढ़ता नजर आ रहा है। दरअसल इस होटल से पाकिस्तान सरकार को 22 करोड़ डॉलर की कमाई होने की खबर को लेकर अमेरिका में बहस छिड़ गई है। वहीं इस मामले को लेकर रिपब्लिकन नेता और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जा रहे विवेक रामास्वामी ने कड़ी आपत्ति जताई है। दरअसल रामास्वामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, यह तो बड़ी अजीब बात है! उनका आरोप है कि न्यूयॉर्क सिटी के करदाताओं के पैसे से इस होटल का संचालन हो रहा है, जिसमें अवैध प्रवासियों को ठहराया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति वाकई अमेरिका के नागरिकों के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि उनके कर का पैसा एक विदेशी सरकार के लिए मुहैया कराया जा रहा है। यहां बताते चलें कि आलीशान होटल 19 मंजिला है जो कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट के नाम पर है।

सीरिया में गृह युद्ध : विद्रोही गठबंधन का अलेप्पो पर कब्जा

अलेप्पो, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

विद्रोहियों ने सीरिया के प्रमुख शहर अलेप्पो में कब्जा कर लिया है, इसके साथ ही सीरिया गृह युद्ध ने एक नया मोड़ ले लिया है। इसके साथ ही 2016 के बाद पहली बार अलेप्पो सरकार के नियंत्रण से बाहर हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीरिया में गृह युद्ध के बीच विद्रोही गठबंधन ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर हमला कर अचानक से कब्जा कर लिया है। बताया जा रहा है कि साल 2016 के बाद यह पहली बार हुआ है जबकि अलेप्पो का कोई हिस्सा सरकार के नियंत्रण से छूट गया हो। इससे लंबे समय से जारी संघर्ष में नया गतिरोध पैदा कर दिया है। यहां बताते चलें कि साल 2011 में अरब स्प्रिंग के दौरान सीरिया में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों की शुरुआत हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने सत्तावादी राष्ट्रपति बशर अल-असद को हटाने की मांग की। इन प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाने के बाद सशस्त्र संघर्ष ने जन्म लिया। धीरे-धीरे छोटे-छोटे विद्रोही समूहों का गठित हुए थे। इनमें से कुछ को पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का समर्थन मिला। विद्रोहियों को तुर्की, सऊदी अरब, और अमेरिका का समर्थन मिला, जबकि असद सरकार को रूस और ईरान ने सैन्य सहायता प्रदान की।

नए विद्रोही गठबंधन का नेतृत्व हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) कर रहा है, जिसे पहले अल-नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता रहा। यह समूह पहले अल-कायदा से जुड़ा हुआ था, अब इसने विद्रोहियों के विभिन्न धड़ों को एकजुट किया है। अलेप्पो पर कब्जा इस गठबंधन के ताकतबर होने और सरकार के खिलाफ बढ़ते विरोध के तौर पर देखा जा रहा है। अलेप्पो, जो कभी सीरिया की आर्थिक राजधानी हुआ करती थी, 2016 में असद सरकार के नियंत्रण में आ गया था। इस शहर में विद्रोही गुटों की मौजूदगी रही। अब विद्रोही ताकतों का इसे फिर से अपने कब्जे में लेना सरकार के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इस परिवर्तन ने सीरिया के भविष्य को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस गृह युद्ध के दौरान सीरिया में अब तक लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों की संख्या करीब तीन लाख से ज्यादा बताई जा रही है, वहीं करीब 60 लाख लोग शरणार्थी बनकर देश छोड़ चुके हैं। गौरतलब है कि सीरिया में 2014 के बाद विद्रोहियों में चरमपंथी गुटों का वर्चस्व हो गया था, जिससे आईएसआईएस जैसे संगठन भी उभरकर सामने आए थे। वैसे अंतरराष्ट्रीय दबाव और प्रयासों के साथ ही कुर्द लड़ाकों की मदद से इनका प्रभाव कम कर दिया गया है, लेकिन हाल ही में अलेप्पो पर कब्जा होना सीरिया में नए संघर्षों को जन्म देने जैसा है। मौजूदा घटनाक्रम न केवल असद सरकार की शक्ति को चुनौती देने जैसा है, बल्कि क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय हितों के बीच नई जटिलताएं भी उत्पन्न कर सकता है।

हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर किया बैलिस्टिक मिसाइल हमला, बढ़ा तनाव

तेल अवीव, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है, जिससे स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ गया है। इसके साथ ही 07 मोर्चों पर जंग लड़ रहे इज़रायल के लिए हूती विद्रोहियों ने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। जानकारी अनुसार रविवार को यमन के हूती समूह ने इज़रायल के सेंट्रल इलाके पर हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल से हमले किए हैं। हूती प्रवक्ता याह्या सारी का कहना है कि उनकी मिसाइल सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य तक पहुंची, हालांकि लक्ष्य कहां और क्या था इस बारे में उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है।

वहीं दूसरी तरफ इज़रायल की सेना का दावा है कि उनकी एयर डिफेंस प्रणाली ने यमन से दागी गई मिसाइलों को इज़रायली हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ही नष्ट कर दिया। मिसाइल के टुकड़े यरूशलम के पास जुर हदस्साह और वेस्ट बैंक के हेब्रोन के हलहुल क्षेत्रों में गिरे हैं, जिससे कुछ संपत्ति को जरुर नुकसान हुआ है, लेकिन किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

हूती प्रवक्ता के मुताबिक इज़रायल पर अभी और अधिक हमले किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक गाजा पर इज़रायल की सैन्य कार्रवाई नहीं रोक दी जाती और घेराबंदी खत्म नहीं होती तब तक उनकी तरफ से हमले जारी रहेंगे। हूती समूह का यह भी कहना है कि वे गाजा के फिलिस्तीनियों के समर्थन में यह कदम उठा रहे हैं। पिछले महीने से हूती लगातार रॉकेट और ड्रोन से हमले कर रहा है। हूती विद्राहियों ने लाल सागर में इज़रायली जहाजों को भी निशाना बनाया है।

एक जानकारी अनुसार हूती के मिसाइल हमले के बाद सेंट्रल इज़रायल के कई शहरों में सायरन बजने लगे, जिससे लोगों में दहशत का माहौल देखने को मिला है। वहीं बताया गया कि जुर हदस्साह के एक किंडरगार्टन के खेल के मैदान में मलबा गिरने से इमारत को मामूली नुकसान हुआ। स्थानीय प्रशासन ने घटना स्थल का जायजा लिया और स्थिति पर काबू पाया। इज़रायली सेना का कहना है कि उनकी सुरक्षा प्रणाली ने समय पर काम किया और बड़ी क्षति होने से बचा लिया है।

राष्ट्रपति बाइडेन ने अपने बेटे हंटर को बिना शर्त माफी दी

वाशिंगटन, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

व्हाइट हाउस से विदाई लेने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने पुत्र हंटर बाइडेन को बिना शर्त माफी दे दी। राष्ट्रपति बाइडेन ने रविवार रात हंटर को बिना शर्त माफ करने की घोषणा की। हंटर इस समय अवैध रूप से बंदूक खरीदने और कर के लिए संघीय दोषसिद्धि सहित अनेक कानूनी उलझनों का सामना कर रहे थे। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर अनुसार, इस संबंध में व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी किया। बयान के अनुसार, बाइडेन ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को क्षमादान करने का फैसला किया है। बाइडेन ने कहा कि वह हंटर को 01 जनवरी 2014 से 01 दिसंबर 2024 तक के अपराधों के लिए क्षमादान दे रहे हैं ।बाइडेन ने बयान में कहा कि हंटर के खिलाफ आरोप राजनीति से प्रेरित थे। इसलिए उन्होंने यह निर्णय लिया। यह आरोप उन्हें राजनीतिक रूप से चोट पहुंचाने के लिए लगाए गए थे। बाइडेन ने कहा, आरोप तब लगे जब कांग्रेस में मेरे कई राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें मुझ पर हमला करने और मेरे चुनाव का विरोध करने के लिए उकसाया। उन्होंने कहा कि हंटर के बहाने उन्हें परेशान करने की कोशिश की गई। हंटर लगातार हो रहे हमलों के बावजूद साढ़े

पांच साल तक शांत रहे। उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि उनका दूसरा कार्यकाल बाइडेन के खिलाफ प्रतिशोध और बदला लेने पर केंद्रित होगा। इसमें हंटर बाइडेन प्रमुख लक्ष्य होंगे। सनद रहे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने शनिवार को काश पटेल को एफबीआई का निदेशक नामित किया है। राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि हंटर को तोड़ने की कोशिश करने में कुछ लोगों ने उन्हें तोड़ना चाहा। यह सब अभी नहीं रुकता, इसलिए उन्हें अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करना पड़ा। अमेरिकी लोग समझेंगे कि एक पिता और राष्ट्रपति ने यह फैसला क्यों लिया ।क्षमादान की घोषणा के बाद हंटरने भी अपना एक बयान जारी किया।

विरोध प्रदर्शन

जॉर्जिया में प्रदर्शनकारी यूरोपीय यूनियन में शामिल होने का विरोध करते हुए ।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली चार दिवसीय दौरे पर चीन रवाना

काठमांडू, 02 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए सोमवार को चीन रवाना हो गए हैं। चीनी प्रधानमंत्री ली क़ियांग के मैत्रीपूर्ण निमंत्रण पर प्रधानमंत्री ओली के नेतृत्व में 46 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चीन की राजधानी बीजिंग के लिए रवाना हुआ है। प्रधानमंत्री ओली सोमवार को सुबह 11 बजे हिमालय एयरलाइंस की विशेष चार्टर फ्लाइट से चीन के लिए रवाना हुए। उनका चाटर्ड विमान नेपाली बीजिंग में लैंड करेगा। शाम को वह बीजिंग में नेपाली डायसपोरा से मुलाकात करेंगे। वह कल यानि 3 दिसंबर को चीन के प्रधानमंत्री ली क़ियांग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होने के साथ ही कई मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग सहित कुछ समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। विदेश सचिव अमृत राई ने बताया कि नेपाल और चीन के बीच रोड कनेक्टिविटी

हाइड्रोपावर, ट्रांसमिशन लाइन, हॉस्पिटल, यूनिवर्सिटी आदि के निर्माण के लिए समझौता होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि नेपाल के प्रस्ताव पर चीन की सहमति होने पर बेल्ट एंड रोड कार्यान्वयन समझौते पर भी हस्ताक्षर हो सकता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री ओली चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वह चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झाओ लेजी से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री ओली 4 दिसंबर को पीकिंग विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। उसी दिन बीजिंग में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चीन परिषद और नेपाल उद्योग और वाणिज्य परिसंघ की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित नेपाल-चीन बिजनेस फोरम को संबोधित करेंगे। साथ ही उसी दिन बीजिंग स्थित संग्रहालय का दौरा करने का कार्यक्रम भी है। उसी शाम को प्रधानमंत्री बीजिंग स्थित नेपाली दूतावास की ओर से आयोजित रात्रिभोज में सम्मिलित होंगे। प्रधानमंत्री ओली 5 दिसंबर को सुबह ही बीजिंग से रवाना होकर दोपहर 2:30 बजे तक स्वदेश लौटेंगे।

पति को कमरे में किया बंद, फिर कर डाली सारी हदें पार, जज के सामने बताई कहानी

टोक्यो। तलाक मांगने पहुंचे शख्स करीम येकिनी ने ओयो राज्य के इबादान में मापो ग्रेड ए कस्टमरी कोर्ट को बताया कि मेरी पत्नी मुझे पीटते वक्त सारी हदों को पार कर देती है। मुझे धमकाने के साथ-साथ ब्लैकमेल भी करती है। उसने पत्नी ओपेमी से बचाने की अपील करते हुए तलाक की गुहार लगाई। शख्स ने कहा कि इस पत्नी ने उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी है। येकिनी ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी ने उन पर जादू कर दिया, जिससे उन्हें ढेरो परेशानियां झेलनी पड़ीं और साथ ही उन्हें जीवनभर बदनाम करने के लिए ब्लैकमेल करना जारी रखने का वादा किया। येकिनी ने कोर्ट को बताया, एक दिन पत्नी ने मुझे एक कमरे में बंद कर दिया, जिससे मैं अपने दैनिक काम पर नहीं जा पाया। उसने मेरी कार की चाबियां भी जब्त कर लीं और अमोटेकुन कॉर्प्स (दक्षिण-पश्चिम में सुरक्षा नेटवर्क) को बिना किसी कारण के मेरे साथ सौदा करने के लिए आमंत्रित किया, उन्होंने अदालत को आगे बताया कि पड़ोसियों और परिवार के सदस्यों ने कभी भी बीच-बचाव करने का प्रयास नहीं किया क्योंकि वो मेरी पत्नी से डरते हैं। इसके बाद जज ने पत्नी ओपेमी को अपनी बात रखने के लिए बुलाया। वो कोर्ट के सामने डटकर खड़ी रही और किसी भी आरोप से इनकार नहीं किया। पत्नी ने कोर्ट को बस इतना कहा कि शांति से ये सब निपटवा दो। यह सच है कि मैं बिना किसी मतलब के अपने पति से लड़ रही हूं।

जुआन मार्टिन डेल पोत्रो ने विदाई मैच में नोवाक जोकोविच को हराने के बाद लिया संन्यास

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

जुआन मार्टिन डेल पोत्रो ने रविवार को अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अपने घरेलू दर्शकों के सामने एक भावनात्मक प्रदर्शन मैच में नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-5 से हराकर पेशेवर टेनिस से विदाई ली।

'द लास्ट चैलेंज' शीर्षक से यह प्रदर्शनी खचाखच भरे पार्क रोका स्टेडियम में आयोजित की गई।

24 बार के मेजर चैंपियन जोकोविच ने कहा, मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता जो जुआन मार्टिन से प्यार न करता हो... जीवन में उनकी सबसे बड़ी जीत यह है कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।

पूर्व विश्व नंबर 3 डेल पोत्रो मैच के दौरान कई बार रो पड़े, जिसमें उनकी दोस्त और पूर्व टेनिस खिलाड़ी गैब्रिएला सबातिनी सहित कई हस्तियाँ मौजूद थीं।

डेल पोत्रो 2009 में तब चर्चा में आए जब उस समय के इस किशोर ने सेमीफाइनल और फाइनल में क्रमश: राफेल नडाल और रोजर फेडरर को हराकर यूएस ओपन में अपना पहला मेजर खिताब जीता था। उन्होंने कुल 22 खिताब जीते, लेकिन कई चोटों के कारण अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने अपने नाम पर और ग्रैंड स्लैम नहीं जोड़े। उन्होंने आखिरी बार दो साल पहले टूर-स्तरीय मैच खेला था।

रविवार को 36 वर्षीय डेल पोत्रो ने अपने करियर के कुछ बेहतरीन पलों की समीक्षा एक विशाल स्क्रीन पर की, जिसमें 2012 में लंदन और 2016 में रियो डी जेनेरियो में जीते गए ओलंपिक पदक शामिल हैं। उन्होंने 2016 में अर्जेंटीना के साथ डेविस कप का खिताब भी जीता।

अर्जेंटीना के एक शहर टंडिल से ताल्लुक रखने वाले डेल पोत्रो को न केवल फेडरर, नडाल, कार्लोस अल्काराज़ और गेल मोनफिल्स जैसे टेनिस खिलाड़ियों से बल्कि अर्जेंटीना के बास्केटबॉल के दिग्गज और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता इमानुएल गिनोबिली और विश्व कप विजेता अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कोलोनी से भी एक मार्मिक वीडियो संदेश मिला।

न्यूज ब्रीफ

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुने गए सिफान हसन और लेत्साइल टेबोगो

नई दिल्ली। ओलंपिक चैंपियन सिफान हसन और लेत्साइल टेबोगो को क्रमश: महिला और पुरुष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया है। इन दोनों को मोनाको में रविवार को आयोजित विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार समारोह 2024 में प्रशंसकों द्वारा वोट के बाद रात शीर्ष सम्मान प्राप्त हुआ। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एथलेटिक्स के लिए शानदार साल के अंत में, हम अपने विश्व एथलीट्स ऑफ द ईयर की सूची का खुलासा करते हुए बहुत खुश हैं – एथलीटों का यह समूह हमारे खेल का सबसे बेहतरीन प्रतिनिधित्व करता है और इस साल इसने एथलेटिक प्रदर्शन के मामले में जो संभव है उसे फिर से परिभाषित किया है। हमारे 2024 के दल ने ऊंचाई, गति और दूरी के मामले में नए मानक स्थापित किए हैं, जिसमें छह विश्व रिकॉर्ड और उनके बीच कई ओलंपिक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड शामिल हैं। मैं अपने सभी पुरस्कार विजेताओं और इन सम्मानों के लिए नामांकित सभी एथलीटों को बधाई देता हूं, और मैं उन्हें इस वर्ष अपने प्रदर्शन से हम सभी को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद देता हूं। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट हसन और टेबोगो दोनों ने पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में कई पदक जीते। पेरिस में डच स्टार हसन के पदकों की संख्या में सबसे ऊपर खेलों का अंतिम एथलेटिक्स स्वर्ण पदक था, जिसमें उन्होंने मैराथन में 2:22:55 समय के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की। ??यह प्रदर्शन हसन द्वारा 10,000 मीटर में कांस्य पदक जीतने के मात्र 37 घंटे बाद और फ्रांस की राजधानी में 5000 मीटर में अपने पहले पदक – जो कांस्य भी था – के छह दिन बाद आया।परिणामस्वरूप, वह एक ही खेलों में 5000 मीटर, 10,000 मीटर और मैराथन में पदक जीतने वाली पहली महिला बनीं, और एमिल ज़ातोपेक के बाद पहली एथलीट बनीं, जिन्होंने 1952 में हेलसिंकी में सभी तीन पुरुष खिताब जीते थे। टेबोगो ने पेरिस में 200 मीटर जीतकर इतिहास भी रचा, उन्होंने बोत्सवाना के लिए किसी भी खेल में पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 19.46 का अफ्रीकी रिकॉर्ड बनाया – एक ऐसा समय जिसने उन्हें विश्व की सर्वकालिक सूची में पाँचवाँ स्थान दिलाया – और यह प्रदर्शन 100 मीटर फ़ाइनल में उनके छठे स्थान पर रहने के बाद हुआ। वह बोत्सवाना की रजत पदक विजेता पुरुषों की 4×400 मीटर टीम का हिस्सा बने। उन्होंने 2024 में कुल नौ बार 200 मीटर के लिए 20 सेकंड से कम समय लिया, जिसमें उनके ओलंपिक खिताब जीतने के रिकॉर्ड ने शीर्ष स्थान हासिल किया जो इस साल का सबसे तेज़ प्रदर्शन रहा। अमेरिकी महिला ट्रैक एथलीट मैकलॉघलिन-लेवरोन ने अपने विश्व 400 मीटर बाधा दौड़ के रिकॉर्ड को दो बार सुधारते हुए 50.65 और 50.37 सेकंड का समय लिया और उस स्पर्धा के साथ-साथ 4×400 मीटर में भी ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता।

आईएसयू स्पीड स्केटिंग विश्व कप : स्टोल्ज़ ने जीता चार स्वर्ण पदक

बीजिंग। अमेरिकी प्रतिभाशाली जॉर्डन स्टोल्ज़ ने रविवार को यहां नेशनल स्पीड स्केटिंग ओवल में संपन्न आईएसयू स्पीड स्केटिंग विश्व कप में चार व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। पहले दो प्रतियोगिता दिनों में पुरुषों की 500 मीटर, 1,000 मीटर और 1,500 मीटर प्रतियोगिताओं के बाद तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले स्टोल्ज़ ने दूसरी 500 मीटर दौड़ में 34.39 सेकंड का समय लेकर आइस रिबन में अपना चौथा स्वर्ण जीता। शुक्रवार को पहली दौड़ में दूसरे स्थान पर रहे नीदरलैंड के जेनिंग डी बू ने 0.08 सेकंड पीछे रहकर एक और रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दक्षिण कोरिया के किम जुन-हो 34.67 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 20 वर्षीय स्टोल्ज़ ने सिन्हुआ से कहा, मैं यह जीत हासिल करके और पहले दो विश्व कप में जीत का सिलसिला जारी रखकर बहुत खुश हूँ। उन्होंने पिछले सप्ताहांत जापान के नागानो में सीज़न-ओपनिंग विश्व कप में चार स्वर्ण पदक भी जीते थे। रविवार की जीत ने पिछले सीज़न से लेकर अब तक लगातार 12 विश्व कप जीत के उनके रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया और अमेरिकी खिलाड़ी अभी भी और जीत की तलाश में है। उन्होंने कहा, मैं थोड़ा और तेज़ होता जाऊँगा, उम्मीद है कि अगले कुछ विश्व कप में मैं और जीतने की कोशिश कर सकूँगा। लेकिन अगर मैं एक या दो हार जाता हूँ, तो कोई बात नहीं। इस सीज़न में अपने लक्ष्य को लेकर स्टोल्ज़ ने कहा, मैं पिछले दो बार जीते गए तीन खिताबों का बचाव करना चाहूँगा।

पीकेएल-11 : पटना पाइरेट्स ने बंगाल वारियर्स को 3 अंक से हराया, प्वाइंट टेबल में दूसरा स्थान हासिल किया

नोएडा, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

देवांक (13) और अयान (8) के शानदार खेल की बदौलत तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेटस ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में रविवार रात खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 88वें मैच में बंगाल वारियर्स को 38-35 से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। पटना को 15 मैचों में नौवीं जीत मिली है। देवांक और अयान के अलावा उसके लिए दीपक ने पांच और अंकित ने तीन अंक जुटाए जबकि बंगाल के लिए स्टार रेडर मनिंदर सिंह ने सुपर-10 लगाया। नितिन ने भी 6 अंक लिए जबकि डिफेंस से सागर ने चार अंक बनाए। बंगाल ने मनिंदर के शानदार रेड्स की बदौलत शुरुआती चार मिनट में 5-4 की लीड बना ली थी लेकिन मयूर कदम को आउट कर देवांक ने स्कोर 5-5 कर दिया और फिर अंकित ने मनिंदर को लपक पटना को 6-5 से आगे कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले और फिर फजल ने अयान का शिकार कर 8वें मिनट में स्कोर 8-8 कर दिया।

देवांक ने हालांकि फजल को आउट कर अपने साथी का हिसाब बराबर किया और फिर रिवाइव होकर आए अयान ने सिद्देश को आउट कर 10वें मिनट की समाप्ति तक पटना को 11-9 से आगे कर दिया। अब बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था लेकिन प्रणय ने दो अंक की रेड के साथ न सिर्फ इस स्थिति को टाला बल्कि स्कोर भी 11-11 कर दिया। फिर सागर ने देवांक को टैकल कर बंगाल को लीड दिला दी। हालांकि पटना ने फिर स्कोर 13-13 से बराबर कर लिया।

सिद्देश ने हालांकि सुधाकर को आउट कर पटना के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। शुभम ने मनिंदर को डू ओर डाई रेड पर मनिंदर को लपक इसका फायदा उठाया और पटना को 15-14 से आगे कर दिया।

बंगाल ने इसके बाद फासला 1 का किया लेकिन देवांक ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ हाफटाइम तक पटना को 19-15 से आगे कर दिया। फिर देवांक ने हाफटाइम के बाद सुपर रेड के साथ 22-17 किया और बंगाल को आलआउट की ओर धकेल दिया। और फिर इसे अंजाम देकर 27-18 की लीड ले ली।

आलइन के बाद पटना ने 2 के मुकाबले 3 अंक लेकर 10 अंक का फासला बनाए रखा। और फिर इसे 11 तक पहुंचाते हुए बंगाल को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया।

सागर ने हालांकि देवांक को सुपर टैकल कर फासला थोड़ा कम किया। फिर फजल ने देवांक का सुपर टैकल कर 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 25-33 कर दिया।

बंगाल की टीम सुपर टैकल के दम पर मैच में बनी हुई थी। मयूर ने अयान के खिलाफ एक और सुपर टैकल के साथ स्कोर 27-34 किया और फिर विश्वास ने अकरम और दीपक को बाहर कर फासला 5 का कर दिया। पटना ने हालांकि 8 अंक की लीड के साथ अपनी स्थिति मजबूत की। यहां से पटना की जीत तय लग रही थी।

मनिंदर और सागर ने हालांकि इसके बाद कुछ अंक लेकर फासला 3 का किया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और बंगाल अपना हार का सिलसिला नहीं तोड़ सकी और सीजन की नौवीं हार को मजबूर हुई।

आईटीटीएफ मिक्स्ड टीम विश्व कप: चीन से हारा भारत, ग्रुप चरण में लगातार दूसरी हार

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारत सोमवार को चीन के चेंग्दू में अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) मिश्रित टीम विश्व कप के अपने दूसरे ग्रुप 1 मैच में चीन से 0-8 से हार गया।

इससे पहले, भारत अपने टूर्नामेंट के पहले मैच में भी यूएसए से 3-8 से हार गया था। कुल आठ गेम जीतने वाली पहली टीम मैच जीत जाती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक ग्रुप मैच शेष रहने के साथ, भारत को नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने के लिए चमत्कार की आवश्यकता है। प्रत्येक समूह से केवल शीर्ष दो टीमें ही अगले चरण में पहुँच पाएंगी।

शरत कमल, मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला जैसे उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के बिना खेलते हुए, भारत के पास चीन के खिलाफ़ कोई जवाब नहीं था और वह एक भी गेम जीतने में विफल रहा।

पहले मिक्स्ड डबल्स मैच में प्रीथा वर्तिकार और जीत चंद्रा को लिन शिडोंग और कुआई मान से 3-0 (11-8, 11-2, 11-2) से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में वांग यिदी ने यशस्विनी घोरपड़े को 3-0 (11-4, 11-3, 11-8) से हराया, जबकि पुरुष एकल में वांग चुकिन ने स्नेहित सुरवज्जुला को 2-0 (11-5, 11-9) से हराकर चीन की लगातार दूसरी जीत पूरी की।

भारतीय टीम में मानुष शाह, मानव ठक्कर, पोयमंती बैस्या और सायाली वानी भी शामिल हैं।

न्यूयॉर्क काउबॉयज ने जीता यूएसपीएल सीजन 3 का खिताब

फ्लोरिडा, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

न्यूयॉर्क काउबॉयज ने मैरीलैंड मेवरिक्स को सात विकेट से हराकर यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 का खिताब जीत लिया है। फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) खेले गए खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मैरीलैंड मेवरिक्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और उन्होंने दूसरे ओवर में ही ताबड़तोड़ बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ का विकेट गंवा दिया। हालांकि रयान स्कॉट (25 गेंदों पर 39 रन) और कप्तान शुभम रंजने (36 गेंदों पर 52 रन) ने पारी को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन उनके प्रयासों के बावजूद, मेवरिक्स की टीम कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना सकी और टीम 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 144 रन ही बना सकी। इस लक्ष्य को न्यूयॉर्क काउबॉयज ने मात्र 3 विकेट खोकर 14 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। काउबॉयज के लिए सलामी बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 45 गेंदों में 66 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। हालांकि काउबॉयज ने भी मुख्तार अहमद के रूप में अपना पहला विकेट तीसरे ओवर में ही खो दिया, लेकिन उसके बाद दिलप्रीत बाजवा और जोशुआ ट्रॉम्प ने दूसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण 76 रन जोड़े। मेवरिक्स ने जवाबी हमला करते हुए बाजवा (66) और ट्रॉम्प (27) को एक के बाद एक करके पवेलियन तो भेज दिया।

ओगिवारा, ब्रूक्स ने एफआईएस स्नोबोर्ड बिग एयर विश्व कप खिताब जीता

बीजिंग, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

जापान के किशोर स्कीयर हिरोतो ओगिवारा और ब्रिटेन की मिया ब्रूक्स ने रविवार को बीजिंग में एफआईएस विश्व कप में क्रमश: पुरुष और महिला स्नोबोर्ड बिग एयर खिताब जीते।

19 वर्षीय ओगिवारा ने 169.50 अंकों के साथ जीत हासिल की, जो इटली के उपविजेता इयान मैटेओली से चार अंक आगे थे, जबकि चीन के यांग वेनलोंग तीसरे स्थान पर रहे और विश्व कप में पहली बार पोडियम पर पहुंचे।

मैटेओली ने पहली दौड़ में पूरे 2160 चक्कर पूरे करके दर्शकों को चकित कर दिया और प्रभावशाली 97.75 अंक हासिल किए। हालांकि, इतालवी खिलाड़ी अंतिम दो रनों में गति बनाए रखने में विफल रहे और अंत में दूसरे स्थान पर रहे।

25 वर्षीय यांग, जिन्होंने शनिवार को पुरुषों की क्वालीफिकेशन हीट 1 में पहला स्थान हासिल किया, घर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके प्रसन्न थे।

उन्होंने सिन्हुआ से कहा, मैंने हर रन में स्थिर रहने की कोशिश की और प्रत्येक चाल पर ध्यान केंद्रित किया। मुझे अभी भी कड़ी मेहनत करने

और अगले साल एशियाई शीतकालीन खेलों और 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए तैयारी करने की आवश्यकता है।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक चैंपियन चीन के सु यिमिंग फाइनल में अंतिम स्थान पर रहे।

महिलाओं की स्नोबोर्ड बिग एयर में 17 वर्षीय ब्रूक्स 179.75 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं, उसके बाद जापान की मारी फुकदा और ऑस्ट्रियाई अनुभवी अन्ना गैसर दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

इससे पहले रविवार को नॉर्वे के टॉरमोड फ्रॉस्टैड और फ्रांसीसी स्कीयर टेस लेड्यूक्स को बीजिंग के शूगांग में पुरुषों और महिलाओं की फ्रीस्की बिग एयर में ताज पहनाया गया था।

डॉन ब्रैडमैन की भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया कैप की होगी नीलामी, कीमत 2 करोड़ रुपए के पार जाने की उम्मीद

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के महानतम बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन द्वारा पहनी गई टोपी मंगलवार को सिडनी में नीलाम की जाएगी, और इस फटी हुई बैगी ग्रीन टोपी के 260,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) तक में बिकने की उम्मीद है। ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान ऊनी टोपी पहनी थी, जो स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विदेशी धरती पर दौरे करने वाली टीम का पहला टेस्ट मैच था।

नीलामी घर बोनहम्स के अनुसार, यह कैप ब्रैडमैन द्वारा अपनी सबसे शानदार श्रृंखला के दौरान पहनी गई एकमात्र ज्ञात बैगी ग्रीन थी। ब्रैडमैन ने भारत के खिलाफ छह पारियों में 178.75 की औसत से 715 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट क्रिकेटरों को गहरे हरे रंग की टोपी दी जाती है, जिसका खिलाड़ियों और प्रशंसकों द्वारा सम्मान किया जाता है।

काफी हद तक फीका पड़ने, कीटों से नुकसान के निशान और फटी हुई चोटी के बावजूद, बोनहम्स को उम्मीद है कि यह टोपी 195,000 से 260,000 अमेरिकी डॉलर के बीच में बिकेगी।

ब्रैडमैन ने 99.94 के सर्वकालिक उच्चतम टेस्ट बल्लेबाजी औसत के साथ संन्यास लिया।

ब्रैडमैन द्वारा 1928 में अपने टेस्ट डेब्यू के दौरान पहनी गई एक अलग बैगी ग्रीन ने 2020 में 290,000 अमेरिकी डॉलर की बोली लगाई गई थी, क्रिकेट के दिग्गज की टोपी में से एक के लिए यह उस समय का रिकॉर्ड था।

लेकिन यह उस 650,000 अमेरिकी डॉलर से बहुत कम था, जो स्पिन लीजेंड शेन वार्न की बैगी ग्रीन के लिए चुकाई गई थी, जब उन्होंने उस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई बुशफ़ायर पीड़ितों की मदद के लिए इसे बिक्री के लिए रखा था।

ब्रैडमैन का 2001 में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया और वार्न का 2022 में 52 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल के ही पारी शुरु करने की संभावना

एडीलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट अब छह दिसंबर से यहां शुरु होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से टीम की कमान संभालेंगे। यहा टेस्ट मैच दिन-रात का होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। रोहित दूसरी बार पिता बनने के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। रोहित के नहीं होने पर पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी और रोहित मध्यक्रम में उतरेंगे। पहले मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए। दूसरी पारी में 200 रन से ऊपर की साझेदारी कर नया रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भी इसी जोड़ी ने पारी की शुरुआत की थी। उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी उतरेगी और रोहित मध्यक्रम में खेलेंगे। रोहित का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में वह भी नहीं चाहेंगे कि टीम की शुरुआत खराब हो। इसी कारण वह रोहित ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मुकाबले में राहुल को ही शुरुआत के लिए भेजा था। इससे प्रशंसकों ने अंदाज लगाना शुरू कर दिया कि टीम दूसरे टेस्ट में भी इसी बल्लेबाजी क्रम के साथ खेलने उतरेगी। अच्छी लय हासिल कर चुकी यशस्वी और राहुल की जोड़ी में अब बदलाव की संभावना को वह नहीं देखते। वहीं इससे पहले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी कहा कि दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल ही पारी की शुरुआत करें और रोहित मध्यक्रम पर उतरें। साथ ही कहा था कि सलामी जोड़ी में बदलाव से नुकसान हो सकता है।

प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का आईपीओ खुला, निवेशक 4 दिसंबर तक लगा सकेंगे बोली

मुंबई/नई दिल्ली,02 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के पहले पंजीकृत लघु और मध्यम रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 4 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 9 दिसंबर को लिस्ट होंगे। प्रॉपशेयर प्लैटिना, एसएम-रीट (प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 10 लाख से 10.5 लाख रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशकों को इसमें मिनिमम 10 लाख रुपये निवेश करने होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना कुल 352.91 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके लिए कंपनी 352.91 करोड़ रुपये के 3,361 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए एक भी शेयर नहीं बेचेंगे।

क्या होता है आईपीओ

जब कोई कंपनी पहली बार अपने शेयर्स को लोगों के लिए जारी करती है तो इसे आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कहते हैं। कंपनी को कारोबार बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत होती है। ऐसे में कंपनी बाजार से कर्ज लेने के बजाय कुछ शेयर पब्लिक को बेचकर या नए शेयर इश्यू करके पैसा जुटाती है, जिसके लिए कंपनी आईपीओ लाती है। प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (पीएसआईटी) के मुताबिक यह आईपीओ पूरी तरह से प्लैटिना यूनिट का नया निर्गम है। कंपनी इस आईपीओ से प्राप्त धन राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से प्लैटिना की विशेष इकाई (एसपीवी) द्वारा प्रेस्टीज टेक प्लैटिना की परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए करेगी, जबकि शेष धन राशि का उपयोग अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

नायका पर शुरू हुई एक और धमाकेदार, कई ब्रांड्स पर मिल रही 50 फीसदी तक की छूट

मुंबई। नायका की पिंक फ्राइडे सेल ने दिखाया अपना जादू और अब एक और धमाकेदार सेल के रूप में वापस आ रहा है। यह सेल 2 दिसंबर से शुरू हो गई है जो 4 दिसंबर तक चलेगी और उसमें 50 फीसदी तक की छूट के साथ बहुत सारे ऑफर्स भी हैं। नायका की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर, नायका के मोबाइल ऐप पर या फिर नायके के स्टोर पर जाकर आप इस सेल का लाभ उठा सकते हैं। पिंक फ्राइडे सेल में चार्लोट टिलबरी, मैक, मेबेललाइन जैसे ब्रांड्स के उत्पादों पर 60 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। इस सेल में ब्यूटी और पर्सनल केयर उत्पाद, फैशन और एक्सेसरीज, होम और किचन उत्पाद और हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स पर भी 50 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। इसमें बाय वन गेट वन फ्री ऑफर, फ्री शिपिंग और कैशबैक ऑफर भी उपलब्ध है। पिंक फ्राइडे सेल में आपको अनुभव करने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए अगर आपने पिछली सेल में शॉपिंग नहीं की है, तो इस बार का सेल आपके लिए उत्तम अवसर है।

नवंबर में पेट्रोल-डीजल की खपत में बढ़ोतरी, त्योहारी सीजन ने बढ़ाई मांग, नवंबर में सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल की बिक्री में 8.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की

मुंबई (ईएमएस)। भारत में पेट्रोल और डीजल की मांग नवंबर में बढ़ी, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के आंकड़ों से पता चला। अक्टूबर में खपत में गिरावट देखी गई थी, लेकिन नवंबर में त्योहारी सीजन के कारण खपत में सुधार हुआ। पेट्रोल और डीजल की खपत में वृद्धि ने उद्योगों को आशाओं की राह दिखाई। नवंबर में सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल की बिक्री में 8.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले साल के अंतिम सप्ताह से भी अधिक थी। डीजल की बिक्री भी 5.9 फीसदी बढ़कर 72 लाख टन हुई। पेट्रोल और डीजल महंगा होने के बावजूद, लोगों की मांग में वृद्धि देश की अर्थव्यवस्था के सुधार का संकेत दे सकती है। डीजल भारत में सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला ईंधन है, जिसका परिवहन और कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। पेट्रोल और डीजल की मांग में इस दिशा में हुई वृद्धि देश की आर्थिक सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकती है।

अशोक लेलैंड की नवंबर में कुल थोक बिक्री बढ़कर 14,137 इकाई हुई, पिछले महीने 12,773 इकाई बिक्री हुई थी

मुंबई। अशोक लेलैंड भारत के प्रमुख वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने नवंबर माह में अच्छे बिक्री के बारे में रिपोर्ट जारी की है। कंपनी ने बताया कि कुल थोक बिक्री में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई और उसने इस माह में 14,137 इकाई वाहन बेचे। कंपनी के बयान के मुताबिक घरेलू बिक्री में एक असंतुष्ट कारक था और इसमें चार प्रतिशत की कमी देखने को मिली। पिछले महीने 12,773 इकाई बिक्री थी, जबकि अब यह संख्या 13,031 है। मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली, जिससे कंपनी ने 9,176 इकाई वाहन बेचे।

एमराल्ड टायर आईपीओ के माध्यम से जुटाएगी 49.26 करोड़

मुंबई। एमराल्ड टायर मैन्यूफैक्चरर्स लिमिटेड इस हफ्ते अपनी पहली आईपीओ के माध्यम से 49.26 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी ने प्राइस बैंड व समेत कई अन्य जानकारियां जारी की है। निवेशकों को 5 दिसंबर 2024 से इस आईपीओ में निवेश करने का मौका मिलेगा। यह आईपीओ एनएसई एसएमई पर लिस्ट होगा और इसकी संभावित लिस्टिंग 12 दिसंबर को है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश में एक...

मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुरू से ही भारत विरोधी रुख अपनाया है, संभवतः वह भारत द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना को शरण देने से नाराज है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ सुनियोजित हिंसा हुई और पिछले एक महीने में हिंदुओं का उत्पीड़न देखा गया, जैसा कि आजादी से पहले बंगाली मुसलमानों पर किया गया था। हिंदू धार्मिक नेताओं को गिरफ्तार करने के अलावा, शेख हसीना के करीबी माने जाने वाले पत्रकारों को भी गिरफ्तार किया गया है। जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी तत्वों और बुनियादी संगठनों द्वारा अंतरिम सरकार को निर्देशित किया जा रहा है। भारत विरोधी रुख वैसा ही है जैसा प्रधानमंत्री के रूप में बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व में बांग्लादेश में बीएनपी सरकार के समय था। बीएनपी शासन के तहत, बांग्लादेश ने अपने मुक्ति संग्राम में भारत के योगदान के सभी संदर्भों को मिटा दिया। इसलिए, 5 अगस्त 2024 को शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को अपवित्र किए जाने से बांग्लादेश की सामूहिक अंतरात्मा हिल जानी चाहिए थी और यह संभवतः बांग्लादेश में होने वाली बदतर चीजों का अग्रदूत था।

मुझे 2015 के उत्तरार्ध में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के प्रतिनिधिमंडल के रूप में बांग्लादेश का दौरा करने का सौभाग्य मिला। चूंकि मुझे दौरे की रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया था, इसलिए मैंने अपनी यात्रा के दौरान बांग्लादेश को बहुत विस्तार से जाना और सैन्य और सरकारी अधिकारियों के साथ कई बार बातचीत की। अवामी लीग सत्ता में वापस आ गई थी और प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पाठ्य पुस्तकों और सार्वजनिक प्रवचन में अपने स्वतंत्रता संग्राम में भारत के योगदान को बहाल कर दिया था। 1971 के भारत-पाक युद्ध में भाग लेने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के भूतपूर्व सैनिकों का एक प्रतिनिधिमंडल विजय समारोह मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष दिसंबर में बांग्लादेश का दौरा करता था। वर्तमान अंतरिम सरकार ने एक बार फिर बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत के सभी संदर्भों को मिटा दिया है। बांग्लादेश की सेना सत्ता संरचना में बहुत शक्तिशाली हो गई है और वास्तव में उसने हिंदू विरोधी हिंसा में भाग लिया है। इसलिए संभवतः स्थिति 1971 से पहले के युग में वापस आ गई है, जहां बांग्लादेश सेना सत्ता के गलियारों में काफी शक्तिशाली हो गई है।

बड़े दिल वाले एक मित्रवत पड़ोसी के रूप में, भारत ने अब तक बांग्लादेश की स्थिति पर बहुत ही गरिमापूर्ण राजनयिक तरीके से प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारत ने अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हिंदू मंदिरों को तोड़फोड़ से बचाने की अपील की है। बांग्लादेश इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास और अन्य की गिरफ्तारी वास्तव में चिंताजनक है। हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की संगठित हिंसा का उद्देश्य भारत को प्रतिक्रिया के लिए उकसाना है। अब भारत की प्रतिक्रिया बांग्लादेश के प्रति कूटनीतिक नाराजगी से कहीं अधिक होनी चाहिए। मेरा सुझाव है कि भारत को पूर्वी पाकिस्तान में भारत के मुक्ति संग्राम के साथ मेल खाने के लिए 3 दिसंबर से 16 दिसंबर तक बांग्लादेश के हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार के खिलाफ पूरे भारत वर्ष में विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। भारत हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाता है। इस साल इसे हिंदुओं के साथ एकजुटता भी कहा जाना चाहिए। साथ ही बांग्लादेश को आजाद कराने में भारत के योगदान के बारे में दुनिया को बताने के लिए सोशल मीडिया सहित हर संभव मीडिया अभियान चलाया जाना चाहिए। सभी भारतीय दूतावासों को अन्यायपूर्ण और दमनकारी बांग्लादेश सरकार के खिलाफ विश्व जनमत को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

इस तरह, बांग्लादेश में एक बार फिर मुक्ति अभियान चलाने का समय आ गया है। यदि स्थिति की मांग होती है, तो भारत के पास अंतिम उपाय के रूप में सैन्य विकल्प का सहारा लेने की ताकत है। एक बार फिर, सैन्य अभियान के समय और प्रकृति को भारत के सैन्य नेतृत्व के विवेक पर छोड़ दिया जाना चाहिए। भारत को एक बार फिर तीन मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। मैं ईमानदारी से आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि भारतीय सशस्त्र बल उस देश से न लड़ें, जिसे अपने सैन्य प्रयासों और बलिदान से मुक्ति और आजादी दिलाई थी। भारत जैसे मित्र पड़ोसी के साथ बांग्लादेश का शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व दोनों देशों और इस क्षेत्र के आपसी हित में है। बांग्लादेश का नेतृत्व जितनी जल्दी इस बात को समझ जाए उतना ही अच्छा। जय भारत।

जो गलत...

सभापति ने हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा में भी विपक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही नहीं चल सकी।

विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दोपहर 12 बजे जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, पीठासीन संध्या राय ने कहा कि कुछ विषयों पर स्थगन प्रस्ताव के नोटिस मिले हैं, स्पीकर ने इनमें से किसी भी नोटिस को मंजूरी नहीं दी है। हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही भी 3 दिसंबर को दिन में 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही स्थगित होने के पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सदन में आईआईटी काउंसिल के लिए दो सदस्यों के मनोनयन का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने मंजूरी दे दी।

विपक्ष के सांसद नियम 267 के तहत स्थगन प्रस्ताव लाकर अडाणी मामले से लेकर मणिपुर हिंसा, संभल हिंसा और अजमेर शरीफ दरगाह विवाद पर चर्चा की मांग कर रहे हैं और इसके चलते शीतकालीन सत्र में एक दिन भी सुचारु रूप से संसद का कामकाज नहीं हो पाया है। संसद के शीतकालीन सत्र का एक और दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने हंगामे पर निराशा जाहिर की और संसद में जारी हंगामे की तुलना मर्फी के नियम से की। मर्फी का नियम कहता है कि, जो गलत होगा, वह गलत ही करेगा। धनखड़ ने कहा कि यही एल्गोरिदम मौजूद है, जो सदन का संचालन नहीं होने दे रहा है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच कहा, ऐसा लगता है कि इस प्रतिष्ठित सदन में मर्फी के नियमों को लागू करने के लिए एक एल्गोरिदम मौजूद है, जो जानबूझकर संसद नहीं चलने दे रही है और इससे संसद के कामकाज में बाधा उत्पन्न हो रही है। हम अपने संविधान में बताए गए प्रावधानों के बिल्कुल विपरीत काम कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति की यह टिप्पणी इस संदर्भ में आई है, जिसमें विपक्ष के सांसद नियम 267 के तहत स्थगन प्रस्ताव लाकर अडाणी मामले, मणिपुर हिंसा, संभल हिंसा और अजमेर शरीफ दरगाह विवाद पर चर्चा की मांग कर रहे हैं और इसके चलते अब तक शीतकालीन सत्र में एक दिन भी सुचारू रूप से संसद का कामकाज नहीं हो पाया है।

हंगामे के दौरान राज्यसभा सभापति धनखड़ ने सांसदों से अपील करते हुए कहा कि संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलने दें। हालांकि जब अपील के बाद भी विपक्षी सांसदों की नारेबाजी जारी रही तो सभापति ने सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार नहीं चाहती कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से चले। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, आज दोनों सदनों में कोई नारेबाजी या हंगामा नहीं हो रहा था और विपक्षी पार्टियां मणिपुर, अडाणी, संभल हिंसा पर चर्चा करना चाहती थीं, लेकिन मोदी सरकार नहीं चाहती कि संसद चले।

सिर्फ राहुल का...

लोकसभा में जो भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, उसकी रूपरेखा वहां तैयार हो रही है।कुछ कांग्रेस सांसद तो अब वहां तक कहने लगे है कि प्रियंका गांधी के लोकसभा में आने से रणनीति में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। उनके मुताबिक प्रियंका ज्यादा प्रैक्टिकल हैं, वे वायनाड में भी जनता के ही मुद्दों पर फोकस कर रही थीं, ऐसे में यहां भी उनकी प्राथमिकता ऐसी ही देखने को मिल सकती है। अब समझने वाली बात यह है कि कांग्रेस के कई सांसदों में रोष है, लेकिन राहुल गांधी के खिलाफ जाने की हिम्मत किसी में नहीं।

यह बात अब जगजाहिर हो चुकी है कि राहुल गांधी के लिए अडाणी मुद्दा सबसे ज्यादा प्रिय है, वे इसी के सहारे चुनावों में उतरते हैं और सीधे पीएम मोदी को निशाने पर लेते हैं। संसद में भी वे सिर्फ इसी मुद्दे के दम पर केंद्र को पूरी तरह आइसोलेट करना चाहते हैं। लेकिन अब जब सदन कई दिनों से नहीं चल पा रहा है, कांग्रेस के ही सांसद मानने लगे हैं कि इस तरह से संसद को बाधित रखना ठीक नहीं। ऐसी स्थिति में सरकार की जवाबदेही तय करना और ज्यादा मुश्किल हो जाएगा।

अभी के लिए एक तरफ टीएमसी तो बेरोजगारी, महंगाई, बंगाल सरकार को मिलने वाले फंड्स जैसे मुद्दों पर चर्चा करना चाहती है, वहीं सपा संभल जैसे मुद्दों को ज्यादा उठाना चाहती है। सभी विपक्षी पार्टियां एक साथ दिखाई नहीं दे रही हैं। सोमवार कोई बैठक में भी यह बात सामने आई। बैठक में इंडी गठबंधन के सभी फ्लोर लीडर्स ने हिस्सा लिया। उसमें तय हुआ कि केवल संविधान को लेकर सदन में चर्चा होगी और सदन को निर्बाध रूप से चलने दिया जाएगा। विपक्ष के नेता भी अब अडाणी अडाणी के शोर और राहुल गांधी के एकल एजेंडे से आजिज आ चुके हैं।

संविधान पर बहस...

सुचारु रूप से नहीं चल पा रही है। जिसकी वजह से संसद के महत्वपूर्ण छह दिन हंगामे की भेंट चढ़ गए। इसे लेकर आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तमाम दलों के साथ एक बैठक भी की है। इस बैठक में टीडीपी के लवू श्री कृष्ण देवरायलू, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई, डीएमके सांसद टीआर बालू, एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, जेडी (यू) के दिलेश्वर कामैत, आरजेडी के अभय कुशवाह, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत और सीपीआई (एम) के राधाकृष्णन शामिल हुए।

इस बैठक में दोनों पक्षों (सरकार और विपक्ष) में गतिरोध खत्म करने के साथ संविधान पर बहस की सहमति बन गई है। इस बैठक के बाद जानकारी देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सर्वदलीय फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई। कुछ दिनों से संसद में गतिरोध चल रहा है, सभी ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है। हमने भी कहा कि सभी चुने हुए प्रतिनिधि भारत की संसद में अपनी बात रखने आते हैं और पिछले कई दिनों से संसद का न चलना ठीक नहीं है। सभी ने इसे स्वीकार किया। विपक्ष की ओर से कई मांगें की गई हैं। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के सामने संविधान पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा गया। सरकार ने उसे मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा कि 13-14 दिसंबर को हम संविधान पर चर्चा करेंगे। सबसे पहले लोकसभा में चर्चा होगी। सभी ने इसे स्वीकार किया है। 16-17 दिसंबर को राज्यसभा में चर्चा होगी। स्पीकर ने यह भी कहा कि अगर कोई मुद्दा उठाना चाहता है तो उसके लिए नियम है। आप इसके लिए नोटिस दे सकते हैं लेकिन संसद में हंगामा करना और कामकाज में बाधा डालना ठीक नहीं है। सभी ने इसे भी स्वीकार किया है। यह अच्छी बात है कि सभी ने स्वीकार किया है कि कल से चर्चा होगी। हम कल लोकसभा में चर्चा के बाद पहला विधेयक पारित करेंगे। राज्यसभा में भी सूचीबद्ध कार्य पारित किए जाएंगे। मैं एक बार फिर सभी विपक्षी सांसदों और नेताओं से अपील करता हूं कि आज जो भी समझौते हुए हैं, उसपर कायम रहें। हमें संसद को सुचारु रूप से चलाना चाहिए। कल से संसद सुचारु रूप से चलेगी। ऐसा समझौता हुआ है। मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा।

उधर, समाजवादी पार्टी को लोकसभा में संभल मुद्दे और तृणमूल कांग्रेस को बांग्लादेश की घटनाओं को उठाने की अनुमति भी दी जा सकती है। हालांकि, अडाणी मुद्दे पर किसी विशेष चर्चा की संभावना कम है, उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य अन्य बहसों के दौरान इस पर बात कर सकते हैं। कांग्रेस लगातार अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी और अन्य कंपनी अधिकारियों पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में अमेरिकी अभियोजकों की तरफ से अभियोग लगाने के मुद्दे को उठाती रही है। जबकि कुछ वपक्षी दल, खासकर टीएमसी ने अडाणी मुद्दे को उतनी प्राथमिकता नहीं दी है और वे चाहते हैं कि संसद में बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और केंद्र की तरफ से धन आवंटन में विपक्ष शासित राज्यों के साथ कथित भेदभाव समेत कई अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हो।

सूर्य का रहस्य...

सबसे बाहरी और सबसे गर्म परत, सौर कोरोना का अध्ययन करना है।

प्रोबा-3 मिशन में लॉन्च सैटेलाइट कृत्रिम सूर्यग्रहण की स्थितियां बनाएंगे ताकि सूर्य की बाहरी परत यानी कोरोना का अध्ययन किया जा सके। इन जुड़वां सैटेलाइट में से एक पर कोरोनाग्राफ होगा जबकि दूसरे पर ऑल्टर होगा। इनमें एक सैटेलाइट सूर्य को छिपाएगी जबकि दूसरी के सहारे कोरोना का निरीक्षण किया जाएगा। प्रोबा-3 मिशन स्पेन, पोलैंड, बेल्जियम, इटली, और स्विट्जरलैंड के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। दो साल तक चलने वाला यह मिशन इस वजह से भी खास है क्योंकि इसमें एक साथ दो सैटेलाइट लॉन्च किए जा रहे हैं। इन सैटेलाइट का सटीक ढंग से अपनी जगह पर पहुंचना बेहद अहम है क्योंकि अभियान की सफलता के लिए इनका एक-दूसरे के साथ तालमेल बेहद अहम है।

आम नागरिकों ...

प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसान 13 फरवरी से ही खनौरी और शंभू बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र पर उनकी मांगों को पूरा करने के लिए कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया है। एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसान स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफी, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 को बहाल करने और 2020-21 में पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

पर भारत का...

हसीना सरकार के पतन के बाद इन घटनाओं में तेजी आई है, जो देश में मीडिया की स्वतंत्रता के लिए खतरे की घंटी है। यह घटना न केवल मुन्नी साहा की व्यक्तिगत सुरक्षा पर सवाल उठाती है, बल्कि बांग्लादेश में पत्रकारों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गिरती स्थिति को भी उजागर करती है।

पिछले ही दिनों बांग्लादेश में भारतीय तिरंगे के अपमान की घटना सामने आई थी। उस घटना का मास्टरमाइंड मोहम्मद यूनुस सरकार का सलाहकार आसिफ महमूद है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली मुस्लिम कट्टरपंथी सरकार के संरक्षण में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। हिंदुओं पर हर दिन खुलेआम मुस्लिम कट्टरपंथी हमले कर रहे हैं। बावजूद इसके सरकार इस पर अपनी आंख बंद किए बैठी है। यहां तक भारत के राष्ट्रीय ध्वज का भी लगातार अपमान किया जा रहा है। इस सब के पीछे जो शख्स है वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का सलाहकार आसिफ महमूद है।

सोशल मीडिया हैंडल वॉयस ऑफ बांग्लादेशी हिंदू ने आसिफ महमूद की भारतीय ध्वज का अपमान करते तस्वीर शेयर की थी। आसिफ महमूद के आदेश पर बांग्लादेश के हर स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी में भारतीय ध्वज का अपमान किया जा रहा है। अब तक 53 शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय ध्वज का अपमान किया जा चुका है। एक्स हैंडल द्वारा शेयर की गई तस्वीर में स्पष्ट तौर पर आसिफ महमूद को जमीन पर तिरंगा फेंककर उसे रौंदते देखा जा सकता है।

भारतीय होने की...

घटना के बाद वे श्यामपुर पुलिस थाने गए, लेकिन उन्होंने कोई शिकायत दर्ज करने से इन्कार कर दिया।

बांग्लादेश में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ भारत में भी लोगों का गुस्सा फूट रहा है। इसकी शुरुआत असम से हो चुकी है। वहां लोगों का प्रदर्शन तेज हो गया है। असम के श्रीभूमि जिले में सैकड़ों की संख्या में सनातनी एक्य मंच के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश बॉर्डर की ओर कूच करने की कोशिश की। हालांकि, उन्हें सुरक्षा बलों ने ऐसा करने से रोक दिया। सनातनी एक्य मंच ने बांग्लादेश चलो अभियान लॉन्च कर दिया है। इस अभियान को पूरे असम में लॉन्च किया गया है। इसी के तहत सनातन एक्य मंच के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश बॉर्डर की ओर कूच किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें वहीं रोक दिया। मंच के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ की जा रही हिंसा के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने मुस्लिम कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि बांग्लादेश की सरकार वहां पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा है। इसके साथ ही सनातन एक्य मंच की ओर से कहा गया है कि उनका ये आंदोलन तब तक चलता रहेगा, जब तक कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं किया जाता है। प्रदर्शनकारियों ने भारत सरकार से भी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

इस बीच मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता जाहिर की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास है और किसी न किसी रूप में इसका समाधान जरूर निकलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के लोगों की दुआएं बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ हैं।

क्यों द्रोणागिरी पर्वत के पास बसे लोग हनुमान जी से हैं खफा? त्रेता युग से जुड़ा है रहस्य

मंगलवार का दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन राम परिवार संग हनुमान जी की पूजा की जाती है। साथ ही मंगलवार का व्रत रखा जाता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि त्रेता युग में मंगलवार के दिन ही भगवान श्रीराम की अपने परम भक्त हनुमान जी से भेंट हुई थी। इस शुभ अवसर पर हर वर्ष बड़ा मंगल मनाया जाता है।

शास्त्रों में निहित है कि लंका विजय में हनुमान जी ने अहम भूमिका निभाई थी। वानर सेना की मदद से भगवान श्रीराम ने रावण पर विजयश्री प्राप्त की थी। वाल्मीकि जी द्वारा लिखित रामायण में द्रोणागिरी पर्वत का उल्लेख है। लेकिन क्या आपको पता है कि रामायण में उल्लेखित द्रोणागिरी पर्वत क्यों प्रसिद्ध है?

भगवान श्रीराम

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम त्रेता युग के समकालीन थे। उन्हें अपने जीवन में केवल और केवल दुखों का सामना करना पड़ा था। भक्ति काल के महान कवि गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपनी रचना रामचरित्रमानस में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का वर्णन विस्तारपूर्वक किया है।

रामचरित्रमानस में वर्णित है कि अयोध्या नरेश बनने से एक दिन पहले भगवान श्रीराम को चौदह वर्षों का वनवास मिला। अगले दिन पिता की आज्ञा का पालन कर भगवान श्रीराम अपनी धर्मपत्नी जग की देवी मां सीता और अनुज लक्ष्मण जी के साथ वनवास चले गये। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम लंबे समय तक दण्डकारण्य वन में रहें। दण्डकारण्य वन रावण का गढ़ था। यह वन असुरों से भरा था। भगवान श्रीराम ने असुरों का वध कर दण्डकारण्य वन को रावण के आतंक से मुक्त कराया था। ऐसा कहा जाता है कि दण्डकारण्य वन में भगवान श्रीराम ने कोदंड धनुष का निर्माण किया था। वनवास के दौरान लंकापति रावण ने मां जानकी का हरण कर लिया था। उस समय भगवान श्रीराम के परम भक्त और

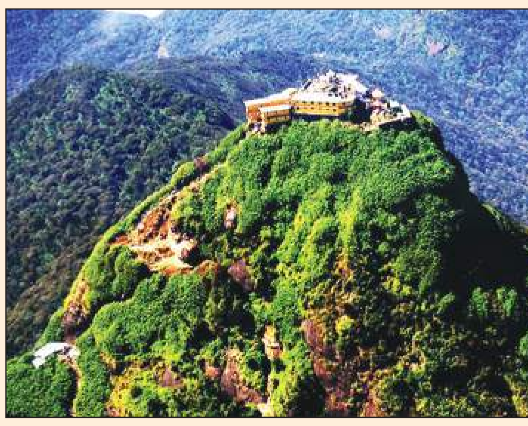

सेवक हनुमान जी ने मां जानकी का पता लगाया था। लंका नरेश रावण ने मां जानकी को अशोक वाटिका में रखा था।

हनुमान जी के बल से रावण भलीभांति वाकिफ थे। इसका वर्णन रामचरित्रमानस में भी गोस्वामी तुलसीदास ने की है। वानर सेना की मदद से भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर मां जानकी को मुक्त कराया था। युद्ध के दौरान मेघनाथ के ब्रह्मास्त्र से लक्ष्मण जी मूर्छित हो गये थे। उस समय सुषेण वैद्य के कहने पर हनुमान जी ने संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण जी के प्राण की रक्षी की थी। संजीवनी बूटी द्रोणागिरी पर्वत पर मिलता है।

द्रोणागिरी पर्वत– मेघनाथ के ब्रह्मास्त्र से लक्ष्मण जी मूर्छित हो गये। यह देख मेघनाथ, लक्ष्मण जी के पास आये और उन्हें उठाने की कोशिश की। इसमें इंद्रजीत को सफलता नहीं मिली। तब हनुमान जी ने गदा से प्रहार कर मेघनाथ के बल को भंग किया। इसके बाद लक्ष्मण जी को लेकर भगवान श्रीराम के पास पहुंचे। लक्ष्मण जी को मूर्छित देख भगवान श्रीराम विलाप करने लगे।

तब विभीषण जी ने उन्हें सुषेण वैद्य से संपर्क करने की सलाह दी।

सुषेण वैद्य की सलाह पर हनुमान जी संजीवनी बूटी लेने द्रोणागिरी पर्वत पहुंचे। जब उन्हें संजीवनी बूटी नहीं मिली या सभी बूटी एक सामान देख हनुमान जी ने द्रोणागिरी पर्वत को ही उठाकर लंका पहुंच गये। संजीवनी बूटी से लक्ष्मण जी को नवजीवन मिला। कहते हैं कि द्रोणागिरी पर्वत को लंका ले जाने के चलते द्रोणागिरी पर्वत के पास रहने वाले लोग हनुमान जी से अप्रसन्न रहते हैं।

खरमास में क्यों नहीं करते शुभ कार्य? कब से हो रहा शुरू क्या करना चाहिए व क्या नहीं

खरमास हिन्दू पंचांग का एक महत्वपूर्ण महीना होता है, जो शुभ कार्यों के लिए सही नहीं माना जाता है। यह आमतौर पर सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के बाद शुरू होता है। यह लगभग एक महीने तक चलता है।

खरमास के दौरान शुभ कार्यों जैसे विवाह, गृह प्रवेश या नया काम शुरू करना वर्जित माना जाता है। इस समय को धर्मशास्त्रों में अनिष्टकारी और अशुभ माना जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ और दान करना चाहिए। यह समय धर्म और आत्मा के कल्याण के लिए उपयुक्त माना जाता है।

इस दिन शुरू होगा खरमास

खरमास की शुरूआत 15 दिसंबह को 10 बजकर 19 मिनट से हो जाएगी। इस दिन सूर्य वृश्चिक राशि से निकलकर गुरु की राशि धनु में प्रवेश करेंगे। 14 जनवरी को सूर्य मकर राशि कर लेंगे, तब शुभ कार्यों पर से रोक हट जाएगी।

खरमास के इस महीने में खास परंपराएं निभाई जाती हैं। इस समय में लोग मंत्र जप, दान, नदी स्नान और तीर्थ दर्शन करते हैं। ऐसा माना जाता है कि खरमास के महीने में धर्म कर्म करने से बहुत लाभ मिलता है। इस दौरान पवित्र नदियों में स्नान और मंदिरों में दर्शन करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

साल में दो बार शुभ कार्य पर लगती है रोक

खरमास साल में दो बार आता है। एक बार 15 दिसंबर से 14 जनवरी तक रहता है, जब सूर्य धनु राशि में प्रवेश करता है। दूसरी बार 15 मार्च से 15 अप्रैल तक रहता है, जब सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करता है। ऐसे में साल में दो महीने ऐसे आते हैं, जब शुभ कार्यों पर पूरी तरह से रोक लगी रहती है।

खरमास में करें पूजा पाठ

खरमास के दौरान श्रीराम कथा, भागवत कथा और शिव पुराण का पाठ करने से पुण्य प्राप्त होता है। यह धार्मिक क्रियाएं आत्मा को शांति और आशीर्वाद देती हैं।

खरमास के दौरान रोज अपने समय के अनुसार धार्मिक ग्रंथों का पाठ करें। इससे मानसिक शांति, आशीर्वाद और पुण्य मिलता है, जो जीवन को सकारात्मक दिशा में अग्रसर करता है।

खरमास में प्रयास करें कि इस पूरे महीने में कम से कम एक धार्मिक ग्रंथ का पूरा पाठ करें। इससे आध्यात्मिक उन्नति होगी और पुण्य की प्राप्ति भी होगी।

खरमास में धार्मिक ग्रंथों का पाठ करने से न केवल धर्म लाभ मिलता है, बल्कि इससे जीवन में सुख-शांति और संतुलन बनाए रखने के सूत्र भी मिलते हैं।

विवाह पंचमी के दिन क्यों नहीं होती शादी? भगवान श्रीराम से जुड़ा है इसका संबंध

मार्गशीर्ष माह में कई महत्वपूर्ण पर्व मनाए जाते हैं। इनमें विवाह पंचमी का त्योहार भी शामिल है। पंचांग के अनुसार, हर साल विवाह पंचमी मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस शुभ तिथि पर भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह हुआ था। इसके अलावा तुलसीदास जी ने रामचरितमानस ग्रंथ पूरा लिख लिया था। इसी वजह इस दिन विवाह पंचमी का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। क्या आप जानते हैं कि विवाह पंचमी के दिन शादी क्यों नहीं की जाती? अगर नहीं पता, तो आइए जानते हैं इसकी वजह के बारे में।

विवाह पंचमी के दिन क्यों नहीं होती शादी

विवाह पंचमी के पर्व को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और माता सीता की शादी की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीराम और माता सीता की पूजा-अर्चना करने से वैवाहिक जीवन सदैव सुखमय होता है और पत्नी-पत्नी के रिश्ते में मधुरता आती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर विवाह करने के बाद राम जी और माता सीता को जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा और उन्हें 14 साल का वनवास सहना पड़ा। इसी वजह से इस तिथि पर विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है।

करें यह उपाय

विवाह पंचमी के दिन माता सीता को सोलह श्रृंगार की चीजें चढ़ाएं और अन्न-धन का दान करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से जातक के विवाह में आ रही बाधा दूर होती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

विवाह पंचमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी और वहीं अगले दिन यानी 06 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 07 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। ऐसे में 06 दिसंबर को विवाह पंचमी मनाई जाएगी।

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05 बजकर 12 मिनट से 06 बजकर 06 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 01 बजकर 56 मिनट से 02 बजकर 38 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 05 बजकर 21 मिनट से 05 बजकर 49 मिनट तक

अमृत काल- सुबह 06 बजकर 38 मिनट से 08 बजकर 12 मिनट तक

रामसंदिर में तैयारियां शुरू

फालका बाजार स्थित राम मंदिर में विवाह पंचमी को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके अलावा अन्य मंदिरों में भी तैयारियां हो रही हैं। इस दिन भगवान श्रीराम व माता जानकी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा और पूजा अर्चना की जाएगी।

कब और क्यों मनाई जाती है विवाह पंचमी, क्या है इसकी वजह?

मार्गशीर्ष माह को अगहन माह के नाम से जाना जाता है। इस माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर भगवान श्रीराम और माता सीता की विशेष पूजा-अर्चना करने के लिए बेहद उत्तम माना जाता है, क्योंकि इस दिन विवाह पंचमी मनाई जाती है।

धार्मिक मान्यता है कि इस दिन उपासना करने से जातक को जीवन में सफलता प्राप्त होती है और वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होता है। क्या आप जानते हैं कि हर साल मार्गशीर्ष माह में विवाह पंचमी का पर्व क्यों मनाया जाता है? अगर नहीं पता, तो आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि इस त्योहार को मनाने की वजह के बारे में।

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी और वहीं अगले दिन यानी 06 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 07 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। ऐसे में 06 दिसंबर को विवाह पंचमी मनाई जाएगी। इस दिन भगवान श्रीराम और मां सीता की शादी की वर्षगाँठ मनाया जाता है।

ये है विवाह पंचमी मनाने की वजह

सनातन धर्म में भगवान श्रीराम और माता सीता की जोड़ी को एक आदर्श वैवाहिक जोड़ी के रूप में देखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि त्रेता युग में मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर राम जी और माता सीता विवाह बंधन में बंधे थे।

इसी वजह से हर साल इसी तिथि को उनकी विवाह की वर्षगांठ के रूप में बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। जातक इस दिन सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही मंदिर या गरीब लोगों में अन्न और धन का दान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि दान करने से जातक को जीवन में कभी भी किसी चीज की कोई कमी नहीं होती है।

विवाह पंचमी पर जल्द विवाह के लिए करें देवी पार्वती की पूजा, जानिए सही नियम

हिंदू धर्म में विवाह पंचमी का बड़ा महत्व है। इस दिन को रामायण में सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक माना गया है। यह दिन भगवान राम और देवी सीता को समर्पित है। हर साल मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को विवाह पंचमी मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल विवाह पंचमी 06 दिसंबर को मनाई जाएगी। ऐसा कहा जाता है कि जिन लोगों के विवाह में देरी हो रही है, उन्हें इस व्रत का पालन जरूर करना चाहिए। साथ ही देवी पार्वती की पूजा करनी चाहिए।

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 06 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 07 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए इस साल 06 दिसंबर को विवाह पंचमी मनाई जाएगी। यह दिन भगवान श्रीराम और मां सीता की शादी की सालगिरह का प्रतीक है।

देवी पार्वती की पूजा विधि

सुबह जल्दी उठें और पानी में हल्दी डालकर स्नान करें। माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें और उनका ध्यान करें। उनका पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक करें। सफेद चंदन और कुमकुम का तिलक लगाएं। गुड़हल का फूल अर्पित करें। बेलपत्र और शृंगार की सामग्री अर्पित करें। देसी घी का दीपक जलाएं। मिठाई, पांच फल, केसर की की खीर और घर पर बना प्रसाद अर्पित करें।

पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ देवी के मंत्रों का जाप करें और जानकी स्तोत्र का पाठ अवश्य करें। फिर आरती से पूजा को पूर्ण करें। पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना करें। गरीबों को भोजन खिलाएं और धन का दान करें।

देवी पार्वती पूजन मंत्र

ह्रीं गौर्य नम :

है गौरि शंकरार्धांगि यथा त्वं शंकर प्रिया।

तथा मां कुरू कल्याणि कान्तकान्तां सुदुर्लभाम्।।

ॐ नमः मनोभिलाषितं वरं देहि वरं ह्रीं ॐ गोरा पार्वती देव्यै नमः

कब कोई जातक होता है मांगलिक, कैसे पाएं मंगल दोष से निजात?

सनातन धर्म में मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन हनुमान जी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए हनुमान जी के निमित्त मंगलवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से हनुमान जी की विशेष कृपा साधक पर बरसती है। साथ ही कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होता है। कुंडली में मंगल मजबूत होने से जातक ऊर्जावान रहता है। साथ ही जातक आत्मबल से लबरेज रहता है। वहीं, कुंडली में मंगल कमजोर होने पर जातक शक्तिहीन महसूस करता है। इसके साथ ही जातक का किसी कार्य में मन नहीं लगता है। कुंडली में मंगल मजबूत करने के लिए हर मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। वहीं, रोजाना सूर्य देव को जल का अर्घ्य देने के बाद पूजा के समय हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। लेकिन क्या आपको पता है कि कब कोई जातक मंगल दोष से पीड़ित हो जाता है और कैसे मंगल दोष से कैसे निजात पाएं?

मंगल दोष क्या होता है

ज्योतिषियों की मानें तो कुंडली के प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और द्वादश भाव में मंगल रहने पर जातक मांगलिक कहलाता है। हालांकि, कई अवसर पर मंगल दोष का परिहार भी हो जाता है। इसके लिए मंगल का विचार बारीकी से करना चाहिए। इसके लिए योग्य ज्योतिष की सलाह लेना उत्तम रहता है। मांगलिक जातक की शादी में देर होती है। कई अवसर पर शादी के बाद वैवाहिक जीवन में परेशानी आती है। इसके लिए मंगल दोष का निवारण अनिवार्य है। अगर कोई जातक आंशिक मांगलिक है, तो सामान्य उपाय कर मंगल दोष से निजात मिल सकती है। मंगल दोष से निजात पाने के लिए ये उपाय करें।

मंगल दोष के उपाय

अगर आप मंगल दोष से पीड़ित हैं, तो हर मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी की पूजा करने से मंगल दोष का प्रभाव समाप्त होता है। हालांकि, प्रबल मांगलिक होने पर ज्योतिष से अवश्य सलाह लें। प्रबल मांगलिक के लिए निवारण अनिवार्य है। अनदेखी करने से विवाह में देर होती है। वहीं, विवाह के बाद वैवाहिक जीवन भी कष्टमय भरा रहता है।

मंगल दोष से निजात पाने के लिए मंगलवार के दिन लाल रंग की चीजों का दान करें। आप मसूर की दाल, मूंगफली, लाल रंग के कपड़े, गुड़, शहद, लाल मिर्च आदि चीजों का दान कर सकते हैं। इन चीजों के दान से मंगल का प्रभाव कम होता है।

मंगलवार के दिन व्रत रखने से भी मंगल दोष का प्रभाव कम या क्षीण होता है। इसके लिए मंगलवार का व्रत रख सकते हैं। इस दिन हनुमान जी की पूजा करें। साथ ही सात बार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मोक्षदा एकादशी पर क्या खाएं और क्या नहीं? यहां जानिए व्रत से जुड़ी पूरी जानकारी

सनातन धर्म में एकादशी व्रत का बड़ा महत्व है, जो प्रत्येक माह में सच्ची श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल मोक्षदा एकादशी मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि यानी 11 दिसंबर को मनाई जाएगी। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन विष्णु जी की पूजा करने से जीवन की समस्त बाधाओं का अंत होता है। इसके साथ ही मोक्ष की प्राप्ति है, तो चलिए इस शुभ दिन पर क्या खाना चाहिए और क्या नहीं ? उसके बारे में जानते हैं, जिससे उपवास में किसी भी प्रकार का विघ्न न पड़े।

मोक्षदा एकादशी पर क्या खा सकते हैं?

मोक्षदा एकादशी व्रत पर व्रती दूध, दही, फल, शरबत, साबुदाना, बादाम, नारियल, शकरकंद, आलू, मिर्च सेंधा नमक, राजगीर का आटा आदि चीजों को

खा सकते हैं। वहीं, व्रती इस बात का ध्यान दें कि भगवान विष्णु की पूजा के बाद ही कुछ ग्रहण करें। साथ ही प्रसाद बनाते समय पवित्रता का पूरा ध्यान दें, जिससे व्रत सफलता के साथ पूरा हो सके।

मोक्षदा एकादशी पर नहीं खानी चाहिए ये चीजें

अगर आप मोक्षदा एकादशी पर व्रत कर रहे हैं, तो अपने खानपान का पूरा ध्यान दें, क्योंकि यह उपवास को सफल और असफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इससे व्रत खंडित भी हो सकता है। बता दें, व्रती को एकादशी व्रत के दिन अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा इस मौके पर तामसिक भोजन जैस- मांस-मदिरा प्याज, लहसुन आदि से भी दूर रहना चाहिए।

इसके साथ ही इस व्रत पर चावल और नमक का सेवन पूर्णत: वर्जित माना गया है। ऐसे में अगर आप इस व्रत का पालन कर रहे हैं, तो इन चीजों का सेवन भूलकर भी न करें।

।।श्री हरि का भोग मंत्र।।

मोक्षदा एकादशी के मौके पर भगवान विष्णु को भोग अर्पित करते समय इस मंत्र ''त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।।'' का जाप करना चाहिए। इससे वह तुरंत भोग को स्वीकार करते हैं। साथ ही उनकी कृपा प्राप्त होती है।

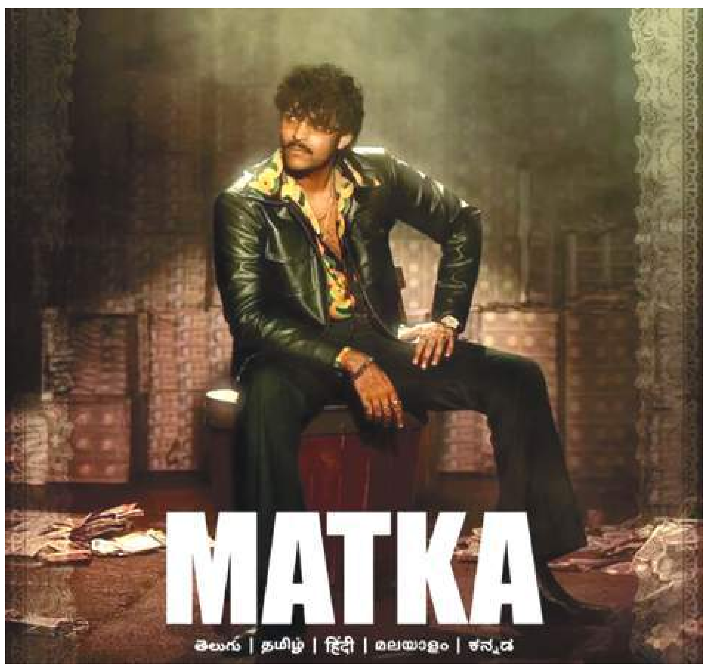

वरुण तेज की मटका अपनी ओटीटी रिलीज को तैयार

वरुण तेज और नोरा फतेही की पैन इंडिया फिल्म मटका को 14 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।रिपोर्ट के मुताबिक, मटका ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज 2.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब मटका अपनी ओटीटी रिलीज को तैयार है, जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।मटका का प्रीमियर 5 दिसंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।निर्माताओं ने इसकी जानकारी देते हुए लिखा, जोखिम, इनाम और जुआ-मटका वासु रिंगमास्टर है जो इन सब पर राज करता है।इस फिल्म को आप हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में देख सकते हैं।करुणा कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म मटका में मीनाक्षी चौधरी, किशोर, नवीन चंद्र और अजय घोष जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है।

मौनी रॉय ने हैदराबाद में किया फैशन के जादू का आगाज

मौनी रॉय ने हाल ही में हैदराबाद में एक ब्रांड के लॉन्च इवेंट में शिरकत की, जहां उन्होंने अपनी मनमोहक उपस्थिति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। एंटरप्रेन्योर-अभिनेत्री ने एक अद्भुत प्रदर्शन के साथ शो की शुरुआत की, वह एक शानदार सोने के पोशाक में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जो शाम की शानदार माहौल को पूरी तरह से मेल खा रहा था। उनकी चकाचौंध भरी उपस्थिति और प्रभावशाली आभा ने इवेंट का माहौल सेट कर दिया, जिससे दर्शक देख कर मंत्रमुग्ध हो गए। यह इवेंट एक भव्य फैशन परेड के रूप में था। यह एक रात थी जो अपार ग्लैमर से भरपूर थी, जिसमें नागा चैतन्य ने शो का समापन किया। मौनी का ओपनिंग परफॉर्मेंस एक अविस्मरणीय, जादुई शाम बनी। जिसने फैशन और लक्ज़री को भारतीय संदर्भ में नए तरीके से परिभाषित किया। अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने शो का संचालन किया और मौनी के शानदार रेड कार्पेट लुक को स्टाइल किया।

इस स्टार-स्टडेड इवेंट में सबा आज़ाद, अनाइता श्रॉफ अडजानिया, शिबानी दांडेकर और अन्य सेलेब्स ने भी शिरकत की। मौनी का गोल्डन आउटफिट में आकर्षक लुक निश्चित रूप से शो का मुख्य आकर्षण था और शो की समग्र भव्यता ने इसे हैदराबाद की अब तक की सबसे शानदार फैशन नाइट्स में से एक बना दिया।

अनुष्का सेन ने स्टाइलिश गाउन में नजर आई

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।अनुष्का सेन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का बेहद ही स्टाइलिश गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का बन बांधकर, लाइट मेकअप और गले में नेकलेस पहनकर एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो अपने परफेक्ट कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक करते हैं।अनुष्का सेन जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं।

ना कल्कि, ना देवरा, लकी भास्कर बनी फिल्म ऑफ द ईयर

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कूल एक्टर दुलकर सलमान की नई फिल्म लकी भास्कर ओटीटी पर रिलीज हो गई है। फिल्म में दुलकर सलमान के साथ मीनाक्षी चौधरी स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आई है। फिल्म की रिलीज होते ही लोग सोशल मीडिया पर अपना रिव्यू साझा कर रहे हैं। दुलकर सलमान की कॉमन मैन वाली यह स्टोरी लोगों काफी पंसद आ रही हैं।लकी भास्कर आज से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लकी भास्कर से दुलकर सलमान का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, स्कैम से ज्यादा थ्रिलिंग क्या हो सकता है? इसे सामने आते देखना। अब नेटफ्लिक्स पर तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में लकी भास्कर देखें।दुलकर सलमान की थ्रिलर मूवी को लेकर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर काफी सारे रिव्यू आए हैं। एक एक्स यूजर ने फिल्म के एक-एक प्वाइंट के बारे में बताया है। यूजर ने फिल्म को 5 स्टार में से 4।5 स्टार देते हुए पोस्ट में लिखा है, यह फिल्म

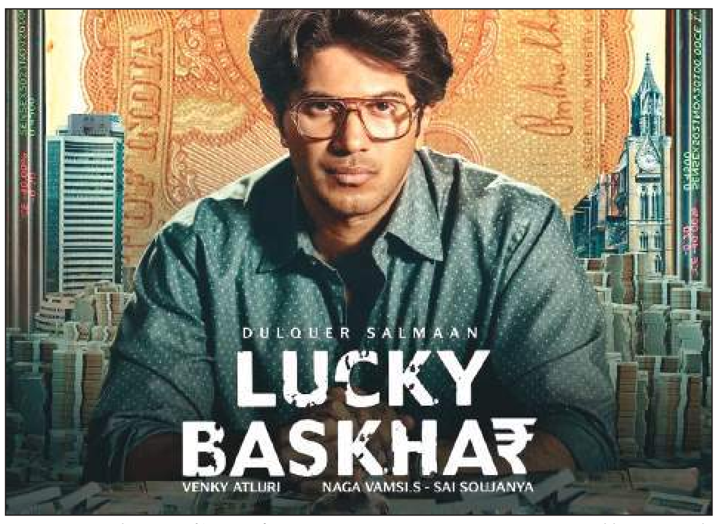

भास्कर नाम के एक बैंक कर्मचारी की कहानी है, जो अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में चुनौतियों सामना करता है। 90 के दशक के अंत का सेट अप शानदार है और बेहतरीन ड्रेस देखने में अमैडजिंग लगा। स्ट्रॉन्ग कास्ट और बेहतरीन साउंडट्रैक फिल्म को और बेहतर बनाते हैं।एक यूजर ने लिखा है, इस शख्स को मेरा सलाम, जीवी प्रकाश कुमार की याद आज भी मेरे दिमाग में है, जब मैंने इसे थिएटर में देखा था। यह फिल्म राष्ट्रीय पुरस्कारों में बेस्ट म्यूजिक की हकदार है। मैं इसके लिए कामना और प्रार्थना करता हूं।एक दूसरे यूजर ने लिखा है, दुलकर सलमान के लिए सबसे बेहतरीन एलिवेशन सीन में से एक और यह कोई एक्शन सीन नहीं है। ग्रेट राइटिंग यही कर सकता है।

सूर्या 44 में डांस नंबर करती दिखेंगी श्रिया सरन

श्रिया सरन को आखिरी बार 2024 की हिंदी वेब सीरीज शोटाइम में देखा गया था। अभिनेत्री के वर्कफ्रंट को लेकर चर्चा जोरो पर है। बीते दिनों खबरें थीं कि श्रिया फिल्म निर्माता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित अस्थायी शीर्षक वाली फिल्म सूर्या 44 से जुड़ गई हैं। वहीं, अब इन रिपोर्ट्स पर खुद अभिनेत्री ने पक्की मुहर लगा दी है। साथ ही अपने बयान से प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाती नजर आई हैं। अभिनेत्री श्रिया सरन ने हाल ही में कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक गैंगस्टर ड्रामा सूर्या 44 में स्पेशल डांस नंबर में अपनी भागीदारी की पुष्टि की। गोवा में 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए उन्होंने खुलासा किया, मैंने सूर्या सर की फिल्म में एक गाना शूट किया है। इसे शूट करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। मुझे लगता है कि गाना दिसंबर में आ रहा है।गोवा में एक विशेष रूप से निर्मित सेट पर फिल्माया गया यह गाना श्रिया की सुंदरता और ऊर्जा को उजागर करते हुए एक शानदार विजुअल ट्रीट देने का वादा करता है। इस डांस नंबर में सूर्या भी हैं। यह गाना निश्चित रूप से फिल्म के मुख्य आकर्षण में से एक होगा। श्रिया ने अपने आगामी पैन-इंडिया प्रोजेक्ट पर भी बात करते हुए कहा, मैं एक आगामी पैन-इंडिया प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूं, और शूटिंग तीन दिनों में शुरू होगी। हालांकि, उन्होंने फिल्म के बारे में अधिक जानकारी देने से परहेज किया।सूर्या 44 के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्मांकन पूरा किया है। फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। फिल्म में पूजा हेगड़े भी हैं और इसमें जयराम, जोजू जॉर्ज और करुणाकरण सहित कई शानदार सहायक कलाकार हैं। 10 अप्रैल, 2025 को भव्य रिलीज के लिए तैयार, फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत और शफीक मोहम्मद अली का संपादन है। यह सूर्या की 2डी एंटरटेनमेंट और कार्तिक सुब्बाराज की स्टोन बेंच फिल्म्स द्वारा सह-निर्मित है।

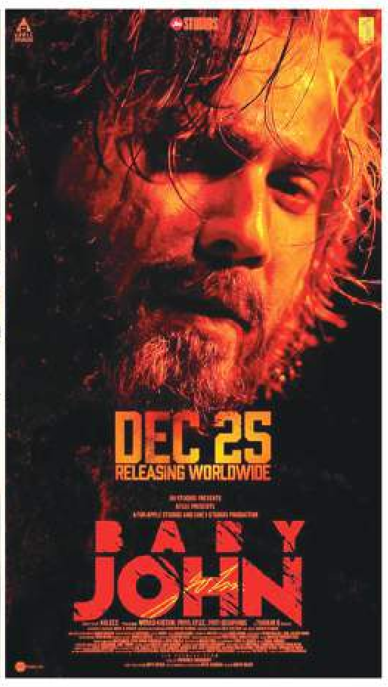

वरुण धवन की बेबी जॉन में सलमान खान का कैमियो कंफर्म!

हाल ही में एक्स पर आस्क मी एनीथिंग सेशन में वरुण धवन ने अपनी अपकमिंग फिल्म बेबी जॉन में सलमान खान के कैमियो को कंफर्म कर दिया है। कलीस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है इसी बीच चर्चा जोरों पर थी कि सलमान फिल्म में स्पेशल कैमियो में नजर आने वाले हैं। लेकिन इसका ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ था। अब हाल ही में वरुण ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा हिंट दे दिया है जिससे कंफर्म हो गया है कि सलमान बेबी जॉन में नजर आएंगे।वरुण धवन की अगली फिल्म बेबी जॉन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में हाल ही में एक्टर ने फिल्म के बारे में एक बड़ा हिंट दिया है। वरुण ने हाल ही में पुष्टि की है कि एक्शन-थ्रिलर में सलमान खान कैमियो करेंगे। इसका पता चलते ही फैंस की खुशी दोगुनी हो गई है, हाल ही में एक्स पर आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान उन्होंने कैमियो के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारी भी शेयर की। इस सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा, भाई का कैमियो बेबी जॉन में कितने मिनट का है? इस पर वरुण ने जवाब दिया, मिनट नहीं बोलूंगा, इसका इफेक्ट काफी महीनों तक रहने वाला है।इससे पहले, बेबी जॉन के मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसे टेस्टर कट कहा जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बेहतर ज़िन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाने कि कोशिश करें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी ख़ास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख़्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। ख़ाली वक़्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। वैवाहिक जीवन में निजता का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रॉनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। आप सभी पारिवारिक कर्ज़े ख़त्म करने में क़ामयाब रहेंगे। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने काम–से–काम रखना बेहतर रहेगा। कम–से–कम दख़ल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। किसी ऐसे इंसान के साथ समय बिताना जिसका साथ आपको बहुत पसंद न हो, आपकी खीझ की वजह हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। आपको ख़ुशी से भरी जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीख

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ दिलचस्प और रोमांचक काम करने के लिए बढ़िया वक़्त है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। आप दोनों आज बहुत मज़े करने वाले हैं। बेरोजगारों को आज के दिन नौकरी न मिलने का मलाल हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज आपको अपने जी–वनसाथी का दैवीय पक्ष देखने को मिल सकता है। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है। जीवन का आनंद अपने लोगों को साथ लेकर चलने में है यह बात आज आप स्पष्टता से समझ सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। किसी बुज़ुर्ग की सेहत चिंता का सबब बनेगी। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। आपका जीवनसाथी वाक़ई आपके लिए फ़रिश्तों की तरह है और आपको आज यह एहसास होगा। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुला–कात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 03 दिसंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया दोपहर 01:11 तक
नक्षत्र : मूल सायं 04:42 तक
योग : शूल सायं 03:07 तक
करण : कौलव दोपहर 01:11 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल सायं 04:42 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका : भजनलाल शर्मा

जयपुर,02 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं तथा लगभग 30 लाख लोगों को खनन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। राज्य के राजस्व में भी खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में राज्य सरकार कि प्राथमिकता है कि खनिज सम्पदा का समुचित दोहन हो तथा इस क्षेत्र में राजस्व में बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग खनन खोज कार्य में तेजी लाते हुए नये खनन क्षेत्रों की पहचान करें तथा नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खान एवं पेट्रोलियम विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति से प्राप्त खनिज संसाधनों का उपयोग जनता के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए तथा इसमें पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग खान विभाग की विभिन्न गतिविधियों के लिए आंकलन समिति का गठन किया जाए तथा इसकी नियमित बैठक भी आयोजित की जाए। उन्होंने रिफाईनरी परियोजना के लिए संबंधित फर्म से वार्ता कर इसके शीघ्र संचालन के लिए कार्ययोजना भी बनाने के लिए निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बेहद हर्ष का विषय है कि वर्तमान सरकार ने अपने प्रथम वर्ष के कार्यकाल में ही 47 प्रधान खनिज ब्लॉक्स नीलाम कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि गत सरकार ने अपने पूरे 5 साल के कार्यकाल में केवल 34 ब्लॉक ही नीलाम किये थे। उन्होंने कहा कि इसी तरह वर्तमान सरकार ने प्रथम वर्ष में अप्रधान खनिज के खनन पट्टे हेतु 426 प्लॉट्स की नीलामी की है जबकि पिछली सरकार के कार्यकाल में मात्र 282 प्लॉट्स ही नीलाम हुए थे। यह

दर्शाता है कि हमारी सरकार खनन से राज्य के राजस्व को बढ़ाने एवं भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

शर्मा ने कहा कि हाल ही में कैबिनेट ने नई खनिज नीति 2024 तथा नई एम-सेन्ड नीति 2024 को मंजूरी दी है। नई खनन नीति से प्रदेश में खनन आधारित उद्योगों, औद्योगिक निवेश, युवाओं व स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा एवं राजस्व में बढ़ोतरी होगी। साथ ही, अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी यह नीति महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि नई एम-सेण्ड नीति से प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना और बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सेण्ड के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रदेशभर में खनन कार्य नियमों के अनुरूप ही हो, ताकि अवैध खनन पर अंकुश लगे और वैध खनन को बढ़ावा मिले। उन्होंने नियमित रूप से खनन पट्टों की नीलामी के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीजीडीए के तहत गैस उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं को विभाग निर्देश दें कि वे वर्ष 2025 तक कम से कम एक जिले में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करें।

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष अक्टूबर 2024 तक प्रमुख प्रधान खनिजों से 270.45 करोड़ रुपये की वृद्धि रॉयल्टी में दर्ज की गई। इसी तरह इस वर्ष अक्टूबर 2024 तक प्रमुख अप्रधान खनिजों से 199.45 करोड़ रूपये की वृद्धि रॉयल्टी में दर्ज की गई। खान विभाग में वर्ष 2024-25 में खनिज बजरी की प्लॉट नीलामी से 1 हजार 12 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई जबकि गत सरकार के कार्यकाल में खनिज बजरी का कोई प्लॉट नीलाम नहीं हुआ। बजरी के अतिरिक्त समस्त अप्रधान खनिज के प्लॉटो की ई-नीलामी में वर्ष 2024-25 में 396 करोड़ रुपये की राजस्व आय हुई। विभाग द्वारा डीएमएफटी मद से 4 हजार 957 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया गया।

बैठक में खनिज ब्लॉक्स की नीलामी की प्रगति, डीएमएफटी मद से प्राप्त राशि के सही उपयोग की गाईडलाइन, विभागीय भर्तियां, सिरेमिक एवं रेयर मेटल्स के सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की प्रगति, भारत सरकार के स्तर पर लंबित मुद्दे सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बिजली कंपनियों के निजीकरण की कोई योजना नहीं : ऊर्जा मंत्री

जयपुर,02 दिसंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बिजली कंपनियों के निजीकरण को आधारहीन बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार की बिजली कंपनियों के निजीकरण की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं के मद्देनजर बिजली कंपनियों ने देश के प्रमुख केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ राज्यहित में एमओयू किए हैं। उन्होंने कहा कि कार्मिकों का सहयोग लेकर ही राज्य सरकार प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के कायाकल्प तथा सुदृढ़ीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है।

नागर सोमवार को राममंदिर स्थित ओल्ड पावर हाउस में जयपुर डिस्कॉम के प्रथम शिशु पालना घर के लोकार्पण समारोह में उपस्थित विद्युत कंपनियों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से निवेश आ रहा है उसमें सर्वाधिक भागीदारी एनर्जी सेक्टर की है। राज्य सरकार जो भी एमओयू करेगी उनमें कार्मिकों के हितों का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली वितरण तंत्र को मजबूत करने के लिए आरडीएसएस योजना के रूप में मात्र 8 हजार करोड़ रूपए की उपलब्धता है। प्रदेश के भूभाग तथा विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को देखते हुए आवश्यकता इससे कई गुना अधिक है। बैंकों से इतना वित्तीय संसाधन जुटाना पहले से ही ऋणभार से दबे डिस्कॉम्स के लिए संभव नहीं है। ऐसे में प्रदेशवासियों को गुणवत्तायुक्त आपूर्ति के लिए हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल जैसे नवाचार अपनाए जा रहे हैं। इस मॉडल पर देश में राजमार्ग भी बन रहे हैं। इससे डिस्कॉम कार्मिकों को भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है। इससे पहले नागर ने 55 लाख रूपए की लागत से निर्मित शिशु पालना गृह का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस पालना घर के निर्माण से यहां कार्यरत कर्मियों, विशेषकर महिला कार्मिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

धर्मांतरण कानून लाकर जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश : डोटासरा

जयपुर,02 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नए धर्मांतरण कानून के प्रस्ताव को भजनलाल कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया है।

गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को कहा कि भाजपा पहले भी धर्मांतरण कानून लेकर आई थी और अब वापस से कानून लेकर आई है। लेकिन यह कानून पास नहीं होगा। हर चीज के लिए पहले से कानून बना हुआ है और संविधान में भी व्यवस्था है। भाजपा सरकार ऐसे कानून लाकर जनता का ध्यान जनहित के मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जब वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री थीं, उस समय भी इस तरह का कानून लाया गया था। उसका क्या हुआ, सबको मालूम है। अब एक बार फिर उसे पुनर्जीवित किया जा रहा है। भाजपा हिंदू-मुस्लिम करके अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रही है। भाजपा कब तक अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकेगी। जब विधेयक विधानसभा में आएगा तब उसके

प्रावधान को देखने के बाद हम अपनी बातें सबके सामने रखेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चों वाले बयान पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राम मंदिर के अलावा हर रोज मस्जिदों में शिवलिंग ढूंढने की कोशिश करना गलत है। हमें हर धर्म का सम्मान करना चाहिए। यह सब चीज गलत है, जो देश में अराजकता और नफरत फैलाने वाली है। मोहन भागवत के बातों को भाजपा नहीं मान रही है, इससे ज्यादा और दुर्भाग्य क्या होगा? जिस आरएसएस के कंधे पर बैठकर और सवारी करके भाजपा सत्ता तक पहुंची है, वह मोहन भागवत की बात को नहीं मान रही है।

डोटासरा ने नगर निकाय चुनाव के बारे में कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है और करीब एक साल होने को आया तब से जनप्रतिनिधियों और उनके कामों की अपेक्षा की जा रही है। डोटासरा ने कहा, सबको मालूम था कि नवंबर में प्रदेश में अधिकतर नगर निकायों के चुनाव होने हैं जिसके लिए उन्हें वोटर लिस्ट और आरक्षण की व्यवस्था करने सहित अन्य काम करने थे। लेकिन सरकार हाथ पैर हाथ धरे बैठी रही, क्योंकि उनकी मंशा खराब थी। अब करीब एक महीने बाद पहले चरण में जनवरी में पंचायत राज के चुनाव होने हैं जिसकी सरकार तैयारी नहीं कर रही है। इसका मतलब स्पष्ट है कि भाजपा सरकार प्रशासक लगाकर जनप्रतिनिधियों के अधिकारों को छीनना चाहती है। भाजपा प्रशासक लगाकर ब्यूरोक्रेसी से सरकार चलाना चाहती है।

उन्होंने राजस्थान सरकार पर गुजरात मॉडल लागू करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह से गुजरात में जनप्रतिनिधि सरकार नहीं चला रहे, वैसे ही राजस्थान में उसे मॉडल को लागू किया जा रहा है। राजस्थान में जन प्रतिनिधि सरकार नहीं चला रहे हैं।

देश की अर्थव्यवस्था तेजी से कर रही प्रगति : अनिल विज

अंबाला,02 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेज़ी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, देश की आर्थिक स्थिति लगातार सुधार की ओर है, और इसका असर वैश्विक स्तर पर साफ दिखाई दे रहा है।

मंत्री विज ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ चल रही कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार इस दिशा में पूरी सक्रियता से काम कर रही है। असामाजिक तत्वों को पकड़ने का काम लगातार किया जा रहा है, और सरकार अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए विज ने कहा, ये सामान्य बात है कि जब हुड्डा साहब नेता प्रतिपक्ष नहीं रहे हैं, तो उन्हें कोठी खाली करनी ही पड़ेगी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में उनकी तुलना फिल्मी अभिनेता से भी की।विज ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, जमाना आगे बढ़ रहा है, लेकिन कांग्रेस देश को पीछे ले जाने की कोशिश कर रही है। दिल्ली में किसानों की गतिविधियों को लेकर विज ने पूछा कि क्या उन्होंने अपनी गतिविधियों के लिए दिल्ली से अनुमति ली है। मंत्री ने राज्य के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान त्वरित और प्रभावी तरीके से किया जाए। विज ने कहा-जनता की समस्याओं का हल प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। मंत्री अनिल विज के बयानों से यह स्पष्ट है कि सरकार आर्थिक और सामाजिक दोनों क्षेत्रों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। विपक्ष पर उनके तीखे प्रहार बीजेपी की रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं।

इस बार भी किसानों को एमएसपी और खाद देने में नाकाम रही भाजपा : हुड्डा

चंडीगढ़,02 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि एमएसपी की गारंटी किसानों का अधिकार है। किसान आंदोलन को खत्म करवाते हुए केंद्र सरकार ने खुद इसका वादा किया था। अब उसे अपने वादे के मुताबिक प्रत्येक फसल पर एमएसपी की कानूनी गारंटी देनी चाहिए। दिल्ली कूच करने वाले किसानों की मांगों पर बीजेपी सरकार को विचार करना चाहिए। कांग्रेस ने भी बार-बार यह मांग सरकार के सामने उठाई है और पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में भी इसका जिक्र किया गया था।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उनके साथ कांग्रेस सांसद जयप्रकाश जेपी और सतपाल ब्रह्मचारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा में भी किसानों के मुद्दे उठाए थे। सभी ने देखा कि चुनाव के बाद बीजेपी अपने ही वादे से मुकर गई। उसने ना किसानों को 3100रु के रेट पर धान खरीदी और ना ही एमएसपी पर खरीद की गई। जबकि बीजेपी दावा करती है कि वह हरियाणा में 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है। सच्चाई यह है कि हरियाणा में कुल 24 फसलें होती ही नहीं है। जो फैसले प्रदेश में होती हैं, उनका रेट भी किसानों को कभी नहीं दिया जाता।

इतना ही नहीं खाद के लिए भी किसानों को हर बार दर-दर भटकना पड़ता है। सरकार दावा करती है कि खाद की कोई कमी नहीं है। लेकिन फिर भी किसानों को कई-कई दिन लंबी-लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा और ब्लैक में खाद खरीदनी पड़ी। इस मौके पर जयप्रकाश जेपी और सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि कांग्रेस संसद में भी तमाम जरूरी मुद्दों पर चर्चा करना चाहती है। लेकिन सरकार चर्चा से भाग रही है और बार-बार सदन की कार्यवाही को स्थगित किया जा रहा है।

एचकेआरएम की आड़ में आरक्षण खत्म करना चाहती है सरकार: सैलजा

सिरसा,02 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएम) की आड़ में हरियाणा सरकार न सिर्फ सरकारी नौकरियों को समाप्त कर रही है बल्कि एससी-बीसी आरक्षण को भी खत्म कर रही है।

एचकेआरएम में एससी-बीसी आरक्षण के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है जो इस समाज के युवाओं के साथ अन्याय है। यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कही।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड को 13 अक्टूबर, 2021 को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत शामिल किया गया है। इसकी स्थापना हरियाणा में सभी सरकारी संस्थाओं को पारदर्शी, मजबूत और न्यायसंगत तरीके से संविदात्मक जनशक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। दावा किया गया था कि यह हरियाणा में संविदात्मक जनशक्ति प्रदान करने के लिए अधिकृत एजेंसी के रूप में कार्य करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। न तो यह निगम पारदर्शी तरीके से काम कर रहा है और न ही संविधान के हिसाब से। संविधान में एससी-बीसी वर्ग को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया हुआ है, मगर एचकेआरएम की भर्तियों में आरक्षण का प्रावधान नहीं रखा गया है।

कांग्रेस ने 55 सालों में लगातार झूठे वादे किए : नायब सिंह

कुरुक्षेत्र,02 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कुरुक्षेत्र में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने कमल का फूल खिलाया है। हम लोगों की शिकायतें उनके बीच जाकर सुनेंगे। कुरुक्षेत्र में कार्यालय है वहां पर भी सुनेंगे और अगर जरूरत पड़े तो चंडीगढ़ में भी सुनते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या ना हो, उसकी बात को सुनकर उसका समाधान करना हमारी सरकार का दायित्व है। सीएम ने कहा कि

आज लाडवा में आज मेरा पूरे दिन के कार्यक्रम है। मैं लोगों का धन्यवाद कर रहा हूं, उन्होंने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई है।

सीएम ने कहा कि भाजपा ने लोगों के हितों में बहुत काम किए हैं, हमने लगातार 10 सालों में किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में काम किया है। हमने हर वर्ग को मजबूत करने का काम किया है। सीएम नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए उनके झूठ को लोग समझ चुके हैं। कांग्रेस ने 55 सालों में लगातार झूठे वादे किए हैं और हर व्यक्ति का शोषण किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने महिलाओं, किसानों युवाओं का शोषण किया है। गरीब को और गरीब करने का काम भी कांग्रेस ने किया है। इनके पास बोलने को कुछ नहीं है। कांग्रेस झूठ बोलकर लोगों को बरगलाने का काम करती है।

फरीदाबाद एसीबी की कार्रवाई: बिजली विभाग के तीन अधिकारियों और अन्य पर मामला दर्ज

फरीदाबाद,02 दिसंबर (एजेंसियां)। फरीदाबाद की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने बिजली विभाग में टेंडर प्रक्रिया में धांधली के आरोप में 3 अधिकारियों और टेंडर लेने वाली कंपनी के मालिक, पार्टनर सहित अन्य पर मामला दर्ज किया है। आरोप है कि इन सभी ने साल 2008 में निजी लाभ के लिए टेंडर में गड़बड़ी की।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि 2008 में तत्कालीन अधिकारियों ने बिजली मंत्री रणदीप सुरजेवाला के अधिकारियों के साथ मिलकर अपने जानकार को टेंडर दिलाने में मदद की थी। जांच के बाद एसीबी ने पाया कि बिजली विभाग द्वारा जारी ई-टेंडर में गड़बड़ी हुई थी, लेकिन एसीबी ने अपनी एफआईआर में रणदीप सुरजेवाला का नाम शामिल नहीं किया।

नामजद आरोपित - रिटायर्ड डए एस. के. सचदेवा,रिटायर्ड बलवंत सिंह, कुलभूषण (सीनियर अकाउंट ऑफिसर, हिसार), संधु सिक्योरिटी सर्विस के मालिक अजय संधु, ईश्वर सिंह नैन (पार्टनर) एक अन्य अज्ञात व्यक्ति। 27 नवंबर 2024 को जांच के बाद आरोप सही पाए गए, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.